प्रात: कालीन राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

अजमेर से प्रकाशित

कल का सम्राट

RNI NO.RJHIN/25/A 1891

समानता, न्याय एवं स्वतंत्रता का सजग प्रहरी

कोरोना ...2

उपचार प्रक्रिया में 2

वर्ष: 1 अंक: 287 मूल्य: 5 रूपये विक्रम संवत: 2083 | अजमेर, सोमवार 25 मई 2026 | पृष्ठ: 12 संपादक: विनोद कुमार kalkasamrat@gmail.com

अजमेर, ब्यावर, केकड़ी, जयपुर, दूदू, भीलवाड़ा, चित्तौड़, नागौर, टोंक, सीकर, बूंदी, कोटा, पाली, जोधपुर से प्रसारित

राजस्थान पुलिस का संडेज ऑन साइकिल महाअभियान संपन्न

राष्ट्रमंडल दिवस पर फिट इंडिया के संकल्प से जुड़े 18000 से अधिक लोग

75वें राष्ट्रमंडल दिवस पर पुलिसकर्मियों ने दिखाई फिटनेस की ताकत

जयपुर

राजस्थान पुलिस के नेतृत्व में रविवार को प्रदेशभर में संडेज ऑन साइकिल अभियान का एक विशेष और भव्य संस्करण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। युवाओं, महिलाओं और आम नागरिकों में स्वास्थ्य के प्रति चेतना जगाने के उद्देश्य से आयोजित इस राज्यव्यापी कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, जवानों और आम जनता सहित रिकॉर्ड 18,000 से अधिक प्रतिभागियों ने अत्यंत उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

इस महाअभियान का मुख्य उद्देश्य हर नागरिक तक 'फिटनेस की डोज आधा घंटा रोज' का प्रभावी संदेश पहुंचाना है, जो कि वर्ष 2019 में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए ऐतिहासिक 'फिट इंडिया मूवमेंट' का एक अभिन्न हिस्सा है.

योग, जुम्बा और साइकिलिंग का भव्य आयोजन

डीजीपी के निर्देशन और खेल मंत्रालय के निर्देशों के तहत 75वां संस्करण

यह विशेष आयोजन भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय नई दिल्ली के दिशा-निर्देशों के तहत राष्ट्रमंडल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य देश की खेल संस्कृति को मजबूत करना है। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में इस वर्ष इस अभियान के 75वें संस्करण का सफल संचालन किया गया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस आर्म्ड बटालियन एवं मुख्य खेल अधिकारी रुपिंदर सिंघ के नेतृत्व में इस राज्यव्यापी अभियान को सुचारू रूप से अमलीजामा पहनाने के लिए उप महानिरीक्षक पुलिस, आर्म्ड बटालियन-द्वितीय श्री विनीत कुमार बंसल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया था।

18000 पुलिसकर्मियों और सामाजिक संगठनों का अनूठा संगम

रविवार की सुबह को पूरी तरह सेहत और नई ऊर्जा के नाम करते हुए राज्य की समस्त जिला पुलिस, आरएसी बटालियनों, प्रशिक्षण संस्थानों और अन्य पुलिस इकाइयों के लगभग 18,000 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके साथ ही स्थानीय साइकिलिंग क्लबों, स्वयंसेवी संस्थाओं, विभिन्न फिटनेस समूहों और सीएलजी सदस्यों सहित विशिष्ट व गणमान्य नागरिकों ने भी अपनी सशक्त भागीदारी निभाई। इस अभियान को लेकर माननीय प्रधानमंत्री ने भी पूर्व में अपने 'मन की बात' कार्यक्रम के 117वें एपिसोड में इस पहल को विशेष रूप से सराहा था।

योग, जुम्बा, रन और साइकिलिंग से गूंजा पूरा राजस्थान

तनावमुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए आज सुबह ठीक 6:00 बजे राजस्थान पुलिस अकादमी और विभिन्न पुलिस ट्रेनिंग सेंटर्स सहित सभी जिला मुख्यालयों पर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। संडे की इस ऊर्जावान सुबह में सबसे पहले सामूहिक योग और ध्यान का सत्र आयोजित हुआ। इसके बाद जवानों और आमजन का उत्साह बढ़ाने के लिए जुम्बा डांस, रनिंग और रोप स्किपिंग जैसी शारीरिक फिटनेस गतिविधियाँ की गईं। कार्यक्रम के अंतिम चरण में भव्य साइकिलिंग रैलियों का आयोजन किया गया, जिसने पूरे प्रदेश को फिटनेस के एक रंग में रंग दिया।

सोशल मीडिया पर छाया राजस्थान पुलिस का यह फिट अंदाज

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल को काम के भारी दबाव और मानसिक तनाव से मुक्त करना भी है। राज्यभर से प्राप्त इस महाअभियान की अत्यंत आकर्षक व प्रेरक तस्वीरों और वीडियो को राजस्थान पुलिस के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स पर प्रमुखता से साझा किया जा रहा है, ताकि डिजिटल माध्यमों से भी स्वस्थ जीवनशैली और नियमित व्यायाम का यह सकारात्मक संदेश देश-दुनिया के कोने-कोने तक पहुंच सके।

▶ भाई मेजर हर्षित ने दी मुखाग्नि, पूरा परिवार फूट-फूटकर रोया

ट्विशा का 12 दिन बाद भोपाल में हुआ अंतिम संस्कार, सुप्रीम कोर्ट में आज होगी सुनवाई

दिल्ली एम्स के डॉक्टरों की टीम ने भोपाल एम्स में किया 3 घंटे तक दोबारा पोस्टमार्टम

सीलबंद लिफाफे में सौंपी जाएगी रिपोर्ट, सैंपल और विसरा भोपाल में रहेगा सुरक्षित

● भोपाल

एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में रविवार को दिल्ली एम्स की फोरेंसिक टीम की मौजूदगी में भोपाल एम्स में शव का दोबारा पोस्टमार्टम किए जाने के बाद आखिरकार 12 दिन बाद ट्विशा का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

शाम करीब पांच बजे भदभदा श्मशान घाट में भाई मेजर हर्षित शर्मा ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस दौरान परिवार का माहौल बेहद गमगीन रहा और मां समेत परिजन फूट-फूटकर रो पड़े। भोपाल एम्स में करीब तीन घंटे तक चली पोस्टमार्टम दिल्ली एम्स के फोरेंसिक विशेषज्ञ डॉ. सुधीर गुप्ता की अगुवाई में टीम ने पूरी की। पोस्टमार्टम के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। अस्पताल और श्मशान घाट तक भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। जांच से जुड़े सैंपल और विसरा भोपाल एम्स में सुरक्षित रखे गए है। टीम अपनी रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सौंपेगी। दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट हो सकेगा कि ट्विशा की मौत आत्महत्या थी या हत्या।

डबल लिगेचर मार्क व चोटों पर उठे थे सवाल, इसलिए अड़े रहे परिजन

पहली पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह आत्महत्या बताई गई थी, लेकिन गले पर मिले दो निशानों और शरीर पर चोटों के निशानों के बाद परिजनों ने रिपोर्ट पर सवाल खड़े कर दिए। परिवार का दावा है कि गले के दोनों निशान ओवरलैप कर रहे थे, जो सामान्य फांसी के मामलों से अलग है। इसके अलावा कथित फंदे की जब्ती में देरी, शरीर पर चोटों के निशान, हायॉइड बोन (गर्दन की हड्डी) सुरक्षित मिलने और मेडिकल पैनल की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए गए। इन्हीं बिंदुओं को आधार बनाकर परिवार लगातार दोबारा पोस्टमार्टम की मांग कर रहा था।

12 दिन भोपाल में रहा परिवार

ट्विशा शर्मा की शादी दिसंबर 2025 में क्रिमिनल लॉयर समर्थ सिंह से हुई थी। समर्थ, रिटायर्ड जज गिरीबाला सिंह के बेटे हैं। शादी के करीब पांच महीने बाद 12 मई को ट्विशा का शव भोपाल स्थित ससुराल में फंदे से लटका मिला था। अगले ही दिन परिवार नोएडा से भोपाल पहुंच गया था। परिजनों का आरोप है कि शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं हुई। बाद में परिवार ने पति समर्थ और सास गिरीबाला के खिलाफ मामला दर्ज कराया और सीबीआई जांच की मांग उठाई।

पोस्टमार्टम के दौरान मीडिया से बचते नजर आए टीआई

भोपाल एम्स में पोस्टमार्टम के दौरान कटारा हिल्स थाना प्रभारी सुनील दुबे भी मौजूद थे। मीडिया द्वारा सवाल पूछे जाने पर वह जल्दबाजी में वहां से निकल गए। ट्विशा के परिजन लगातार थाना प्रभारी की भूमिका पर सवाल उठा रहे है। उनका आरोप है कि शुरुआती जांच में कई स्तर पर लापरवाही बरती गई। परिवार ने निष्पक्ष जांच के लिए टीआई को तत्काल हटाने की मांग भी की है। ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा ने कहा कि दूसरी पोस्टमार्टम प्रक्रिया से उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद जगी है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार जताते हुए कहा कि सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया और सीबीआई जांच का निर्णय किया। परिवार ने मांग की है कि केस जल्द से जल्द सीबीआई को सौंपा जाए।

बाघ ने ली महिला की जान, उसकी भी ट्रैंकुलाइजेशन के बाद हुई मौत

बांधवगढ़ में तीन लोगों पर किया था हमला, इनमें दो घायल ट्रैंकुलाइज करने की दवा ओवरडोज होने से बाघ की गई जान

● भोपाल

मप्र के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघ के हमले में एक महिला की मौत और बाद में ट्रैंकुलाइजेशन के दौरान बाघ की मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद वन विभाग की कार्यप्रणाली और टाइगर रेस्क्यू प्रोटोकॉल पर सवाल उठने लगे हैं।

दरअसल, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बाघ ने शनिवार रात एक महिला पर हमला कर दिया था। हमले में महिला की मौत हो गई। वहीं, बाघ ने अन्य दो ग्रामीणों पर भी हमला किया था। इस घटना के बाद बाघ का रेस्क्यू किया गया था, जिसमें उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, पनपथा बफर परिक्षेत्र में बाघ के हमले से खेरबा टोला निवासी 48 वर्षीय फूलबाई की मौत हुई है।

घायलों में दसैय्या और फुल्ला शामिल हैं। हमले के बाद बाघ घर के पास बैठा रहा और दहाड़ता रहा, जिससे दहशत फैल गई। वहीं, टाइगर रिजर्व में आक्रोशित ग्रामीणों और वन विभाग की टीम से झड़प हो गई। ग्रामीणों ने टाइगर रिजर्व की टीम पर हमला कर दिया। सरकारी गाड़ी भी तोड़ दी। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। इसके बाद वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान टाइगर को ट्रैंकुलाइज किया, जिसके बाद वह बेहोश हो गया। हालांकि, कुछ देर बाद टाइगर की मौत हो गई। ट्रैंकुलाइज के दौरान दवा की ओवरडोज की वजह से जान जाने की आशंका है। वन विभाग मामले की जांच में जुटा है।

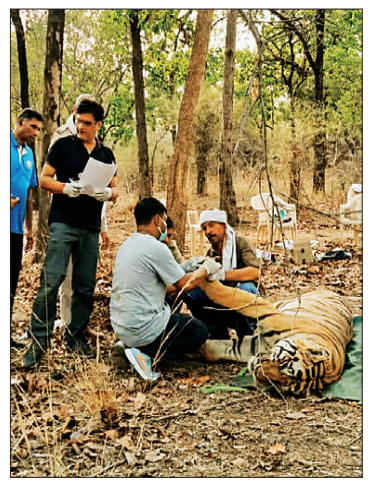

सीएम ने की 25 लाख रु. मुआवजे की घोषणा

घटना के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने बाघ के हमले में एक महिला की मौत पर शोक व्यक्त किया है। मृतक के परिजनों के लिए 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। इसके अलावा घायलों के मुफ्त इलाज और मुआवजा दिए जाने के निर्देश भी जारी किए हैं।

एंटी-डोज देने में देरी से बाघ की मौत की आशंका

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से आई यह घटना कई गंभीर सवाल खड़े करती है। हमलावर बाघ को ट्रेंकुलाइज करने के बाद उसकी मौत होना वन्यजीव प्रबंधन और रेस्क्यू प्रोटोकॉल पर चिंता बढ़ाता है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दवाओं के ओवरडोज तथा एंटी-डोज देने में देरी को मौत की संभावित वजह माना जा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक ट्रेंकुलाइजेशन के बाद निर्धारित समय के भीतर रिवर्सल इंजेक्शन देना बेहद जरूरी होता है। यदि इसमें देरी हो जाए तो जानवर की सांस और हृदय गति प्रभावित हो सकती है। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों के आक्रोश और हमले के कारण रेस्क्यू टीम मौके से हट गई, जिससे निगरानी और मेडिकल प्रबंधन प्रभावित हुआ। इस संबंध में वाइल्ड लाइफ पीसीसीएफ समीता राजौरा का कहना है कि बाघ की मौत की सही वजह पीएम रिपोर्ट आने के बाद लग पाएगी।

सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026

जिला कलक्टर श्री लोकबंधु ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

कल का सम्राट

अजमेर। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा रविवार को आयोजित सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 के सफल, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए जिला कलक्टर श्री लोकबंधु ने जिले के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला कलक्टर श्री लोकबंधु ने राजकीय जवाहर उच्च माध्यमिक विद्यालय, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय पुलिस लाइन , सावित्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय , सावित्री राजकीय कन्या महाविद्यालयसहित विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, बैठने की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने केन्द्राधीक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता एवं सतर्कता के साथ संपादित की जाए तथा परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। उन्होंने कहा कि परीक्षा का शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित संचालन के लिए संघ लोक सेवा आयोग के निर्देशानुसार सभी प्रशासनिक अधिकारियों, केन्द्राधीक्षकों, वीक्षकों एवं अन्य कार्मिकों की जिम्मेदारियां निर्धारित कर ड्यूटी लगाई गई है। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के साथ सतत निगरानी रखी जा रही है। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने परीक्षा केन्द्रों पर तैनात अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की तथा निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न नहीं हो। उन्होंने परीक्षार्थियों के लिए सहज एवं अनुकूल वातावरण बनाए रखने को निर्देशित किया ।

दोनों पारियों में ये रहीं उपस्थिति

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा रविवार को दो पारियों में 8 परीक्षा केन्द्रों पर सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 आयोजित हुई। सुबह प्रथम पारी में कुल 2548 में से 1754 परीक्षार्थी, 68.84 प्रतिशत उपस्थित रहें। इसी प्रकार दोपहर द्वितीय पारी में कुल 2548 में से 1740 परीक्षार्थी, 68.29 प्रतिशत उपस्थित रहें।

गंगा दशमी पर 25 मई से शुरू होगा वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री दिलावर चंबल रिवर फ्रंट पर करेंगे अभियान का शुभारंभ

कल का सम्राट

कोटा। वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का शुभारंभ गंगा दशमी (25 मई), सोमवार को होगा। जिला स्तरीय अभियान का शुभारंभ शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर गंगा आरती घाट, पूर्वी द्वार, बैराज साईड, चंबल रिवर फ्रंट पर प्रातः 9 बजे करेंगे। विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) तक संचालित होने वाले वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान की शुरुआत नदी, बांध, तालाब सहित अन्य जल स्त्रोतों पर पूजन एवं नहरों और खालों की साफ-सफाई (डी-सिल्टिंग) के साथ होगी।

पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मंडल

विश्व पर्यावरण दिवस-2026 : सौर ऊर्जा से हरित भविष्य की ओर कोटा मंडल

कोटा। विश्व पर्यावरण दिवस-2026 के अवसर पर पश्चिम मध्य रेलवे का कोटा मंडल हरित ऊर्जा के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ खड़ा है। इस वर्ष अभियान की थीम 'जलवायु परिवर्तन – धरती माँ की चुनौतियाँ' के अनुरूप मंडल ने वर्ष 2023 से 2026 के मध्य अपने विभिन्न भवनों एवं परिसरों पर कुल 4.54 मेगावाट क्षमता के रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए हैं। ये संयंत्र प्रतिवर्ष 64 लाख यूनिट स्वच्छ विद्युत का उत्पादन कर रहे हैं, जिससे मंडल को प्रतिवर्ष ?5 करोड़ की बिजली लागत में बचत प्राप्त हो रही है।

विकट समय में एसडीपी डोनेशन को तैयार रहते हैं रोहित

कोटा।

टीम जीवन दाता देर रात तक भी सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। कुछ डोनर्स देर रात तक सेवा में सर्वोपरि रहते हुए एसडीपी डोनेशन कर रहे हैं। लायंस क्लब कोटा टेक्नो के निदेशक व टीम जीवन दाता के संरक्षक व संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि देर रात मरीज नंदकिशोर को ओ पॉजिटिव एसडीपी की आवश्यकता थी कई जगह प्रयास करने के बाद भी एसडीपी नहीं मिल रही थी, ऐसे में टीम जीवन दाता से संपर्क किया गया।नंदकिशोर के पोते रोहित शर्मा ने स्थिति की गंभीरता को बताया, उसके बाद हमेशा रात के समय सेवा में अग्रणी रहने वाले मोहित अग्रवाल को कॉल किया तो वह रात करीब 1:00 बजे अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंचे और उन्होंने चौथी बार एसडीपी डोनेट की है, वह इससे पूर्व आठ बार ब्लड डोनेशन भी कर चुके हैं। मोहित अग्रवाल का कहना है कि रात के समय हमेशा सेवा में सर्वोपरि रहते हुए कार्य करना चाहिए क्योंकि रात के समय कम लोग ही एसडीपी डोनेशन के लिए पहुंच पाते हैं ऐसे में कुछ युवाओं को भी एसडीपी डोनेशन के लिए तैयार रहना चाहिए।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 2.0 का शंखनाद

सोमवार (गंगा दशहरा) को वरूण सागर पर होगा जिला स्तरीय शुभारम्भ

25 मई से 5 जून तक जिलेभर में होंगे जल संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के विविध कार्यक्रम

अजमेर।

राज्य सरकार की मंशानुरूप जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से जिले में 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 2.0' का आयोजन 25 मई (गंगा दशहरा) से 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) तक किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत जल संग्रहण, परंपरागत जल स्रोतों के पुनरुद्धार, नवीन जल संचय संरचनाओं के निर्माण तथा जन-जागरूकता गतिविधियों का व्यापक संचालन किया जाएगा।

गंगा दशहरा पर भव्य जिला स्तरीय शुभारंभ

अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ सोमवार 25 मई को गंगा दशहरा के पावन अवसर पर प्रातः 8 बजे अजमेर स्थित वरुण सागर पर आयोजित भव्य समारोह से होगा। कार्यक्रम में श्रमदान एवं सफाई अभियान के साथ वंदे गंगा प्रभातफेरी, कलश यात्रा, रंगोली, नुक्कड़ नाटक तथा जल संरक्षण विषयक उद्बोधन आयोजित किए जाएंगे। आमजन को जल संरक्षण जन अभियान का संकल्प भी दिलाया जाएगा।

इस अवसर पर पीपल पूजन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम होंगे तथा नौसर स्थित लव-कुश वाटिका में तुलसी पौधों का वितरण किया जाएगा। सोमवार सायं 6 बजे वरुण सागर पर वंदे गंगा आमुखीकरण कार्यशाला, जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण विषयक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन भी किया जाएगा।

पंचायतों से लेकर शहरों तक होंगे जन-जागरूकता कार्यक्रम

अभियान के प्रथम दिन जिला, ब्लॉक, ग्राम पंचायत एवं नगरीय क्षेत्रों में तालाबों, नदियों और जल संग्रहण संरचनाओं पर स्वच्छता अभियान, दीप प्रज्वलन एवं विशेष पूजन कार्यक्रम आयोजित होंगे।

26 मई को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा पंचायत स्तर पर नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण का संदेश दिया जाएगा तथा नवीन अमृत सरोवरों का शिलान्यास किया जाएगा।

27 मई को स्वयंसेवी संस्थाओं, देवस्थान एवं पशुपालन विभाग के सहयोग से गौशालाओं एवं धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान और संगोष्ठियों का आयोजन होगा।

28 मई को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं भू-जल विभाग द्वारा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड सहित सार्वजनिक स्थलों पर 'वंदे गंगा जल सेवा' शुरू की जाएगी। साथ ही जल परीक्षण अभियान एवं रूफ टॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक की जानकारी दी जाएगी। उद्योग विभाग द्वारा सीएसआर कार्यशाला आयोजित कर ग्रीन ऑफिस इनिशिएटिव एवं एनर्जी ऑडिट को प्रोत्साहित किया जाएगा।

29 मई को स्वच्छ भारत मिशन एवं राजीविका के माध्यम से प्राचीन तालाबों, जोहड़ों एवं ग्रामीण मार्गों की विशेष साफ-सफाई करवाई जाएगी। वहीं 30 मई को जलग्रहण विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान की समीक्षा, जल चौपालों का आयोजन एवं चारागाह चिन्हांकन की तैयारी की जाएगी।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर विशेष श्रमदान एवं रैलियां

31 मई (ज्येष्ठ पूर्णिमा) को पंचायती राज, खेल विभाग एवं नेहरू युवा केंद्र के सहयोग से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रभातफेरी, साइकिल रैली एवं जन-जागरूकता रैलियां निकाली जाएंगी। पुलिस, सेना एवं अर्धसैनिक बलों के जवान चिन्हित स्थलों पर विशेष श्रमदान करेंगे। स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा पक्षियों के लिए परिंडे बांधने एवं पशु खेलियों की सफाई का कार्य किया जाएगा। इस दिन नगरीय निकायों में 'नो प्लास्टिक डे' मनाते हुए प्लास्टिक कचरे के निष्पादन के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

किसानों को दी जाएगी सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों की जानकारी

एक जून को कृषि एवं उद्यान विभाग द्वारा किसानों को स्प्रिंकलर, ड्रिप एवं फार्म पॉण्ड की स्वीकृतियां जारी की जाएंगी। साथ ही जैविक खेती एवं सूक्ष्म सिंचाई पद्धति पर किसान चौपाल एवं कार्यशालाओं का आयोजन होगा।

2 जून को जल संसाधन एवं जलदाय विभाग द्वारा बांधों एवं नहरों पर 'कैच द रेन' अभियान अंतर्गत गाद निकालने (डी-सिल्टिंग) कार्य तथा कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर होगा अभियान का समापन

3 जून को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा मीडिया राउंड टेबल एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का फील्ड भ्रमण आयोजित किया जाएगा।

4 जून को वन एवं पर्यावरण विभाग द्वारा 'रन फॉर एन्वायरमेंट' कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके साथ ही खेल एवं शिक्षा विभाग द्वारा निबंध, नारा लेखन, चित्रकला एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

अभियान का समापन 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला स्तरीय समारोह के साथ होगा। इस अवसर पर वन विभाग द्वारा नर्सरियों की विशेष सफाई, गड्ढा खुदाई एवं सघन पौधारोपण अभियान की शुरुआत की जाएगी। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल एवं स्वायत्त शासन विभाग द्वारा नदियों एवं झीलों की सफाई तथा सिंगल यूज प्लास्टिक त्यागने हेतु शपथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

तालाब में डूबने से बालक की दर्दनाक मौत, बिना पोस्टमार्टम के शव ले गए परिजन

कल का सम्राट

ब्यावर। ब्यावर के बलाड गांव में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां पर तालाब में नहाने गए एक बालक की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की सहायता से बालक के शव को तालाब से बाहर निकाला तथा राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय लेकर पहुंचे जहां पर ड्यूटी डॉक्टर ने उसका स्वास्थ्य परीक्षण करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी के बाद सदर थाना पुलिस भी अस्पताल पहुंची तथा घटना की जानकारी ली। इस दौरान परिजनों ने बालक के शव का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। जिसके बाद कानूनी कार्रवाई कर बालक के शव को अंतिम संस्कार हेतु परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मिली जानकारी के मुताबिक बॉडी घाटी निवासी 14 वर्षीय काना राम पुत्र हाकिम सिंह रावत अपनी बुआ के घर आयोजित मायरे के समारोह में शामिल होने के लिए अपने परिजनों के साथ बलाड गांव आया था। घर में खुशी का माहौल था और सभी लोग आयोजन में व्यस्त थे।

इसी दौरान कानाराम घर के ही कुछ अन्य बालकों के साथ घर से बाहर निकला था। दोपहर के समय बालक अपने तीन.चार अन्य बालकों के साथ बलाड गांव स्थित तालाब पर नहाने चला गया। नहाते.नहाते बालक अचानक गहरे पानी की ओर चला गया। पानी का अंदाजा न होने के कारण वह डूबने लगा। साथ आए बालक तालाब से बाहर निकल कर घर पहुंचे तथा परिजनों को घटना की जानकारी दी। इस बात की जानकारी मिलते ही परिजन बलाड गांव के तालाब पर पहुंचे तथा ग्रामीणों के साथ मिलकर बालक को तालाब से बाहर निकाला लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इस हादसे से बुआ के घर में कोहराम मच गया। वही घटना की सूचना मिलते ही सदर थाने के एसआई अरविंद कुमार तथा एएसआई सुखराम राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय पहुंचे तथा घटना की जानकारी ली। इस दौरान परिजनों ने मृतक बालक का पोस्टमार्टम कराने से इंकार दिया जिसके बाद पुलिस ने कानूनी कार्रवाई कर बालक के शव को अंतिम संस्कार हेतु परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

मन का मंथन ही भविष्य की कुंजी

मनुष्य का जीवन उसके विचारों और मन की दिशा पर आधारित होता है। यदि मन सकारात्मक और संतुलित हो तो जीवन सुख, शांति और सफलता से भर जाता है, लेकिन यदि मन अस्थिर और भ्रमित हो जाए तो वही मन व्यक्ति को गलत रास्तों की ओर ले जाता है। इसलिए कहा गया है कि 'मन ही मनुष्य का सबसे बड़ा मित्र और सबसे बड़ा शत्रु है।' आज के आधुनिक युग में भौतिक सुख-सुविधाओं की दौड़ में मनुष्य अपने भीतर झांकना भूलता जा रहा है। परिणामस्वरूप समाज में क्रोध, अपराध, तनाव, लोभ, स्वार्थ और नैतिक पतन जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। इन सभी समस्याओं का समाधान केवल 'मन का मंथन' अर्थात आत्मचिंतन में छिपा हुआ है। मन का मंथन का अर्थ है अपने विचारों, व्यवहार और कर्मों की समीक्षा करना। जब व्यक्ति स्वयं के भीतर झांककर यह समझने का प्रयास करता है कि वह क्या सही कर रहा है और क्या गलत, तभी उसके जीवन में सुधार संभव होता है। जिस प्रकार समुद्र मंथन से अमृत निकला था, उसी प्रकार मन का मंथन करने से व्यक्ति के भीतर छिपी अच्छाइयां, सकारात्मकता और विवेक जागृत होते हैं। यह प्रक्रिया व्यक्ति को आत्मज्ञान और सही मार्ग की ओर ले जाती है। आज समाज में अनेक लोग छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित हो जाते हैं, गलत निर्णय ले लेते हैं और बाद में पछताते हैं। इसका मुख्य कारण मन का असंतुलन है। जब मनुष्य केवल अपनी इच्छाओं और भावनाओं के अधीन होकर कार्य करता है, तब वह सही और गलत की पहचान नहीं कर पाता। यही स्थिति कई बार अपराध, पारिवारिक विवाद और सामाजिक अशांति का कारण बनती है। इसलिए मन को नियंत्रित करना और उसके विचारों का मंथन करना अत्यंत आवश्यक है। परिवार बच्चों की पहली पाठशाला होता है। यदि माता-पिता बच्चों को अच्छे संस्कार, अनुशासन और नैतिक शिक्षा दें, तो बच्चे सही दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। आज बच्चों में मोबाइल, सोशल मीडिया और गलत संगत का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में केवल किताबों की शिक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि मानसिक और नैतिक शिक्षा भी जरूरी है। माता-पिता और शिक्षक यदि बच्चों के मन को समझकर उन्हें सकारात्मक सोच और आत्मचिंतन की प्रेरणा दें, तो वे भविष्य में एक जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं। शिक्षकों की भूमिका भी समाज निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शिक्षक केवल विषयों का ज्ञान देने तक सीमित न रहें, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन के नैतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाएं। जब विद्यार्थी अपने मन और विचारों को नियंत्रित करना सीखेंगे, तभी वे जीवन में सफलता और संतुलन प्राप्त कर पाएंगे। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा, योग, ध्यान और प्रेरणादायक गतिविधियों को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि बच्चों का मानसिक विकास भी हो सके। आज की युवा पीढ़ी अनेक प्रकार के मानसिक दबाव और भ्रम का सामना कर रही है। प्रतियोगिता, सोशल मीडिया का प्रभाव, गलत मित्रता और त्वरित सफलता की चाह कई युवाओं को गलत रास्ते की ओर ले जा रही है। ऐसे समय में मन का मंथन युवाओं को सही दिशा दिखा सकता है। यदि युवा अपने लक्ष्य, विचार और कर्मों पर आत्मचिंतन करें, तो वे अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं। आत्मनियंत्रण और सकारात्मक सोच ही उन्हें नशे, अपराध और अवसाद जैसी समस्याओं से दूर रख सकती है। मन का मंथन केवल व्यक्तिगत सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र के विकास से भी जुड़ा हुआ है।

कल का सम्राट
अजमेर संभाग
सामाजिक सरोकार
टोंक, भीलवाड़ा, नागौर, डूंगरपुर, दूदू, जयपुर
अजमेर, सोमवार, 25 मई 2026

कांग्रेस के लिए डायमंड है विनोद जाखड

बाल मुकुंद जोशी

देश के एक बड़े राजनेता जब चुनाव हार गये तो मैने उनसे पूछा 'अब क्या होगा' तो उन्होंने कहा 'चिंता की कोई बात नहीं है, हाथी मरा हुआ भी सवा लाख का होता है मतलब हार हुआ नेता सियासत में कभी जिंदा हो जाता है.

आज जब मै एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड के सियासी 'उठाव' को देखता हूं तो साफ लगता है कि नेता की किस्मत की कश्ती कब पार हो जाये इसका कोई अनुमान नहीं लगाया जा सकता.

हाल ही के महिनों की बात है जब विनोद जाखड राजस्थान विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम के विरोध के चलते जेल चले गए थे तब उनको डूबता सितारा मानकर कांग्रेस के कई नेताओं ने उनसे दूरी बना ली थी. जबकि जाखड तब प्रदेशाध्यक्ष भी थे.इतना ही नहीं उनको 'साइड लाइन' करने का भी जोरदार अभियान चलाया गया.

इसी बीच आया सहस्त्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनने का वक्त. जाखड सहित अनेक धुरंधर इस ताज को पहनने की जद्दोजहद में जुटे थे साथ में उनके विरोधियों की यह भी कोशिश रही कि दलित समाज से आने वाला डायनेमिक युवा नेता इस रेस को कहीं जीत न जाये.पर कहते है ना खुदा को ओर ही कुछ मंजूर था और विनोद जाखड ने बाजी मार ली.

दरअसल जिस मुद्दे ने जाखड़ को सींखचों में पहुंचाया उसी ने देश भर में उड़ान भरने का ईनाम दे दिया. आज जाखड़ जिस लगन और निष्ठा के साथ लगभग दम तोड़ चुके कांग्रेस के छात्र संगठन में जान फूंकने की शिद्दत से कोशिश कर रहे है वो वाकई काबिलेतारीफ हैं. सच कहे लंबे समय के बाद युवा शक्ति को 'हाथ' से जोडने वाला डायमंड कांग्रेस को मिला है.

राजस्थान में पंचायत चुनाव की अटकी राह साफ, 400 ग्राम पंचायतों से जुटाया डेटा, अब सरकार को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

कल का सम्राट

राजस्थान में पंचायत-निकाय चुनाव की अटकी राह अब साफ होती नजर आ रही है। ओबीसी आरक्षण तय करने में सबसे बड़ी बाधा बने करीब 400 ग्राम पंचायतों और कुछ पंचायत समितियों के लंबित आबादी संबंधी आंकड़े पंचायत राज विभाग की ओर से जुटाकर राज्य ओबीसी आयोग को भेजे जाना बताया जा रहा है। इस डेटा के आधार पर आयोग आरक्षण रिपोर्ट तैयार कर राजस्थान सरकार को सौंप सकता है। हाईकोर्ट की सख्ती और 31 जुलाई से पहले चुनाव कराने के निर्देशों के बाद सरकार और आयोग स्तर पर हलचल और मंथन दोनों तेज हो गए हैं दरअसल, राज्य ओबीसी आयोग ने फरवरी में सरकार को पत्र लिखकर बताया था कि 400 ग्राम पंचायतों के आंकड़े अधूरे होने से आरक्षण रिपोर्ट तैयार करना संभव नहीं हो पा रहा है। नई पंचायतों के गठन और परिसीमन के कारण रिकॉर्ड जुटाने में तकनीकी दिक्कतें आ रही थीं। नई व्यवस्था के तहत ग्राम पंचायतों में 3 हजार तक आबादी पर 7 वार्ड बनाए गए हैं, जबकि इसके बाद प्रत्येक अतिरिक्त एक हजार आबादी पर 2 नए वार्ड जोड़े गए है इसी प्रकार पंचायत समितियों में 1 लाख तक आबादी पर 15 वार्ड निर्धारित किए गए है और प्रत्येक अतिरिक्त 15 हजार आबादी पर 2 नए वार्ड बनाए गए हैं। वहीं, जिला परिषदों में 4 लाख तक आबादी पर 17 वार्ड तथा इसके बाद प्रत्येक 1 लाख आबादी पर 2 अतिरिक्त वार्ड गठित किए गए है परिसीमन के बाद जिला परिषदों की संख्या 33 से बढ़कर 41 हो गई है पंचायत समितियां 365 से बढ़कर 457 तक पहुंच गई है, जबकि ग्राम पंचायतों की संख्या 11,194 से बढ़कर 14,403 हो गई है। यदि हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुसार जुलाई में चुनाव कराए जाते है, तो भी प्रदेश की 12 जिला परिषद और 130 पंचायत समितियों में चुनाव दूसरे चरण में ही होंगे। वजह यह है कि इन संस्थाओं का कार्यकाल अभी पूरा नहीं हुआ है

बता दें कि राजस्थान हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कहा था कि प्रदेश में पंचायत-निकाय चुनाव और नहीं टाले जा सकते कोर्ट ने चुनाव की प्रक्रिया पूरी करने के लिए समय सीमा 31 जुलाई तक बढ़ते हुए दो टूक शब्दों में कहा था कि ओबीसी आयोग की रिपोर्ट न आने के कारण चुनाव लंबे समय तक नहीं टाले जा सकते

माननीय मंत्री सुरेश सिंह रावत ने विकास कार्यों, जनसंवाद और जनसेवा से जीता जनता का विश्वास – लगभग 149.75 लाख के कार्यों को किया पुष्कर को समर्पित

कल का सम्राट

अजमेर। पुष्कर विधानसभा क्षेत्र में विकास, जनसेवा और जनसंवाद का मजबूत संगम देखने को मिल रहा है। राजस्थान सरकार के यशस्वी जल संसाधन मंत्री एवं पुष्कर विधायक माननीय श्री सुरेश सिंह रावत ने आज पुष्कर एवं ग्रामीण क्षेत्र में लगभग ?149.75 लाख के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण, उद्घाटन एवं शुभारंभ कर क्षेत्रवासियों को समर्पित किया। सड़क, खेल, ग्रामीण आधारभूत संरचना एवं गौसंवर्धन से जुड़े इन कार्यों ने क्षेत्र में विकास की नई ऊर्जा का संचार किया है।

इसी क्रम में माननीय मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत ने मुख्यमंत्री बजट घोषणा एमएलएनपी 2025-26 के अंतर्गत सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा पुष्कर-तिलोरा रोड सब्जी मंडी (चावंडिया रोड) पर निर्मित ?40 लाख लागत की सीसी सड़क का लोकार्पण किया। इस सड़क निर्माण से किसानों, व्यापारियों, सब्जी विक्रेताओं एवं आमजन को बड़ी राहत मिलेगी तथा मंडी क्षेत्र की यातायात व्यवस्था अधिक सुगम एवं व्यवस्थित होगी।

इसके साथ ही मंत्री श्री रावत ने सार्वजनिक निर्माण विभाग की डीएमएफटी योजना 2025-26 के अंतर्गत नगर परिषद पुष्कर क्षेत्र में चामुंडा माता मंदिर, खरेखड़ी रोड के पास ?1 करोड़ की लागत से बनने वाले खेल मैदान की चारदीवारी निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह कार्य क्षेत्र के युवाओं एवं खिलाड़ियों को सुरक्षित एवं बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

इसके पश्चात माननीय मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत ग्राम पंचायत भांवता स्थित गिरधर गोपाल गौशाला पहुंचे, जहां विधायक मद से निर्मित ?9.75 लाख लागत के चार नवनिर्मित गोदामों का उद्घाटन कर उन्हें गौशाला एवं ग्रामीण क्षेत्र को समर्पित किया। मंत्री श्री रावत ने कहा कि ग्रामीण विकास एवं गौसंवर्धन राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं तथा गांवों की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

दिनभर विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता निभाने के दौरान माननीय मंत्री श्री रावत ने स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों, युवाओं एवं ग्रामीणों से आत्मीय संवाद भी किया। आमजन के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनना, सुझाव लेना एवं विकास कार्यों को लेकर चर्चा करना मंत्री श्री रावत की कार्यशैली का विशेष हिस्सा रहा।

माननीय मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत ने कहा– 'जनसेवा, विकास और जनसंवाद ही मेरी राजनीति का मूल उद्देश्य है। किसान की मुस्कान, युवा का विश्वास और आमजन की सुविधा ही विकसित पुष्कर एवं विकसित राजस्थान की असली पहचान बनेगी। '

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार विकास की प्रत्येक योजना को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सड़क, खेल, कृषि एवं ग्रामीण विकास से जुड़े इन कार्यों से क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार होगा तथा आमजन को सीधा लाभ मिलेगा। माननीय मंत्री श्री रावत ने भांवता में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात चोरेटी माता यज्ञ में सम्मिलित होकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना भी की। पुष्कर विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रहे विकास कार्यों एवं जनसंवाद से आमजन में नई आशा एवं विश्वास का संचार हुआ है। क्षेत्रवासियों द्वारा माननीय श्री सुरेश सिंह रावत को एक दूरदर्शी, संवेदनशील एवं विकासशील जनप्रतिनिधि के रूप में देखा जा रहा है, जिनके नेतृत्व में पुष्कर विकास एवं जनविश्वास की नई पहचान स्थापित कर रहा है। जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, युवाओं एवं ग्रामीणों में कार्यक्रमों को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।

मंत्री सुरेश सिंह रावत ने की व्यापक जनसुनवाई कर अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

कल का सम्राट

अजमेर। भाजपा जिला कार्यालय, मदारपुरा रोड, अजमेर में आज राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री एवं पुष्कर विधायक सुरेश सिंह रावत ने कार्यकर्ताओं एवं आमजन से संवाद करते हुए व्यापक जनसुनवाई की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, भाजपा कार्यकर्ता एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों एवं समर्पित कार्यकर्ताओं ने पेयजल आपूर्ति, नलकूप एवं ट्यूबवेल की मरम्मत, तालाबों और नालों की सफाई, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, सड़कों की स्थिति, बिजली आपूर्ति तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ से जुड़े विषय प्रमुखता से उठाए। मंत्री श्री रावत ने सभी समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए कहा कि जनता की समस्या का त्वरित समाधान प्रशासन एवं संबंधित विभागों की प्रथम जिम्मेदारी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत पर प्राथमिकता के आधार पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जनहित में दिए गए प्रमुख निर्देशों में आपात जल समस्याओं एवं पेयजल आपूर्ति से जुड़े मामलों का 48 से 72 घंटे के भीतर प्रारम्भिक निस्तारण, नलकूप एवं ट्यूबवेल की खराबी पर त्वरित तकनीकी निरीक्षण एवं मरम्मत, तालाबों, नालों एवं जलाशयों की सफाई और पुनरुद्धार हेतु समन्वित अभियान चलाना शामिल रहा। इसके साथ ही उन्होंने दीर्घकालिक जल सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वर्षा जल संचयन, रिचार्ज संरचनाओं एवं जल संरक्षण योजनाओं को शीघ्र लागू करने के निर्देश भी दिए। मंत्री रावत ने अधिकारियों से कहा कि प्राप्त शिकायतों का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखा जाए तथा आमजन को समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए ताकि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने यह भी कहा कि जिन मामलों का त्वरित समाधान संभव नहीं है, उनमें स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित कर जनता को जानकारी दी जाए। साथ ही मॉनिटरिंग तंत्र को और अधिक सुदृढ़ करने तथा क्षेत्रीय निरीक्षणों में तेजी लाने के निर्देश भी प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं एवं आमजन ने मंत्री श्री रावत के जनसंपर्क, संवेदनशील कार्यशैली एवं समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

संपादकीय | विकास दर के अनुमान में कटौती...

इसमें कोई दोराय नहीं कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद जिस स्तर पर वैश्विक अनिश्चितता की स्थिति पैदा हुई, उसका प्रभाव दुनिया के ज्यादातर देशों पर पड़ा है। भारत में भी आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने की वजह से कई स्तर पर झटके लगे हैं, जिसका सीधा असर देश की आर्थिक संरचना पर पड़ा है। इसके बावजूद भारत ने अपने स्तर पर हालात से निपटने की कोशिश की है और यही वजह है कि आने वाले दिनों की चुनौतियों के समांतर कुछ सकारात्मक संकेत अब भी कायम हैं।

वैश्विक स्तर पर ज्यादातर देशों को लगे आर्थिक झटकों के असर का दायरा अब भी फैल रहा है और शायद संयुक्त राष्ट्र की ओर से इन्हीं वजहों से भारत की विकास दर प्रभावित होने की आशंका जाहिर की गई है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग की ओर से मंगलवार को जारी रिपोर्ट में भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान में कटौती कर दी गई है। इसके मुताबिक, वर्ष 2026 में भारत की विकास दर 6.6 प्रतिशत से घटकर 6.4 प्रतिशत हो सकती है।

निश्चित तौर पर यह भारत के लिए एक चुनौती भरा वक्त साबित हो सकता है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने जिस तरह विकास दर में इस अनुमानित संशोधन के बावजूद भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में एक बने रहने का आकलन पेश किया है, उससे एक उम्मीद भी पैदा होती है। दरअसल, पश्चिम एशिया में युद्ध के बाद जैसी स्थितियां पैदा हुईं, उसका असर इस रूप में आने की आशंका पहले से जताई जा रही थी। सच यह है कि न केवल

भारत, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अप्रत्याशित साबित हो रहे संकट का दायरा और भी विस्तृत हो सकता है, क्योंकि 2026 के लिए वैश्विक जीडीपी वृद्धि का अनुमान भी महज 2.5 प्रतिशत आंका गया है।

यह छिपा नहीं है कि दुनिया के ज्यादातर प्रभावित देशों में इसकी वजह से विकास की रफ्तार धीमी हुई है और सभी जगहों पर महंगाई का दबाव तेजी से बढ़ा है। आम लोगों की क्रयशक्ति कमजोर होने का सीधा असर बाजार पर पड़ता है और उसका सिरा आगे उत्पादन क्षेत्र तक भी जाता है। ऐसे में इससे निपटने के लिए नीति-निर्माण के मामले में विकल्प कम होते जाते हैं।

हालांकि वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा कीमतों में उछाल और व्यापारिक अनिश्चितता का प्रत्यक्ष प्रभाव भारत समेत कई अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ रहा है। खासतौर पर ईरान और अमेरिका-इजराइल युद्ध से उपजे हालात में तेल आयात पर निर्भर देशों की चिंताएं बढ़ी हैं। सच यह है कि जिस तरह ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया, उसकी वजह से अन्य देशों के साथ-साथ भारत को भी इसका बड़ा खमियाजा उठाना पड़ा है।

यों भारत ने इसका विकल्प निकालने की कोशिश की है और तेल आयात के लिए अन्य कुछ देशों के साथ कूटनीतिक संवाद कायम किया है, लेकिन फिलहाल बाधित आपूर्ति श्रृंखला की वजह से अर्थव्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है। ऐसे में ऊर्जा आयात के क्षेत्र में बढ़ती लागत और वित्तीय स्थितियों पर लगातार बढ़ते दबाव की वजह से अगर भारत की विकास दर भी चुनौतियों के बीच है, तो यह एक स्वाभाविक स्थिति है। मगर इसका सामना करना इस बात पर निर्भर है कि सरकार नए विकल्पों को लेकर कितनी स्पष्ट है और कितनी इच्छाशक्ति के साथ पहल करती है।

भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को नया विस्तार

इस दौर में वैश्विक स्तर पर कई तरह की नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। ऐसे में भारत और इटली के बीच द्विपक्षीय संबंधों को एक अहम अध्याय के रूप में देखा जा सकता है। दरअसल, दोनों देशों ने वर्ष 2029 तक अपने बीच होने वाले व्यापार को नई ऊंचाई देने का एक महत्त्वपूर्ण संकल्प लिया है। यों कुछ समय पहले भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते ने एक नई जमीन रची थी, लेकिन अब भारत और इटली के बीच दुर्लभ खनिजों के मुद्दे पर हुए समझौते के अलावा आतंकवाद के खिलाफ सहयोग पर जो सहमति बनी है, उससे उम्मीद बंधी है कि दोनों देशों के संबंधों को एक नया आयाम मिलेगा। इसके अलावा रणनीतिक साझेदारी पर भी अहम समझौतों के साथ रक्षा, व्यापार और नवाचार से लेकर अन्य कई महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के कदम बढ़ते दिख रहे हैं। मगर यह धरातल पर कितना उतरेगा, अभी कहना मुश्किल है। उम्मीद की जा रही है कि वैश्विक स्तर पर बदलते समीकरणों के बीच रक्षा तथा आर्थिक संबंध और समुद्री परिवहन में सहयोग बढ़ाने का संकल्प द्विपक्षीय संबंधों को नया विस्तार देगा। खासतौर पर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर जो समझौते हुए हैं, वे भविष्य में हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिहाज से बेहद महत्त्वपूर्ण हैं। अगर ये जमीन पर उतरते हैं, तो इसे एक महत्त्वपूर्ण कूटनीतिक उपलब्धि माना जाएगा, जो शायद दोनों देशों के संबंधों को एक नए स्तर पर आगे ले जाए। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे पर सहयोग करने की प्रतिबद्धता से भी स्पष्ट है कि साझेदारी का दायरा बड़ा है। गौरतलब है कि इटली, यूरोपीय संघ में भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। रणनीतिक साझेदारी कई स्तरों पर बढ़ने जा रही है, लेकिन अच्छी बात यह है कि विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक व्यापक रूपरेखा बनेगी और दोनों देश संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना की समीक्षा करेंगे। आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए साझा प्रयास करने पर दोनों देशों के बीच बनी सहमति वक्त की जरूरत है। हालांकि, फिलहाल संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि दोनों देश इसे व्यावहारिक स्तर पर कितना और कैसे लागू करते हैं।

आज का कार्टून

अपराधमुक्त राजनीति से ही संभव है नया भारत-विकसित भारत

भारत आज जिस दिशा में बढ़ रहा है, वहां राजनीति की शुचिता और नैतिकता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। यदि हम 2047 तक विकसित भारत बनना चाहते हैं, यदि हमें विश्वगुरु बनना है, यदि भारत को वैश्विक नेतृत्व करना है, तो राजनीति को अपराध और धनबल के प्रभाव से मुक्त करना ही होगा। आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रतिष्ठा तभी सार्थक होगी जब लोकतंत्र की आत्मा सुरक्षित रहेगी। राजनीति का उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, समाज निर्माण होना चाहिए। लोकतंत्र केवल वोटों का गणित नहीं, बल्कि विश्वास, नैतिकता और जनप्रतिनिधित्व की पवित्र व्यवस्था है। यदि राजनीति अपराधमुक्त होगी तो शासन अधिक पारदर्शी होगा, जनता का विश्वास बढ़ेगा और राष्ट्रनिर्माण की गति भी तेज होगी। आज आवश्यकता केवल सरकारों या चुनाव आयोग के प्रयासों की नहीं है, बल्कि समाज, मतदाता संगठनों, नागरिक संस्थाओं, मीडिया और जागरूक नागरिकों के संयुक्त अभियान की है। भारतीय मतदाता संगठन जैसे प्रयास इसी दिशा में आशा की किरण हैं। इन प्रयासों को राष्ट्रीय स्वरूप देने की जरूरत है।

ललित गर्ग

भारत आज एक ऐतिहासिक संक्रमण काल से गुजर रहा है। एक ओर देश विकसित भारत-2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, वैश्विक मंचों पर भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ रही है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व राजनीति और कूटनीति के केंद्र में उभर रहा है, वहीं दूसरी ओर भारतीय राजनीति में अपराध, धनबल और बाहुबल की बढ़ती पैठ लोकतंत्र की आत्मा को आहत कर रही है। यह विडंबना ही है कि जिस भारत को विश्वगुरु बनने का स्वप्न दिखाया जा रहा है, उसकी राजनीति अभी भी अपराधमुक्त नहीं हो सकी है। हाल ही में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद सामने आए आंकड़ों ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। समाचार पत्रों में प्रकाशित एडीआर (ऐसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिपोर्ट) की रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम बंगाल विधानसभा के लगभग 65 प्रतिशत विधायक आपराधिक मामलों वाले हैं, जबकि 61 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं। रिपोर्ट के अनुसार 294 विधायकों में से 190 विधायकों ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले घोषित किए हैं तथा लगभग 142 विधायकों पर गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, महिलाओं के विरुद्ध अपराध और अन्य गंभीर मामले भी शामिल हैं।

यह केवल पश्चिम बंगाल की स्थिति नहीं है। संसद और देश की अनेक विधानसभाओं की स्थिति भी इससे बहुत अलग नहीं है। पिछले कुछ वर्षों के चुनावी विश्लेषण बताते हैं कि उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना सहित अनेक राज्यों में बड़ी संख्या में ऐसे जनप्रतिनिधि चुनकर आए हैं जिन पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं। लोकतंत्र के मंदिरों में अपराध और दागी छवि वाले लोगों की बढ़ती उपस्थिति आज राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुकी है। राजनीति मूलतः लोकसेवा, नैतिक नेतृत्व और राष्ट्रनिर्माण का माध्यम मानी गई थी। महात्मा गांधी, जयप्रकाश नारायण, लाल बहादुर शास्त्री, अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं ने राजनीति को मूल्य आधारित दिशा दी। लेकिन समय के साथ राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता का स्थान धीरे-धीरे चुनावी गणित, धनबल और प्रभावशाली समूहों ने लेना शुरू कर दिया। आज कई राजनीतिक दल उम्मीदवार चयन में योग्यता, चरित्र और जनसेवा की बजाय 'जीतने की क्षमता' को प्राथमिकता देते दिखाई देते हैं। यही कारण है कि दागी छवि वाले व्यक्तियों को भी टिकट देने में संकोच नहीं किया जाता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र की राजनीति में आने के बाद अनेक मंचों से राजनीति के अपराधीकरण पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने संसद में और सार्वजनिक मंचों पर कई बार कहा कि राजनीति को अपराधमुक्त बनाना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के शीघ्र निपटान के लिए विशेष अदालतों की आवश्यकता पर बल दिया। किंतु चिंता का विषय यह है कि आज भी लगभग सभी राजनीतिक दलों की स्थिति समान दिखाई देती है। चुनाव जीतने की मजबूरी और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के कारण दल अपराधी और दागी उम्मीदवारों को टिकट देने से परहेज नहीं कर पा रहे हैं। इस स्थिति के पीछे कई कारण हैं। पहला कारण है चुनावों का अत्यधिक खर्चीला होना। आज चुनाव लड़ना सामान्य व्यक्ति की क्षमता से बाहर होता जा रहा है। बड़े संसाधनों वाले और आर्थिक रूप से प्रभावशाली लोग चुनावी प्रक्रिया में अधिक सक्रिय हो रहे हैं। दूसरा कारण है बाहुबल और प्रभाव का उपयोग। कई क्षेत्रों में आज भी राजनीतिक प्रभाव स्थापित करने के लिए शक्ति प्रदर्शन को महत्वपूर्ण माना जाता है। तीसरा कारण है न्यायिक प्रक्रिया की धीमी गति। गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों के वर्षों तक लंबित रहने के कारण आरोपी चुनाव लड़ते रहते हैं और जनप्रतिनिधि बन जाते हैं।

राजनीति में अपराधीकरण का दूसरा बड़ा पक्ष है धनबल। पश्चिम बंगाल विधानसभा के आंकड़े बताते हैं कि 61 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं। यह प्रवृत्ति पूरे देश में दिखाई देती है। संसद और विधानसभाओं में करोड़पति जनप्रतिनिधियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि क्या लोकतंत्र धीरे-धीरे सामान्य नागरिक की पहुंच से दूर होता जा रहा है? यदि राजनीति केवल धनवान और प्रभावशाली वर्गों तक सीमित हो जाएगी तो लोकतंत्र की समावेशी भावना कमजोर होगी। इन परिस्थितियों में नागरिक समाज और लोकतांत्रिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारतीय मतदाता संगठन इस दिशा में उल्लेखनीय प्रयास कर रहा है। इसके संस्थापक रिखबचंद जैन के नेतृत्व में लंबे समय से राजनीति को स्वच्छ और अपराधमुक्त बनाने की दिशा में जनजागरण अभियान चलाए जा रहे हैं। संगठन मतदाता जागरूकता, नैतिक मतदान, स्वच्छ राजनीति और जिम्मेदार नागरिकता को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। लोकतंत्र को केवल चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि मूल्य आधारित व्यवस्था मानते हुए यह संगठन समाज को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है कि मतदाता केवल जाति, धर्म, क्षेत्र या दलगत निष्ठा के आधार पर नहीं, बल्कि उम्मीदवार के चरित्र और सार्वजनिक जीवन को देखकर मतदान करें। इसी प्रकार एडीआर (ऐसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिपोर्ट) जैसे संगठन भी चुनावी पारदर्शिता और जनप्रतिनिधियों की पृष्ठभूमि सार्वजनिक करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। इन संगठनों के कारण आज मतदाताओं को उम्मीदवारों के आपराधिक मामलों, संपत्ति और शिक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध हो रही है। यह लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग भी इस दिशा में लगातार प्रयासरत है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद राजनीतिक दलों को उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड सार्वजनिक करने के निर्देश दिए गए हैं। उम्मीदवारों को शपथपत्र में अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि, संपत्ति और देनदारियों की जानकारी देना अनिवार्य किया गया है। चुनाव आयोग लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चला रहा है। किंतु केवल औपचारिक प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। इन प्रयासों को अधिक तीव्र, व्यापक और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। आज आवश्यकता है कि राजनीति के अपराधीकरण के विरुद्ध राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक आंदोलन खड़ा किया जाए। इसके लिए कुछ ठोस कदम आवश्यक हैं- पहला, जिन उम्मीदवारों पर हत्या, बलात्कार, अपहरण, भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोप न्यायालय द्वारा तय हो चुके हों, उनके चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाने पर गंभीर विचार होना चाहिए। दूसरा, जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के त्वरित निपटान हेतु विशेष न्यायालयों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि वर्षों तक मुकदमे लंबित न रहें। तीसरा, राजनीतिक दलों को दागी उम्मीदवारों को टिकट देने पर जवाबदेह बनाया जाए। उन्हें सार्वजनिक रूप से बताना चाहिए कि स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवार उपलब्ध होने के बावजूद दागी व्यक्ति को क्यों चुना गया। चौथा, चुनावी खर्च पर कठोर नियंत्रण और पारदर्शिता लाई जाए ताकि सामान्य और योग्य नागरिक भी राजनीति में प्रवेश कर सकें। पांचवां, मतदाता जागरूकता को जनांदोलन बनाया जाए। जब तक मतदाता स्वयं दागी उम्मीदवारों को अस्वीकार नहीं करेंगे, तब तक सुधार अधूरा रहेगा।

भारत आज जिस दिशा में बढ़ रहा है, वहां राजनीति की शुचिता और नैतिकता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। यदि हम 2047 तक विकसित भारत बनना चाहते हैं, यदि हमें विश्वगुरु बनना है, यदि भारत को वैश्विक नेतृत्व करना है, तो राजनीति को अपराध और धनबल के प्रभाव से मुक्त करना ही होगा। आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रतिष्ठा तभी सार्थक होगी जब लोकतंत्र की आत्मा सुरक्षित रहेगी। राजनीति का उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, समाज निर्माण होना चाहिए। लोकतंत्र केवल वोटों का गणित नहीं, बल्कि विश्वास, नैतिकता और जनप्रतिनिधित्व की पवित्र व्यवस्था है। यदि राजनीति अपराधमुक्त होगी तो शासन अधिक पारदर्शी होगा, जनता का विश्वास बढ़ेगा और राष्ट्रनिर्माण की गति भी तेज होगी।

आज आवश्यकता केवल सरकारों या चुनाव आयोग के प्रयासों की नहीं है, बल्कि समाज, मतदाता संगठनों, नागरिक संस्थाओं, मीडिया और जागरूक नागरिकों के संयुक्त अभियान की है। भारतीय मतदाता संगठन जैसे प्रयास इसी दिशा में आशा की किरण हैं। इन प्रयासों को राष्ट्रीय स्वरूप देने की जरूरत है। भारत के विकसित भविष्य की आधारशिला केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि स्वच्छ राजनीति भी है। क्योंकि अपराधमुक्त राजनीति ही विकसित भारत, समृद्ध भारत और विश्वगुरु भारत की वास्तविक पहचान बन सकती है।

क्या कॉकरोच जनता पार्टी के पास राजनीतिक जमीन है?

कॉकरोच जनता पार्टी के पास राजनीतिक जमीन नहीं है, जबकि आम आदमी पार्टी राजनीतिक व्यवस्था को बदलने की जमीन तैयार करने के बाद अस्तित्व में आई थी। नेपाल में जेन-जी आंदोलन राजनीतिक रूप से खोखली हो चुकी व्यवस्था की पृष्ठभूमि में खड़ा हुआ था, जबकि बांग्लादेश में बदलाव की जमीन मुख्यतः धार्मिक कट्टरता पर आधारित थी। ऐसे में सवाल यह है कि कॉकरोच जनता पार्टी के पास क्या है, सिवाय इसके कि वह केवल भारतीय जनता पार्टी का विरोध कर रही है? वह पूरे राजनीतिक तंत्र का विरोध नहीं कर रही, जिसे बदलने के उद्देश्य से अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे।

अवतांश चित्रांश

दरअसल, कॉकरोच जनता पार्टी के कर्ताधर्ता अभिजीत दीपके ने कुछ ऐसा ही किया है। सोशल मीडिया के इस दौर में, जब भ्रम आग से भी तेज गति से फैलता है, तब चीफ जस्टिस का एक शब्द 'कॉकरोच' का दीपके ने जिस तरह इस्तेमाल किया, उसने उसे अचानक चर्चा के केंद्र में ला दिया। हालांकि, इस भ्रम के टूटने में ज्यादा समय नहीं लगेगा, क्योंकि केजेपी के पास कोई ठोस नैतिक आधार नहीं है। और राजनीति में वैचारिक व नैतिक जमीन का होना पहली शर्त माना जाता है।मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं, इसे समझने के लिए उस संदर्भ को समझना जरूरी है, जिसमें चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने 'कॉकरोच' शब्द को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया। यह संदर्भ स्वयं युवाओं, विशेषकर जेन-जी, के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौती को उजागर करता है। जेन-जी के भीतर विभाजन की शुरुआत ही आरक्षण व्यवस्था से हो जाती है, जो अवसर की समानता के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा बनकर सामने आती है। सवाल यह है कि अभिजीत दीपके इस चुनौती का सामना कैसे करेंगे? पूरा मामला दिल्ली हाई कोर्ट के वकील संजय दुबे की एक याचिका से शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने अयोग्य वकीलों को सीनियर एडवोकेट का दर्जा दिए जाने का विरोध किया था। इस याचिका की सुनवाई भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच कर रही थी। सुनवाई के दौरान बेंच ने संजय दुबे से पूछा कि क्या उनके पास अपने 'सीनियर एडवोकेट' के दर्जे के लिए मुकदमा लड़ने के अलावा कोई और मामला नहीं है?

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने टिप्पणी करते हुए कहा, 'पूरी दुनिया शायद सीनियर दर्जे के लिए पात्र हो सकती है, लेकिन कम-से-कम आप नहीं हैं। यदि हाई कोर्ट आपको सीनियर घोषित भी कर देता है, तो हम आपके पेशेवर आचरण को देखते हुए उसे रद्द कर देंगे।'

सुनवाई के दौरान वकीलों की कानून की डिग्रियों की जांच प्रक्रिया का मुद्दा भी उठा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ वकीलों द्वारा डाली जा रही सामग्री को देखकर उन्हें कई वकीलों की कानून की डिग्रियों की प्रामाणिकता पर गंभीर संदेह होता है। उन्होंने कहा कि वह ऐसे किसी उपयुक्त मामले की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिसमें दिल्ली के कई वकीलों की डिग्रियों की सत्यता की जांच सीबीआई से कराई जा सके, क्योंकि बार काउंसिल ऑफ इंडिया कई कारणों से इस दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठा रही है।इसी दौरान चीफ जस्टिस ने याचिकाकर्ता संजय दुबे से कहा कि समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी मौजूद हैं, जो व्यवस्था पर लगातार हमला करते रहते हैं। क्या आप भी उन्हीं के साथ जुड़ना चाहते हैं? उन्होंने कहा कि कुछ युवा रोजगार न मिलने और अपने पेशे में जगह न बना पाने के कारण कॉकरोच की तरह हर जगह फैल जाते हैं। उनमें से कुछ मीडिया में पहुंच जाते हैं, कुछ सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं, तो कुछ अन्य प्रकार के एक्टिविस्ट बनकर हर किसी पर हमला शुरू कर देते हैं।

चीफ जस्टिस की इन टिप्पणियों को पढ़ने के बाद सवाल उठता है कि क्या हमारे सिस्टम में योग्य युवाओं की तुलना में अयोग्य लोगों को अधिक अवसर और लाभ नहीं मिल रहा? और इसी संदर्भ में यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि अभिजीत दीपके योग्य युवाओं के साथ खड़े हैं या उन अयोग्य 'कॉकरोचों' के साथ, जिनकी ओर चीफ जस्टिस ने संकेत किया था?

योग्यता और अयोग्य 'कॉकरोचों' की इस चर्चा के बीच दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़ा एक प्रसंग भी उल्लेखनीय है। अभिजीत दीपके, केजरीवाल के आंदोलन से जुड़े रहे हैं और उनकी तुलना महात्मा गांधी से करते हैं। पत्रकार और लेखक अभिषेक श्रीवास्तव की किताब 'आम आदमी के नाम पर' में अरविंद केजरीवाल की पुस्तक 'स्वराज' से जुड़ा कथित कंटेंट चोरी का एक प्रसंग दर्ज है। किताब के अनुसार, गौतम बुद्ध नगर के दादरी निवासी अजयपाल नागर ने 23 मार्च 2013 को अरविंद केजरीवाल के खिलाफ किताब चोरी का मुकदमा दर्ज कराया था। अजयपाल नागर का आरोप था कि 'स्वराज' उनकी पुस्तक 'भारतीय राजव्यवस्था' की नकल करके लिखी गई थी।

स्पष्ट है कि चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने समाज में मौजूद ऐसे ही परजीवी तत्वों की ओर संकेत किया, जो दूसरों की योग्यता और मेहनत के आधार पर अपनी दुकान खड़ी करते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी भी कहीं न कहीं ऐसी ही एक राजनीतिक दुकान प्रतीत होती है, जो व्यवस्था से नाराज जेन-जी को कुछ समय के लिए आकर्षित तो कर सकती है, लेकिन लंबे समय तक टिकाऊ विकल्प नहीं बन सकती।

कॉकरोच पृथ्वी पर डायनासोर से भी पहले से मौजूद जीव माना जाता है। यह एक निशाचर कीड़ा है, जो अंधेरी, गर्म और नम जगहों में पनपता है। वैज्ञानिक रूप से यह भी तथ्य है कि सिर कट जाने के बाद भी कॉकरोच कई दिनों तक जीवित रह सकता है, क्योंकि उसका तंत्रिका तंत्र शरीर के अन्य हिस्सों में भी सक्रिय बना रहता है। कॉकरोच की इस सर्वाइवल कलाकारी को, ऑफिस कार्यालयों में युवा तंज की तरह इस्तेमाल करते हैं। मसलन, बॉस की बटरिंग या चमचागिरी कर लंबे समय से नौकरी में बने रहने वाले को अक्सर कॉकरोच की संज्ञा देते हैं।

कुड़ी होद पर टैंकर जलापूर्ति, वितरण व्यवस्था एवं रिकॉर्ड का किया निरीक्षण

निर्बाध पेयजल पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताः जोगाराम पटेल

- भीषण गर्मी में पेयजल व्यवस्था का लिया विस्तृत जायजा, जल स्त्रोतों एवं वितरण तंत्र का किया निरीक्षण
- कायलाना झील, तख्तसागर एवं हाथी नहर पर जल आवक व प्रबंधन व्यवस्थाओं की समीक्षा

जयपुर(नि.सं.)। प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच आमजन को निर्बाध एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री श्री जोगाराम पटेल ने जोधपुर शहर एवं लूणी विधानसभा क्षेत्र की पेयजल व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

कायलाना, तख्तसागर एवं हाथी नहर पर जल स्त्रोत एवं आवक व्यवस्थाओं की समीक्षा

नहरबंदी समाप्त होने के बाद जोधपुर की पेयजल आपूर्ति की प्रमुख आधारशिला कायलाना झील का निरीक्षण करते हुए मंत्री श्री पटेल ने कायलाना झील, तख्तसागर एवं हाथी नहर क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने पेयजल आपूर्ति से जुड़े तकनीकी एवं व्यावहारिक पहलुओं का बारीकी से अवलोकन करते हुए जल आवक, भंडारण एवं वितरण व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मंत्री श्री पटेल ने अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा करते हुए जल प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ करने तथा पेयजल वितरण व्यवस्था को सुचारू एवं प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने हाथी नहर के माध्यम से हो रही जल आवक एवं आगे की आपूर्ति व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की।

5वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर बालक एवं बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता के समापन समारोह

केन्द्र व राज्य सरकार खेल व खिलाड़ियों को आगे बढाने के लिए प्रतिबद्ध : वन राज्यमंत्री

विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर किया सम्मानित

जयपुर(नि.सं.)। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा ने रविवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम में अलवर जिला बॉक्सिंग संघ द्वारा आयोजित 5वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर बालक एवं बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। वन राज्यमंत्री श्री शर्मा ने 5वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर बालक एवं बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर आयोजक मंडल को बधाई दी तथा राज्य स्तरीय इस आयोजन के लिए अलवर शहर को चुनने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अभिभावकों से आह्वान किया कि बेटों के साथ बेटियों को आगे बढने के अवसर प्रदान करें। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार खेल व खिलाडियों को आगे बढ़ाने हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हमारे जीवन में खेल का महत्वपूर्ण स्थान है। खेल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को मजबूती प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि जीवन के हर सौपान पर प्रतिस्पर्धा होती है और खेल भावी जीवन में आने वाली प्रतिस्पर्धाओं के लिए शारीरिक व मानसिक रूप से खिलाड़ी को तैयार करता है। उन्होंने कहा कि अलवर सांसद व केंद्रीय वन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव द्वारा अलवर संसदीय क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के साथ-साथ खेल के माध्यम से युवाओं को आगे बढने का प्लेटफार्म प्रदान कर रहे हैं। साथ ही आधुनिक शिक्षा ई-लाइब्रेरी पर फोकस करते हुए निरन्तर युवा हित में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने अलवर के खिलाड़ियों को अलवर सांसद खेल उत्सव व अलवर टाइगर मैराथन के माध्यम से खेल व खिलाड़ियों को मंच प्रदान करने के साथ खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती भी प्रदान कर रहे है। उन्होंने कहा कि यहां जिस कोर्ट में बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ है वह भी अलवर सांसद श्री भूपेन्द्र यादव ने तैयार करवाया है। साथ ही यहा हॉकी का एस्ट्रॉट्रफ, सिंथेटिक ट्रेक, जीडी कॉलेज में मल्टीपर्पज हॉल, जिले में कई स्थानों पर स्टेडियम, खैरथल में बेटियों के लिए हॉकी एकेडमी आदि सौगातें भी दी हैं। उन्होंने कहा कि श्री यादव ने सांसद खेल उत्सव के उत्कृष्ट खिलाडियों के खेल को और अधिक निखारने के लिए समर कैम्प के माध्यम से सांई के प्रशिक्षित कोचों द्वारा खिलाड़ियों को खेल का प्रशिक्षण दिलाया गया है। इसके साथ ही संसदीय क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के बालक-बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके, इसके लिए 133 ई-लाइब्रेरी तैयार कराई गई है। उन्होंने खिलाडियों को जीवन में आगे बढने एवं अपने खेल के माध्यम से अपने सपने साकार कर देश का नाम रोशन करने हेतु प्रोत्साहित किया। मंच सचालन शिक्षाविद श्री दिनेश शर्मा व श्री महावीर सिंह ने किया।

अधीक्षण अभियंता बढ़ाएं फील्ड विजिट

गर्मी में उपभोक्ताओं को मिले निर्बाध बिजलीः चेयरमैन डिस्कॉम्स, आरती डोगरा

जयपुर(नि.सं.)। चेयरमैन डिस्कॉम्स सुश्री आरती डोगरा ने गर्मी के चुनौतीपूर्ण समय में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जयपुर डिस्कॉम के सर्किल अधीक्षण अभियंताओं को बेहतर मॉनिटरिंग के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अभियंता फील्ड विजिट तथा निरीक्षण बढ़ाएं। इससे उन्हें अपने सर्किल के विद्युत तंत्र में आवश्यक सुधार करने तथा सुगम उपभोक्ता सेवाएं प्रदान करने में मदद मिलेगी। सुश्री डोगरा विद्युत भवन में जयपुर डिस्कॉम के सभी ओएंडएम सर्किल अधीक्षण अभियंताओं के साथ गर्मी में विद्युत आपूर्ति, कनेक्शन, आगामी मानसून की तैयारियों, राजस्व प्राप्ति आदि विषयों पर समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने इस दौरान सर्किलवार डिफेक्टिव मीटर, विजिलेंस गतिविधियों, बिलिंग आदि की भी समीक्षा की। चेयरमैन डिस्कॉम्स ने कहा कि ग्रिड सब स्टेशनों, फीडर और अधीनस्थ डिवीजन एवं सब डिवीजन कार्यालयों के निरीक्षण पर जोर दिया जाए। इससे निचले स्तर तक लोड एवं विद्युत छीजत की मॉनिटरिंग में मदद मिलेगी और विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों पर रेस्पोंस टाइम को बेहतर किया जा सकेगा।

डिस्कॉम का पूरा तंत्र अलर्ट मोड पर

सुश्री डोगरा ने कहा कि तापमान में अत्यधिक बढ़ोतरी के कारण विद्युत तंत्र पर भी लोड बढ़ा है। ऐसी स्थिति में ट्रिपिंग अथवा फॉल्ट की आशंका से निपटने तथा उपभोक्ताओं को व्यवधान रहित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए डिस्कॉम का पूरा तंत्र अलर्ट मोड पर है। उन्होंने निर्देश दिए कि कॉल सेंटर, कंट्रोल रूम अथवा अन्य किसी माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों पर तकनीकी टीमें बिना समय गंवाए मौके पर पहुंचें।

न्यूज ब्रीफ

जयपुर में विकसित भारत यंग प्रोफेशनल्स राउंड टेबल 2026 का आयोजन

युवाओं को स्टार्टअप एवं राष्ट्र निर्माण की दिशा में मिलेगा मार्गदर्शन

जयपुर(नि.सं.)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में माय भारत, जयपुर द्वारा अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद एवं जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग पहल के अंतर्गत विकसित भारत यंग प्रोफेशनल्स राउंडटेबल 2026 का आयोजन 25 मई को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज, रामबाग सर्कल, जयपुर में किया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना, नवाचार आधारित सोच को बढ़ावा देना तथा स्टार्टअप एवं उद्यमिता के क्षेत्र में मार्गदर्शन प्रदान करना है।

राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति-2024 में महत्वपूर्ण बदलाव

अब तकनीकी अपग्रेडेशन पर मिलेगा एक करोड़ रुपये तक का अनुदान

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा की गई घोषणा के अनुपालना में राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति-2024 में संशोधन की अधिसूचना जारी कर दी गई है। अब इस नीति के तहत तकनीकी अपग्रेडेशन के लिए दिए जाने वाले अधिकतम अनुदान को 50 लाख रुपये से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने राज्य बजट 2026-27 के तहत वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान इसकी घोषणा की थी।

उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त श्री नीलाभ सक्सेना ने बताया कि तकनीकी अपग्रेडेशन पर दिए जाने वाले अनुदान में वृद्धि से प्रदेश के उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप आधुनिक तकनीक को अपना सकेंगे। इससे उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ-साथ गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

राजस्थान की पहली नेत्र प्लाक ब्रैकीथेरेपी रही सफल महात्मा गांधी चिकित्सालय में नेत्र कैंसर सेवाएं शुरू

जयपुर। जयपुर के महात्मा गांधी अस्पताल के डॉक्टरों ने राजस्थान में पहली बार आंख के कैंसर का इलाज नेत्र प्लाक ब्रैकीथेरेपी तकनीक से किया है। इस तकनीक का इस्तेमाल एक ऐसी महिला पर किया गया जिसकी एक आंख पहले ही खराब हो चुकी थी और दूसरी आंख में कैंसर हो गया था। अब इस अस्पताल में आंख के कैंसर के इलाज की नई सुविधा शुरू हो गई है। नेत्र कैंसर विशेषज्ञ डॉ रोलिका बंसल ने बताया- अब तक नेत्र कैंसर के मामलों में आंख को निकालना ही एकमात्र विकल्प माना जाता था, लेकिन अब नेत्र प्लाक ब्रैकीथेरेपी जैसी आधुनिक तकनीक से मरीज की आंख और दृष्टि दोनों को सुरक्षित रखने की संभावना बढ़ गई है। डॉ रोलिका बंसल ने बताया- महिला मरीज (72) की एक आंख लगभग 30 साल पूर्व संक्रमण के कारण नष्ट हो चुकी थी, ऐसे में दूसरी आंख को बचाना चिकित्सकों के लिए बड़ी चुनौती था। विशेषज्ञ टीम ने आधुनिक तकनीक के माध्यम से सफल उपचार कर मरीज की दृष्टि एवं आंख को सुरक्षित रखने में सफलता प्राप्त की। रोगी अब स्वास्थ्य लाभ ले रही है। इस ऑपरेशन को नेत्र रोग विभाग, रेडिएशन, न्यूक्लियर मेडिसिन, कैंसर रोग विभाग एवं निश्चेतना विभाग की संयुक्त टीम ने सफल बनाया।

नस्लीय टिप्पणी पर अमेरिकी विदेश मंत्री निराश

कहा- हर देश में कुछ बेवकूफ लोग होते हैं, वे अमेरिका के नुमाइंदे नहीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने रविवार को अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ नस्लीय टिप्पणियों और भेदभाव के सवाल पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान पूरे अमेरिकी समाज का प्रतिनिधित्व नहीं करते। नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में रुबियो से अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ नस्लवाद की घटनाओं पर सवाल पूछा गया था। इस पर उन्होंने कहा, हर देश में कुछ बेवकूफ लोग होते हैं जो ऑनलाइन या फिर सरेआम आपत्तिजनक बातें करते हैं, लेकिन इससे किसी देश की असली पहचान तय नहीं होती।

रूबियो ने भारतीय समुदाय के लोगों की तारीफ की रूबियो ने कहा कि अमेरिका आज भी दुनिया के सबसे स्वागत करने वाले देशों में से एक है। उन्होंने कहा, ÷हमारे देश को दुनियाभर से आने वाले लोगों ने मजबूत बनाया है। वे अमेरिका आए, अमेरिकी समाज में शामिल हुए और देश की तरक्की में योगदान दिया। उन्होंने खास तौर पर भारतीय समुदाय की तारीफ करते हुए कहा कि भारतीय मूल के लोगों ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था और समाज में बड़ा योगदान दिया है।

फिट इंडिया साइकिल संडेः एसएमएस स्टेडियम में कॉमनवेल्थ डे 2030 थीम पर भव्य आयोजन

मुख्य सचिव ने 5 किलोमीटर साइकिल चला कर दिया खेलों के प्रति जागरूकता और फिटनेस का संदेश

खिलाड़ियों, वरिष्ठ अधिकारियों, युवाओं और फिटनेस प्रेमियों ने लिया भाग

जयपुर(नि.सं.)। सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में रविवार को फिट इंडिया - साइकिल संडे कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष इस आयोजन की थीम कॉमनवेल्थ डे 2030 रखी गई थी, जिसमें खिलाड़ियों, अधिकारियों, युवाओं और फिटनेस प्रेमियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण स्टेडियम परिसर के चारों ओर आयोजित साइकिल रैली रही। इस रैली का उद्देश्य नागरिकों में शारीरिक स्वास्थ्य, स्वस्थ जीवनशैली और कॉमनवेल्थ खेल 2030 के प्रति जागरूकता फैलाना था। इसके साथ ही जुम्बा सत्र भी आयोजित किया गया, जिसने कार्यक्रम को और अधिक ऊर्जावान बना दिया। इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित हस्तियाँ उपस्थित रहीं। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने सीआरपीएफ जवानों एवं अन्य प्रतिभागियों के साथ 5 किलोमीटर साइकिल चलाकर देशभक्ति और खेल उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल उत्सव नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य चेतना और कॉमनवेल्थ 2030 की तैयारी की दिशा में एक सार्थक शुरुआत है। केंद्रीय सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें सीआरपीएफ के डीआईजी श्री बृजेश तथा सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट प्रमुख रहे। राजस्थान राज्य खेल परिषद के सचिव प्रवीण गुप्ता और वित्त सचिव टीना सोनी ने भी साइकिलिंग कार्यक्रम में स्वयं भाग लेकर युवाओं को प्रेरित किया। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अधिकारियों ने भी युवा भागीदारी और फिटनेस जागरूकता को प्रोत्साहित किया।

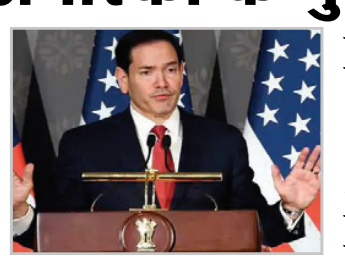

कार्यक्रम में वक्ताओं ने शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व, सामुदायिक खेल भागीदारी और भारत के बढ़ते खेल परिवेश पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों ने इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि जयपुर तथा पूरे राजस्थान में ऐसे और अधिक सार्वजनिक फिटनेस कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।

कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर बोले-इंस्टाग्राम अकाउंट का कंट्रोल वापस मिला

फॉलोअर्स का डेटा शेयर कर पूछा- इनमें 94% भारतीय

नई दिल्ली(एजेंसी)।कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने रविवार को दावा किया कि उनके इंस्टाग्राम अकाउंट का कंट्रोल वापस मिल गया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर लिखा, हम वापस आ गए हैं, तुम भूल गए थे कि हम जिंदा रहने के लिए क्या कर सकते हैं। पोस्ट के साथ उन्होंने कॉकरोच की इमेज भी शेयर की। इससे पहले शनिवार को उन्होंने दावा किया था कि उनकी पार्टी और पर्सनल अकाउंट को हैक किया गया है। वहीं, दीपके ने रविवार को X पर फॉलोअर्स डेटा शेयर कर बताया कि उनके 94त्न से ज्यादा फॉलोअर्स भारत से हैं।

एस जयशंकर ने रूबियो के सामने रखा 5 सूत्रीय एजेंडा, कूटनीतिक संवाद और सुरक्षित समुद्री व्यापार को बताया अहम

नई दिल्ली(एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भारत के पांच सूत्रीय दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली संघर्षों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति का समर्थन करती है, बिना बाधा के समुद्री व्यापार का पक्ष लेती है, और व्यापार और संसाधनों का एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने का कड़ा विरोध करती है। हैदराबाद हाउस में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका विभिन्न क्षेत्रों में नियमित संपर्क और रणनीतिक समन्वय बनाए हुए हैं।

कांस फिल्म फेस्टिवल में छाया जयपुर का हवामहलः आशना वासवानी ने खादी को बनाया रेड कारपेट का हिस्सा

जयपुर(नि.सं.)। विश्व प्रसिद्ध कांस फिल्म फेस्टिवल-2026 में इस बार जयपुर की सांस्कृतिक विरासत और राजस्थान की कला ने खास पहचान बनाई। डिजाइनर आशना वासवानी ने खादी से तैयार किए गए खास आउटफिट्स में जयपुर के प्रसिद्ध हवामहल सहित कई ऐतिहासिक मॉन्यूमेंट्स के डिजाइन उकेरकर रेड कारपेट पर भारतीय संस्कृति का शानदार प्रदर्शन किया। जयपुर की फैशन डिजाइनर आशना वासवानी ने कांस में अपनी क्रिएटिविटी और भारतीय शिल्पकला का शानदार प्रदर्शन कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। आशना न केवल कांस में अपने लेटेस्ट कलेक्शन के साथ पहुंचीं, बल्कि उन्होंने डेनिम और खादी जैसे फैब्रिक को हाई फैशन और रेड कारपेट कूट्योर का हिस्सा बनाकर नया इतिहास भी रच दिया। आशना वासवानी को पहली भारतीय डिजाइनर बताया जा रहा है, जिन्होंने पूरी तरह खादी और डेनिम फैब्रिक से रेड कारपेट गाउन तैयार किया। उन्होंने अपने इस विशेष डिजाइन को कांस के प्रतिष्ठित मंच पर खुद पहनकर भी प्रस्तुत किया। उनके इस डिजाइन ने फैशन इंडस्ट्री का ध्यान अपनी ओर खींचा और अंतरराष्ट्रीय फैशन जगत में चर्चा का विषय बन गया।

राजस्थान आवासन मण्डल | राजस्थान आवासन मण्डल की अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

42 बीघा 10 बिस्वा बेशकीमती भूमि अतिक्रमण मुक्त

जयपुर (नि.सं.)। माननीय उच्च न्यायालय, जयपुर के आदेशों की पालना में राजस्थान आवासन मण्डल ने बड़ी एवं निर्णायक कार्रवाई करते हुए टोंक रोड स्थित कृष्णा कुंज, बी-2 बाईपास, ग्राम चैनपुरा एवं दुर्गापुरा की 42 बीघा 10 बिस्वा बेशकीमती अवाप्तशुदा भूमि को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराकर पुनः कब्जा प्राप्त किया। मण्डल सचिव श्री गोपाल सिंह शेखावत के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन के सहयोग से हुई इस व्यापक कार्रवाई के दौरान मौके पर अवैध कब्जे हटाए गए तथा भूमि पर मण्डल की संपत्ति संबंधी बोर्ड स्थापित किए गए। शेखावत ने बताया कि ग्राम चैनपुरा स्थित खसरा संख्या 7, 15 से 24, 26 से 31 तथा दुर्गापुरा स्थित खसरा संख्या 265 से 270 तक की कुल 42 बीघा 10 बिस्वा भूमि मण्डल की अवाप्तशुदा संपत्ति है। इस भूमि की अवाप्ति अधिसूचना 10 जनवरी 1990 को जारी की गई थी तथा 5 दिसंबर 1991 को नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा अवार्ड जारी होने के बाद मण्डल ने विधिवत कब्जा प्राप्त कर लिया था।

अभिषेक-इशान से आगे क्लासेन, कोहली नंबर 1

14 लीग मैचों के बाद RCB और हैदराबाद के टॉप-3 बल्लेबाज

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का 67वां मैच हैदराबाद और आरसीबी के बीच खेला गया और ये इस सीजन में दोनों टीमों का आखिरी लीग मैच भी था। इस मैच में आरसीबी को 55 रन से हार मिली, लेकिन इसके बावजूद ये टीम 18 अंक के साथ अंकतालिका में पहले स्थान पर बनी रही जबकि हैदराबाद की टीम भी अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है। ये दोनों टीमें प्लेऑफ में पहुंच चुकी है, लेकिन 14 लीग मैचों के बाद आरसीबी और हैदराबाद के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-3 बैटर कौन-कौन रहे इसके बारे में जानते हैं।

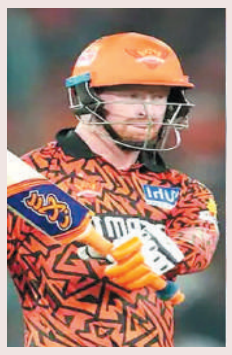

अभिषेक-इशान से आगे रहे क्लासेन

हैदराबाद टीम की बात करें तो 14 लीग मैचों के बाद आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पहले नंबर पर हेनरिक क्लासेन रहे। क्लासेन ने लीग मैचों में अपना जलवा बिखेरा और उन्होंने 14 मैचों में 606 रन 6 अर्धशतक की मदद से बनाए। उनका बेस्ट स्कोर इन मैचों में 69 रहा। इशान किशन इस मामले में दूसरे नंबर पर रहे जिन्होंने 14 मैचों में 569 रन बनाए और इस दौरान 6 अर्धशतक लगाए और उनका बेस्ट स्कोर 91 रन रहा।

अभिषेक ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड, वैभव टॉप पर

नई दिल्ली। आरसीबी के खिलाफ आईपीएल 2026 के 67वें मैच में हैदराबाद के ओपनर बैटर अभिषेक शर्मा ने शानदार पारी खेली और 20 गेंदों पर अर्धशतक भी लगाया। अभिषेक ने अपनी इस पारी के दौरान 5 छक्के और 4 चौके भी जड़े। इन 5 छक्कों के दम पर उन्होंने अपना ही एक शानदार रिकॉर्ड तोड़ दिया जबकि शुभमन गिल के इस खास रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली।

अभिषेक ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड

अभिषेक ने आरसीबी के खिलाफ अपनी पारी के दौरान 5 छक्के लगाए और आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर अपना ही रिकॉर्ड तोड़कर आ गए। अभिषेक ने आईपीएल 2026 में अब तक कुल 43 छक्के लगाए हैं जबकि साल 2024 में उन्होंने कुल 42 छक्के लगाए थे। यानी अभिषेक ने अपने रिकॉर्ड में सुधार कर लिया जबकि इस लीग के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बैटर्स की लिस्ट में वैभव अभी 53 छक्कों के साथ पहले स्थान पर मौजूद हैं।

"विनेश फोगाट को ट्रायल में हिस्सा लेने दें"

दिल्ली हाई कोर्ट ने WFI को लगाई फटकार, कहा- किसी भी कीमत पर खेल का नुकसान नहीं हो

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मशहूर महिला पहलवान विनेश फोगाट को घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए 'अयोग्य' घोषित करने के फैसले के लिए शुक्रवार (22 मई) को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को फटकार लगाई और केंद्र को उनका मूल्यांकन करने के लिए एक विशेषज्ञ पैनल गठित करने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने टिप्पणी की कि डब्ल्यूएफआई का शीर्ष खिलाड़ियों को भाग लेने की अनुमति देने की पूर्व प्रथा पर नहीं चलना 'बहुत कुछ कहता है'।

पीठ ने केंद्र से यह सुनिश्चित करने को कहा कि फोगाट को आगामी एशियाई खेलों के चयन ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी जाए। विनेश फोगाट मातृत्व अवकाश के बाद खेल में वापसी करना चाहती हैं। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि देश में मातृत्व का जश्न मनाया जाता है और संघ को 'प्रतिशोध' की भावना से कार्य नहीं करना चाहिए। अदालत ने केंद्र से फोगाट का मूल्यांकन करने के लिए एक विशेषज्ञ पैनल गठित करने को कहा, क्योंकि सरकारी वकील ने कहा कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के नियम कुछ मामलों में पात्रता मानदंडों में छूट देते हैं।

एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती

अदालत ने मौखिक रूप से कहा, 'विशेषज्ञों से उसकी संभावनाओं का मूल्यांकन करने को कहें। यह सुनिश्चित करें कि वह भाग ले सके।' अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि वह दोपहर 2:30 बजे इस मामले पर फिर से सुनवाई करेगी ताकि सरकारी वकील टीम के गठन के संबंध में और अधिक जानकारी पेश कर सकें। अदालत फोगाट की उस अपील पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने 18 मई को एकल न्यायाधीश के उस आदेश को चुनौती दी थी।

कारण बताओ नोटिस पर नाराजगी

वकील ने यह तर्क दिया कि नौ मई को गोंडा में एक घरेलू प्रतियोगिता में उनकी भागीदारी से एक दिन पहले उनको कारण बताओं नोटिस दिया गया जिसे यह पता चलता है कि कोई उन्हें प्रतियोगिता में भाग लेने से रोकने के लिए कोशिश कर रहा है। अदालत ने कारण बताओ नोटिस पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए दावा किया कि पेरिस ओलंपिक में फोगाट की अयोग्यता 'राष्ट्रीय शर्म' की बात थी और सवाल उठाया कि यह क्यों नहीं माना जाना चाहिए कि डब्ल्यूएफआई ने उसके लिए चयन मानदंड बदल दिए थे।

डोपिंगरोधी नियमों के तहत अयोग्य घोषित

अदालत में आगे कहा, 'सर्कुलर में किए गए बदलाव से सब कुछ स्पष्ट हो जाता है। इस तरह का व्यवहार न करें। यह खेलों के हित में नहीं है। पहले के सर्कुलर का पालन नहीं करना बहुत कुछ कहता है।' डब्ल्यूएफआई ने डोपिंगरोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी करने वाले खिलाड़ियों के लिए छह महीने की अनिवार्य नोटिस अवधि का हवाला देते हुए फोगाट को 26 जून, 2026 तक घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था।

चयन मानदंड में बदलाव

अदालत ने कहा, 'वह जुलाई 2025 में मां बनीं। अभी मई का महीना है। वह अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पहलवान हैं। यह क्यों नहीं माना जा सकता कि आपने उनके लिए चयन मानदंड में बदलाव किया होगा? विवाद या मतभेद चाहे जो भी हो, खेल जगत को क्यों नुकसान होना चाहिए? देश में मातृत्व का जश्न मनाया जाता है, क्या इसकी कीमत किसी व्यक्ति को भुगतनी चाहिए?'

विजय शंकर का संन्यास

2019 वर्ल्ड कप में अंबाती रायुडू की जगह चुने गए

9626 रन बनाए और 154 विकेट झटके

नई दिल्ली। इंग्लैंड में खेले गए 2019 वर्ल्ड कप में अंबाती रायुडू की जगह चुने गए विजय शंकर ने शुक्रवार (22 मई) को संन्यास ले लिया। तब भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने उन्हें 3डी प्लेयर बताया था। उन्होंने इसी वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैनचेस्टर में भारतीय टीम के लिए अपना आखिरी मैच खेला था। पैर के अंगूठे की चोट के कारण उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा और फिर वह टीम में वापसी नहीं कर सके। विजय शंकर ने भारत का 2018 से 2019 तक 12 वनडे और 9 टी20 में प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने अपने करियर में 9626 रन बनाए और 154 विकेट लिए। 35 साल के विजय शंकर ने घरेलू क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास लेने का कारण नए मौकों की तलाश और ज्यादा से ज्यादा क्रिकेट खेलने को बताया। घरेलू क्रिकेट में उन्होंने तमिलनाडु और 2025-2206 सत्र में त्रिपुरा का प्रतिनिधित्व किया। आईपीएल में विजय शंकर ने चार टीमों का प्रतिनिधित्व किया।

- **आईपीएल में 4 टीमों का प्रतिनिधित्व किया**- इसमें चेन्नई सुपर किंग्स (2014 और 2025), सनराइजर्स हैदराबाद (2017, 2019-2021), दिल्ली कैपिटल्स (2018) और गुजरात टाइटंस (2022-2024) शामिल है। वह मौजूदा सत्र में वह किसी टीम का हिस्सा नहीं थे। दाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज शंकर ने 2012 में अपने पदार्पण के बाद कुल 77 प्रथम श्रेणी, 112 लिस्ट ए और 159 टी20 मैच खेले। विजय शंकर ने प्रथम श्रेणी में 46.73 की औसत से 4,253 रन बनाए, जिनमें 13 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं, और 43 विकेट भी लिए।

विजय शंकर ने क्या कहा?

विजय शंकर ने सोशल मीडिया पर अपने फैसले की घोषणा करते हुए लिखा, 'क्रिकेट मेरी जिंदगी है। मैंने 10 साल की उम्र में खेलना शुरू किया और 25 साल बाद हर स्तर पर और उच्चतम स्तर तक खेलने के लिए आभारी और धन्य महसूस करता हूं। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा मेरे सबसे गौरवपूर्ण और खुशी के पलों में से एक रहेगा। मैंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल से संन्यास लेने का फैसला किया है ताकि नए अवसरों की तलाश कर सकूं और क्रिकेट खेलना जारी रख सकूं। बीसीसीआई और भारतीय क्रिकेट टीम का मैं हमेशा आभारी रहूंगा। नागपुर में भारत के 500वें वनडे में आखिरी ओवर फेंकना और 2019 विश्व कप में पहली गेंद पर पहला विकेट लेना मेरे लिए अविस्मरणीय पल हैं।'

प्लेऑफ का गणित: 27 की रात में तय होगा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (IPL 2026) का लीग स्टेज आखिरी पड़ाव पर है। चार मैच बाकी हैं और 27 मई की रात में आखिरी मैच में यह तय होगा कि प्लेऑफ में जगह बनाने वाली चौथी टीम कौन होगी। रॉयल चैलेंजर्स

बेंगलुरु, गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद प्लेऑफ में जगह बना चुकी हैं। राजस्थान रॉयल्स के 14 अंक हैं और वह एकमात्र टीम है जो 16 अंक तक पहुंच सकती है। उसे अपना आखिरी लीग मैच 27 मई को दिन के दूसरे मुकाबले में खेलना है। यही कारण है कि आखिरी लीग स्टेज मैच तक प्लेऑफ की चौथी टीम तय नहीं होगी।

'तुम्बाड' के दूसरे पार्ट में होगा आलिया भट्ट का कैमियो, तीसरे भाग में निभाएंगी लीड रोल

फिल्म 'तुम्बाड 2' अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का दर्शकों के बीच क्रेज है। अब फिल्म की स्टाराकास्ट को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। फिल्म में फीमेल लीड के लिए एक नामी एक्ट्रेस का नाम सामने आ रहा है।

आलिया भट्ट इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी मौजूदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट जल्द ही 'तुम्बाड 2' का हिस्सा बनने वाली हैं।

दूसरे पार्ट में कैमियो तीसरे में लीड रोल

खबरों की मानें तो आलिया फिल्म में 15 दिनों का एक एक्सटेंडेड कैमियो करेंगी, लेकिन उनका किरदार कहानी के लिए काफी अहम होगा। इतना ही नहीं, उनका यही किरदार आगे जाकर 'तुम्बाड 3' में मुख्य भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि तीसरे पार्ट में आलिया, सोहम शाह के साथ लीड रोल में नजर आएंगी।

इस फिल्म में नजर आएंगी आलिया भट्ट रिपोर्ट्स के अनुसार, आलिया मई के अंत तक अपने कैमियो की शूटिंग पूरी कर लेंगी। इसके बाद वह 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में व्यस्त हो जाएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजयलीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म में आलिया के साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अगस्त 2026 तक पूरी हो जाएगी।

ट्रेंड नहीं, बल्कि मजबूत कहानियों पर मेरा फोकस

मनोरंजन की दुनिया में अक्सर देखा जाता है कि कलाकार तेजी से सफलता पाने और ट्रेंड के साथ चलने की कोशिश करते हैं। लेकिन एक्ट्रेस सई मांजरेकर इससे बिल्कुल उलट सोच रखती हैं। उनका मानना है कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए समय देना जरूरी होता है और हर प्रोजेक्ट सोच-समझकर चुनना चाहिए, ताकि उनका काम लंबे समय तक लोगों के दिलों में बना रहे। सई मांजरेकर ने अपने काम करने के तरीके को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''अब मुझे यह समझ में आ गया है कि एक एक्टर के तौर पर खुद को समय देना बहुत जरूरी होता है। मैं आजकल के ट्रेंड के पीछे भागने में विश्वास नहीं रखती, बल्कि ऐसे काम करना चाहती हूं, जो एक कलाकार के रूप में मुझे आगे बढ़ने में मदद करें। मेरा मानना है कि जब कोई काम दिल से किया जाता है, तो वह लोगों पर गहरी छाप छोड़ता है और लंबे समय तक याद रखा जाता है।'' सई ने आगे कहा, ''मैं हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना चाहती हूं। जल्दबाजी में काम करने के बजाय अपने ही तरीके से आगे बढ़ना पसंद करती हूं। मेरे लिए करियर में लंबा टिके रहना तभी संभव है, जब मैं अपने काम के प्रति ईमानदार रहूंगी और वही कहानियां चुनूंगी, जिनसे मैं खुद भी जुड़ाव महसूस करती हूं।'' उन्होंने कहा कि इस सोच के साथ वह अपने हर किरदार में सच्चाई और गहराई लाने की कोशिश करती हैं। बता दें कि सई मंजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इंडिया हाउस' को लेकर चर्चा में है। यह फिल्म आजादी से पहले के दौर की कहानी पर आधारित है, जिसमें उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को बड़े स्तर पर दिखाया जाएगा। इस फिल्म को राम चरण अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए प्रोड्यूस कर रहे हैं, और यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट भी है। फिल्म को हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जा रहा है।

फिल्मों के चयन को लेकर सलमान खान का बड़ा खुलासा

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। सलमान ने अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर और यादगार फिल्में दी हैं। अपने लगभग चार दशक लंबे करियर में सलमान ने लगभग 88 फिल्मों में काम किया है। अब सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। सुपरस्टार ने बताया कि वो किस तरह अपनी फिल्मों का चुनाव करते हैं।

इस तरह से फिल्में चुनते हैं सलमान

वैरायटी इंडिया के साथ बातचीत के दौरान सलमान खान ने अपने जीवन और करियर के कई पहलुओं पर खुलकर चर्चा की। इस बातचीत के दौरान सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन की प्रक्रिया के बारे में एक बड़ा खुलासा किया, जिसने सबको हैरान कर दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने पूरे करियर में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। सलमान ने कहा कि मैंने अपने पूरे जीवन में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। मैंने स्क्रिप्ट लिखी हैं, लेकिन मैंने उन्हें कभी पढ़ा नहीं। सलमान ने कहा कि मैं स्क्रिप्ट को शुरू से लेकर आखिर तक पढ़ने की बजाय, उसके भाव, ट्रीटमेंट और कमर्शियल अपील को समझना पसंद करता हूं।

सलमान की पाइपलाइन में बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान जल्द ही अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'मातृभूमि' में नजर आएंगे। पहले अप्रैल में रिलीज होने वाली इस फिल्म में अब कई बड़े बदलाव हो रहे हैं। इसी वजह से फिल्म की रिलीज आगे बढ़ी है। फिल्म का नाम भी 'बैटल ऑफ गलवां' बदलकर अब 'मातृभूमि' हो गया है। फिलहाल फिल्म की नई रिलीज डेट का दर्शकों को अभी भी इंतजार है। इसके अलावा वो नयनतारा के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर भी सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। वामशी पेडिपल्ली द्वारा निर्देशित यह फिल्म के अगले साल 2027 की ईद पर रिलीज की जाएगी। सलमान हाल ही में 'राजा शिवाजी' में एक कैमियो में नजर आए थे, जहां उन्होंने जीवा महाला का किरदार निभाया है।

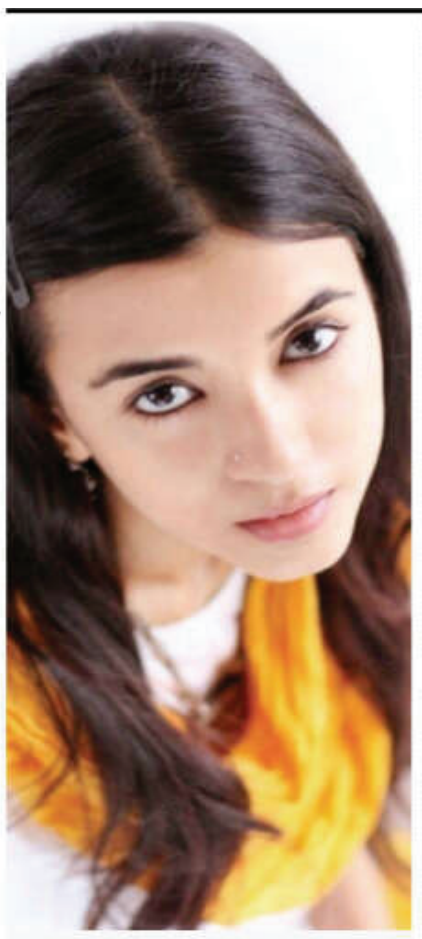

कॉमेडी-ड्रामा सीरीज 'हूज योर गायनिक सीजन 2' में नजर आएंगी सबा आजाद

अभिनेत्री सबा आजाद जल्द ही कॉमेडी-ड्रामा सीरीज 'हूज योर गायनिक सीजन 2' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे 'डॉ. विदुषी कोठारी' की भूमिका निभाती नजर आएंगी। आगामी सीजन को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि सीरीज का मुख्य उद्देश्य उन विषयों पर चर्चा करना है, जिन्हें अक्सर बंद कमरों की चर्चा माना जाता है। उन्होंने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया, 'सीजन-1 ने सेक्स एजुकेशन और महिलाओं के स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद शुरू किया था। सीजन-2 भी उसी मूल विचार को कायम रखेगा। समाज इन चर्चाओं को जगह मिलना बहुत जरूरी है।'

जब अभिनेत्री से सवाल पूछा, 'आज के समय में भी समाज के लिए एक स्वतंत्र और महत्वकांक्षी महिला को स्वीकार करना कठिन है?'

इस पर अभिनेत्री का कहना है कि भले ही हम बड़े शहरों में रहते हों, लेकिन जमीनी हकीकत आज भी पितृसत्तात्मक है। उन्होंने कहा, 'महिलाओं को पुरुषों के बराबर सम्मान पाने के लिए आज भी दोगुना मेहनत करनी पड़ती है। समाज आज भी महिलाओं के फैसलों पर बहुत जल्द अपनी राय बना लेते हैं। हमारा सामाजिक ढांचा पारंपरिक रूप से पुरुषों की सफलता को केंद्र में रखकर बनाया गया है।' उन्होंने आगे लिखा, 'हमारे देश के कई हिस्सों में महिलाओं को आज भी आजादी से काम करने या अपने फैसले खुद लेने की अनुमति नहीं है। हो सकता है कि शहरों में हमें यह सच्चाई हमेशा दिखाई न दे, लेकिन यह मौजूद है। इसलिए महिलाओं को पेशेवर और घर दोनों जगह लगातार खुद को साबित करना पड़ता है। अगर वे काम करती हैं, तो लोग उन पर उंगलियां उठाते हैं। अगर वे काम नहीं करतीं, तो उन्हें फिर से परखा जाता है।' सबा का मानना है कि कुछ लड़कों की परवरिश अक्सर इसी मानसिकता के साथ की जाती है कि वे महिलाओं से बेहतर हैं। ऐसे में जब उनका सामना एक सशक्त और स्वतंत्र विचार वाली लड़की से होता है, तो उनके अहंकार को ठेस पहुंचती है। उन्होंने कहा, 'सच बात तो ये है कि ऐसे पुरुषों को महिलाओं को अपने से बराबर देखने की आदत नहीं होती, जिससे रिश्तों में तनाव पैदा होता है।'

'तुम्बाड' यूनिवर्स में हुई आलिया भट्ट की एंट्री!

फिल्म 'तुम्बाड 2' अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का दर्शकों के बीच क्रेज है। अब फिल्म की स्टाराकास्ट को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। फिल्म में फीमेल लीड के लिए एक नामी एक्ट्रेस का नाम सामने आ रहा है।

आलिया भट्ट इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी मौजूदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट जल्द ही 'तुम्बाड 2' का हिस्सा बनने वाली हैं।

दूसरे पार्ट में कैमियो तीसरे में लीड रोल

खबरों की मानें तो आलिया फिल्म में 15 दिनों का एक एक्सटेंडेड कैमियो करेंगी, लेकिन उनका किरदार कहानी के लिए काफी अहम होगा। इतना ही नहीं, उनका यही किरदार आगे जाकर 'तुम्बाड 3' में मुख्य भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि तीसरे पार्ट में आलिया, सोहम शाह के साथ लीड रोल में नजर आएंगी।

इस फिल्म में नजर आएंगी आलिया भट्ट

रिपोर्ट्स के अनुसार, आलिया मई के अंत तक अपने कैमियो की शूटिंग पूरी कर लेंगी। इसके बाद वह 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में व्यस्त हो जाएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजयलीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म में आलिया के साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अगस्त 2026 तक पूरी हो जाएगी और

इस दिन रिलीज होगी 'तुम्बाड 2'

वहीं, आदेश प्रसाद के निर्देशन में बन रही 'तुम्बाड 2' पहले पार्ट की रहस्यमयी और डरावनी कहानी को आगे बढ़ाएगी। फिल्म में हस्तर की श्रापित दुनिया और उससे जुड़े खतरनाक रहस्यों को और गहराई से दिखाया जाएगा। हाल ही में सोहम शाह और नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट का ऐलान किया था। 'तुम्बाड 2' 3 दिसंबर 2027 को रिलीज होगी।

बिहार की मिट्टी में सम्मानित होना सबसे बड़ी खुशी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री संजना पांडे को हाल ही में आयोजित प्रतिष्ठित 'जी भोजपुरी 2026' समारोह में उनकी फिल्म 'कलेक्टर साहिबा' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (समीक्षक) और 'बहुमुखी अभिनेत्री' के सम्मान से नवाजा गया। शनिवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए से अपनी इस बड़ी उपलब्धि को शेयर करते हुए प्रशंसकों और फिल्म की टीम का आभार व्यक्त किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पुरस्कार समारोह की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वे अपनी ट्रॉफी के साथ गौरवान्वित महसूस करती दिख रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट किया कि उनके लिए केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि एक बेहद भावनात्मक पल है।

अभिनेत्री ने लिखा, 'जिस बिहार की मिट्टी में आप पले-बढ़े हो और उसी से आपकी पहचान जुड़ी है, उसी धरती पर सम्मानित होना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी खुशी की बात है।' अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए अपनी सफलता का श्रेय टीम दिया। उन्होंने फिल्म निर्देशक इशियाक शेख बंटी और सह-अभिनेता गौरव झा का विशेष रूप से धन्यवाद किया। उन्होंने लेखक अरविंद तिवारी और फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों और तकनीशियनों के प्रति भी आभार प्रकट किया। संजना ने कहा कि टीम वर्क और सबके समर्थन के बिना यह मुकाम हासिल करना संभव नहीं था।

संजना ने अपने संदेश के अंत में अपने परिवार, दर्शकों और ईश्वर का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने एक लिखा, 'जब आप काम पूरी मेहनत शिद्दत और ईमानदारी से करते हो तो देखने वाले देख ही लेते हैं। जय भोजपुरी। जय भोजपुरी समाज।'

इशियाक शैख बंटी द्वारा निर्देशित फिल्म में संजना पांडेय और गौरव झा के अलावा विनोद मिश्रा, अमित शुक्ला प्रकाश जैस, साहिल सिद्दीकी, सुबोध सेठ, रिंकू भर्ती, स्वीटी सिंह संतोष श्रीवास्तव, कंचन मिश्रा, निशा तिवारी और प्रेरणा सुषमा जैसे कलाकार हैं। संजना की इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म को टेलीविजन और यूट्यूब दोनों में प्रसारित किया था। यूट्यूब पर रिलीज के 13 घंटों के अंदर ही फिल्म को 18 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके थे।

'लुटेरी दुल्हन' में खास किरदार निभाएंगी पूजा गौर

अभिनेत्री पूजा गौर जल्द ही एक नई वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में नजर आएंगी। इस सीरीज में उन्होंने सब-इंस्पेक्टर संध्या यादव का किरदार निभाया है, जो एक निडर और हिम्मती अधिकारी हैं। कहानी में वह मध्य प्रदेश में हो रहे कुछ अजीब और अनोखे अपराधों की जांच करती है। इस सीरीज में संध्या यादव के किरदार में पूजा गौर एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं।

पूजा गौर ने बताया कि उन्हें अपना यह किरदार बहुत पसंद आया क्योंकि इसमें बहुत भावनाएं जुड़ी हैं। उन्होंने कहा, 'संध्या बाहर से जितनी सख्त और निडर दिखती है, अंदर से वह समाज के तानों, लोगों की उम्मीदों और खुद को साबित करने के दबाव से जूझ रही है।' पूजा ने आगे कहा, 'वह सिर्फ एक केस नहीं सुलझा रही, बल्कि पुरुषों के वर्चस्व वाली इस दुनिया में महिलाओं को कमतर आंकने की सोच के खिलाफ अपनी पहचान की लड़ाई भी लड़ रही है।' पूजा ने आगे बताया कि सीरीज में उनके (संध्या) और 'माया' नाम के किरदार के बीच का तालमेल बहुत दिलचस्प है। दोनों कानून के अलग-अलग तरफ खड़ी हैं।

पूजा गौर ने शेयर किया ट्रेलर

पूजा गौर ने सोशल मीडिया पर इस सीरीज का ट्रेलर शेयर किया है। उन्होंने लिखा कि हर गायब होने वाली दुल्हन के पीछे एक झूठ छिपा है और वह इस सच को सामने लाकर रहेंगी। 'लुटेरी दुल्हन' से पहले पूजा गौर को साकिब सलीम के साथ क्राइम ड्रामा सीरीज 'कप्तान' में देखा गया था। पूजा गौर को 'मन की आवाज प्रतिज्ञा' सीरियल से काफी प्रसिद्धि मिली है।

शाहिद कपूर की अगली फिल्म में नजर आ सकती हैं जान्हवी कपूर

शाहिद कपूर जल्द ही एक नई और मजेदार फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन अमित शर्मा कर रहे हैं, जो 'बधाई हो' और 'मैदान' जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं। जानिए इस फिल्म में शाहिद की जोड़ी किस अभिनेत्री के साथ बनेगी? शाहिद की आगामी फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी है, जो बॉडी स्वैपिंग पर आधारित होगी। यह एक साइंस-फिक्शन फिल्म है। इसकी कहानी इटली की एक पुरानी फिल्म 'हस्बैंड एंड वाइफ' से मिलती-जुलती है। इसमें एक पति-पत्नी तलाक की कगार पर हैं। एक वैज्ञानिक का प्रयोग गलत हो जाता है और दोनों का शरीर आपस में बदल जाता है। अब पति पत्नी के शरीर में और पत्नी पति के शरीर में रहकर एक-दूसरे की जिंदगी जीने को मजबूर हो जाते हैं। इस दौरान वे हंसी-मजाक के साथ एक-दूसरे को बेहतर तरीके से समझने लगते हैं। फिल्म में कॉमेडी और परिवार का ड्रामा सब कुछ होगा।

कौन होगी शाहिद की अभिनेत्री?

शाहिद कपूर ने इस फिल्म को साइन कर लिया है। अभी मुख्य अभिनेत्री का रोल फाइनल नहीं हुआ है। बहरहाल, इस फिल्म के लिए कियारा आडवाणी और जान्हवी कपूर से बात चल रही है। अगर जान्हवी कपूर ने काम किया तो यह शाहिद के साथ उनकी यह पहली फिल्म होगी। इस फिल्म की शूटिंग 2026 के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है। इसे 2027 के बीच में रिलीज किया जा सकता है।

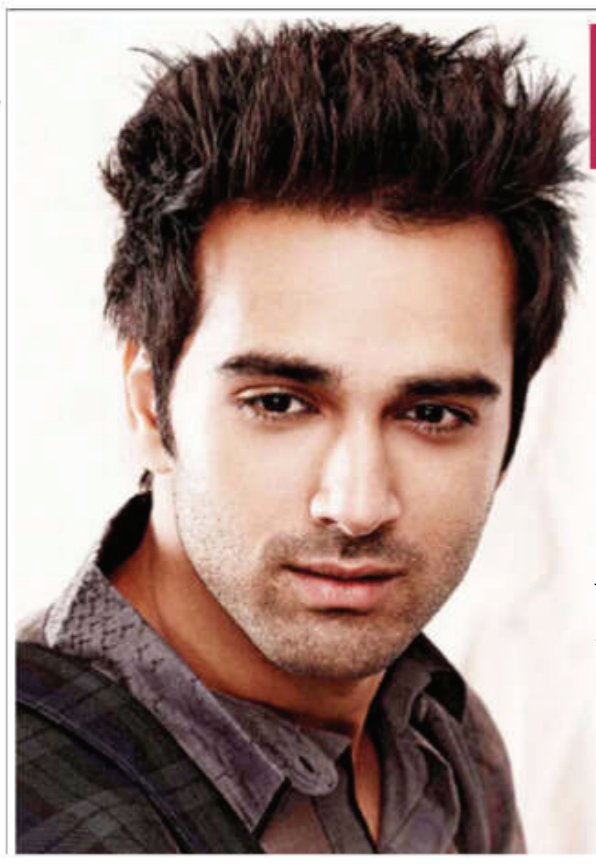

चॉकलेटी इमेज से बाहर निकलना आसान नहीं था

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट हाल ही में एक्शन-स्पोर्ट ड्रामा सीरीज 'ग्लोरी' में नजर आए हैं। इस सीरीज में पुलकित बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए हैं। उन्होंने बॉक्सर की भूमिका निभाई है, जिसके लिए पुलकित ने खुद को फिजिकल और मेंटल तौर पर काफी तैयार किया है। अमर उजाला से बातचीत में पुलकित ने 'ग्लोरी' में अपने किरदार, तैयारी और अनुभव को लेकर विस्तार से बात की।

पुलकित ने बताया कि यह बदलाव उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने कहा, 'इस किरदार के लिए सबसे जरूरी चीज ईमानदारी थी और मैंने पूरी सच्चाई के साथ इस पर काम किया। जो कहानी कागज पर लिखी होती है, उसमें अपनी एक जान होती है और उसी को महसूस करके निभाना पड़ता है। शरीर को बदलना भी आसान नहीं था। पहले भी फिट रहा हूं, लेकिन एक खिलाड़ी जैसा दिखने के लिए आपको सच में उसी तरह की जिंदगी जीनी पड़ती है। सिर्फ बॉक्सर जैसा दिखना काफी नहीं है, आपको बॉक्सर बनना पडता है।'

कड़ी ट्रेनिंग और टीम का साथ

इस किरदार की तैयारी को लेकर पुलकित ने विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि हैंड ग्लव्स पहनने के बाद तो मैं सच में उसी दुनिया में जी रहा था। मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानता हूं कि जितनी मेहनत मैंने की, उसे सही तरह से दिखाने के लिए हमारे पास एक बहुत अच्छी टीम और शानदार निर्देशक थे। इसलिए नतीजा भी अच्छा आया है। दिन में दो से तीन बार ट्रेनिंग होती थी, जिसमें एक्सरसाइज, फिजियोथेरेपी और बॉक्सिंग की प्रैक्टिस शामिल थी। खास तौर पर स्पीड और रिएक्शन पर काम किया, क्योंकि बॉक्सर्स की यही ताकत होती है। सबसे ज्यादा ध्यान इस बात पर था कि कोई चोट न लगे, ताकि शूट न रुके। मेरी पूरी टीम ने पूरा साथ दिया। सेट पर भी बॉक्सिंग कोऑर्डिनेटर मानस हर समय मेरी फॉर्म पर नजर रखते थे।

पुलकित ने बॉक्सिंग के मानसिक पहलू पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'जब हम बॉक्सिंग की बात करते हैं, तो दिमाग में गुस्सा, पंच और एक-दूसरे को हराने की तस्वीर आती है। लेकिन रिंग में उतरकर समझ आता है कि यह बिल्कुल आसान नहीं है। रिंग के अंदर यह पूरी तरह दिमाग का खेल होता है। यह शतरंज की तरह है, जहां आपको सामने वाले खिलाड़ी की बॉडी लैंग्वेज और खेलने का तरीका समझना होता है, उसकी कमजोरियां पकड़नी होती हैं। उसे गलती करने पर मजबूर करना होता है। साथ ही सामने वाला भी आपके साथ यही कर रहा होता है। अगर आप पूरा बॉक्सिंग मैच देखें, तो समझ आएगा कि दोनों खिलाड़ी लगातार एक-दूसरे को पढ़ने की कोशिश करते रहते हैं। यह धैर्य और फोकस का खेल है।' अभिनेता ने आगे कहा कि बॉक्सिंग ने मुझे फोकस करना सिखाया है। पहले मैं ध्यान के लिए आंखें बंद करके बैठता था, लेकिन अब मैं सीधे स्पीड बैग के पास जाता हूं और पंद्रह मिनट उसी पर लगा रहता हूं। उस समय मेरा ध्यान कहीं और नहीं जाता। इस अनुभव ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और कई बातें ऐसी हैं, जिन्हें मैं अपनी असल जिंदगी में भी अपनाता हूं।

ग्लोरी मेरे करियर का गेम चेंजर

'ग्लोरी' को अपने करियर का गेम चेंजर बताते हुए पुलकित ने कहा कि ग्लोरी मेरे लिए लाइफ चेंजिंग भी है, गेम चेंजिंग भी और करियर के हिसाब से बहुत फुलफिलिंग है। मुझे पूरा भरोसा है कि हमने जो किया है, वह सही किया है। मैं हमेशा उम्मीद के साथ काम करता हूं, लेकिन इस बार मैं काफी संतुष्ट और बहुत खुश हूं।

संक्षिप्त समाचार

कलबुर्गी में भीषण सड़क हादसा, कार और लॉरी की टक्कर में पांच की मौत

वायनाड, एजेंसी। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में बीती रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया।

जहां लाडजापुर के पास एक चार-पहिया वाहन की लॉरी से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पांचों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक ए श्रीनिवासुलु ने पुलिस टीम के साथ घटनास्थल का दौरा किया और मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। कर्नाटक पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए शनिवार को बताया कि कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में लाडलापुर के पास एक क्रूजर गाड़ी की लॉरी से टक्कर हो जाने के बाद पांच लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद, कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक ए. श्रीनिवासुलु ने घटनास्थल का दौरा किया और दुर्घटना के कारणों का जायजा लेने के लिए निरीक्षण किया। पुलिस ने बताया कि एक महीने पहले कर्नाटक के यादगिरी इलाके में एक कार की बस से टक्कर हो जाने के बाद सात लोगों की मौत हो गई थी और दो बच्चे घायल हो गए थे। कार में सवार सभी यात्री एक ही परिवार के थे और रायचूर के सिरवार तालुक के रहने वाले थे ।यादगिरी के पृथ्वीक शंकर ने बताया कि यह दुर्घटना यादगिरी जिले में, सुरपुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, कार एक ट्रैक्टर को ओवरटेक करने की कोशिश में सामने से आ रही बस से टकरा गई। शंकर ने कहा, 'हमने पीड़ित परिवार की ओर से शिकायत ले ली है और हम मामले की जांच कर रहे हैं।'

बांद्रा स्टेशन के पास सभी अवैध निर्माण किए गए ध्वस्त

मुंबई, एजेंसी। रेलवे ट्रैक के किनारे अतिक्रमणों को हटाने के लिए पश्चिमी रेलवे द्वारा चलाए जा रहे बेदखली अभियान के चौथे दिन शुक्रवार को बांद्रा स्टेशन के पास गरीब नगर में सभी अनाधिकृत निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने कहा कि 19 मई से अब तक लगभग 500 अवैध झुग्गियों को हटाया जा चुका है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले इस बेदखली अभियान को चुनौती देने वाली विशेष अनुमति याचिका को खारिज कर दिया है। उन्होंने बताया कि बांबे हाई कोर्ट ने अधिकारियों को 100 ढांचों को पूरी तरह से न गिराने का निर्देश दिया था। इसलिए, इन झुग्गियों के भूतल को बरकरार रखा गया है, जबकि ऊपरी मंजिलों को गिराया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि लगभग 50 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और ऊपरी मंजिलों को गिराने का शेष काम शनिवार दोपहर तक पूरा होने की उम्मीद है। पश्चिमी रेलवे के अनुसार, ध्वस्त इमारतों का मलबा साथ-साथ हटाया जा रहा है और निर्धारित निपटान स्थलों पर ले जाया जा रहा है। अभिषेक ने बताया कि स्थल पर बाड़ लगाने और बैरिकेडिंग का काम भी शुरू हो गया है।

बदल गया हिमाचल प्रदेश का मौसम, शिमला-मनाली हुआ कूल-कूल

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मौसम को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। कई दिनों से भीषण गर्मी और लू की चपेट में रहे हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ले ली। राजधानी शिमला समेत कई इलाकों में सुबह से तेज हवाएं चलती रहीं और हल्की बारिश हो रही है, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बादलों के बरसने और ठंडी हवाएं चलने से लोगों ने राहत की सांस ली। पिछले तीन दिनों से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा था और लोग बारिश का इंतजार कर रहे थे। शिमला में सुबह आसमान में बादल छाए रहे और कई जगह हल्की बारिश हुई। तेज हवाओं के कारण मौसम ठंडा हो गया। पिछले कल शिमला का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था। जो सामान्य से करीब पांच डिग्री ज्यादा था।

साइबर सिटी में ड्रोन से होगा ट्रैफिक जाम का सर्वे, समस्या के वास्तविक कारणों की स्टडी की जाएगी

गुरुग्राम, एजेंसी। ट्रैफिक जाम से जूझ रही साइबर सिटी में ड्रोन से ट्रैफिक का सर्वे किया जाएगा। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। शहर के प्रमुख चौराहों, व्यस्त सड़कों और जाम प्रभावित क्षेत्रों का ड्रोन के माध्यम से सर्वे कराया जाएगा। इसके जरिए ट्रैफिक मूवमेंट, वाहन दबाव और जाम के वास्तविक कारणों की स्टडी की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार ड्रोन सर्वे के दौरान सड़क पर वाहनों की संख्या, ट्रैफिक फ्लो, कट और यू-टर्न की स्थिति, सिग्नल संचालन तथा भीड़भाड़ के समय का विश्लेषण किया जाएगा। ड्रोन से मिलने वाले रियल टाइम डेटा के आधार पर यह समझने में मदद मिलेगी कि किन स्थानों पर ट्रैफिक सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है और वहां किस प्रकार के सुधार की जरूरत है।

जीएमडीए की स्टडी में खासतौर पर साइबर सिटी, गोल्फ कोर्स रोड, सोहना रोड, दिल्ली-जयपुर हाईवे,ओल्ड व न्यू रेलवे रोड, ओल्ड दिल्ली रोड और उनसे जुड़े आंतरिक मार्गों को शामिल किया जाएगा। इन क्षेत्रों में सुबह और शाम के समय भारी ट्रैफिक दबाव रहता है, जिससे लोगों को लंबे समय तक जाम में फंसना पड़ता है।

सर्वे रिपोर्ट के आधार पर ट्रैफिक सुधार के लिए शार्ट टर्म और लांग टर्म प्लान तैयार किए जाएंगे। जाम वाले प्वाइंट पर सिग्नल टाइमिंग में बदलाव, यू-टर्न व्यवस्था सुधारने, सड़क डिजाइन संशोधित करने और ट्रैफिक डायवर्जन जैसे कदम उठाए जा सकते हैं। जीएमडीए इस

स्टडी को ट्रैफिक पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर आगे बढ़ाएगा। अधिकारियों का कहना है कि इससे शहर में ट्रैफिक प्रबंधन को और बेहतर किया जा सकेगा। गोल्फ कोर्स रोड, मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो जंक्शन, सेक्टर 27-29-43-44 जंक्शन बख्तावर चौक, ओल्ड दिल्ली रोड, न्यू रेलवे रोड, ओल्ड रेलवे रोड, राजीव चौक, राजीव चौक से सोहना चौक, झाड़सा चौक, सेक्टर 29 रोड, सेक्टर 44 रोड, गैलेरिया रोड, 953 किलोमीटर लंबा सड़क नेटवर्क शहर के दायरे में है।

20 से ज्यादा चौराहों और सड़कों पर लंबा ट्रैफिक जाम लगता है। 8 बजे सुबह से 11 बजे और शाम को पांच बजे से दस बजे तक ट्रैफिक जाम लगता है। 200 से ज्यादा चौराहों और सड़कों को जीएमडीए ने सुधारने की योजना है। 2031 तक शहर की आबादी 42.5 लाख होने का अनुमान है। 75 प्रतिशत चौराहों पर पीक आवर में जाम 75 फीसदी से अधिक इंटरसेक्शन पर पीक आवर में जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे यात्रियों का समय बर्बाद होता है। ईंधन की बर्बादी होती है।

बिजली की खपत ने मई में ही तोड़ा जून का रिकॉर्ड, 2500 एमवीए तक पहुंचने का अनुमान

साहिबाबाद, एजेंसी। बीते वर्ष जून में हुई बिजली की खपत का रिकॉर्ड इस बार मई में ही टूट गया है। 21 मई को जिले में बिजली की खपत 2100 एमवीए (मेगा वोल्ट एंपीयर) दर्ज की गई। जबकि इतनी खपत बीते वर्ष जून में हुई थी, जो उस वर्ष की अधिकतम थी।

इस बार जून में बिजली की खपत 2500 एमवीए तक पहुंचेगी। वहीं, जिले की बिजली व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। मई 2025 में बिजली की अधिकतम खपत 1841 एमवीए पहुंची थी, लेकिन इस बार अभी तक 259 एमवीए अधिक है। अभी इस माह में एक सप्ताह बाकी है। इस दौरान गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली की खपत बढ़ने के भी आसार हैं। पारेषण विभाग के अधिकारियों की मानें तो जून में भीषण गर्मी पड़ने से बीते वर्ष के मुकाबले यह आंकड़ा करीब 400 एमवीए अधिक रहने वाला है। यानी करीब 2500 एमवीए तक बिजली की खपत पहुंच जाएगी। इसके बाद जुलाई में गर्मी कम होने के साथ ही खपत में गिरावट आनी शुरू हो जाएगी। जिले में पारेषण की क्षमता 3338 एमवीए है। इसके सापेक्ष अधिकतम लोड 62 प्रतिशत तक पहुंचा है। इतने पर ही बिजली व्यवस्था पूरी तरह से दम तोड़ दिया है।

सीएम शुभेंदु के दिल्ली दौरे के बाद केंद्र ने खोला खजाना, बंगाल में विकास योजनाओं के लिए 39 हजार करोड़ मंजूर

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पहले दिल्ली दौरे के बाद केंद्र सरकार ने राज्य के विकास के लिए बड़ा कदम उठाया है। शुक्रवार को केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय के तहत रुकी हुई योजनाओं के लिए 39,000 करोड़ रुपये जारी करने पर सहमति बन गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री सुवेंदु ने बताया कि केंद्र ने बंगाल के आर्थिक विकास, उद्योग और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया है। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी के साथ बैठक के दौरान केंद्रीय प्रोजेक्ट्स को लागू करने में मदद का भी भरोसा दिया, जिनमें से कई ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के तहत रुके हुए थे। शुभेंदु अधिकारी ने एक पोस्ट में लिखा, 'हमारी सार्थक चर्चा के दौरान, माननीय प्रधानमंत्री ने सबका साथ, सबका विकास के अपने दृष्टिकोण पर फिर से जोर दिया और दोहराया कि बंगाल का विकास केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें बंगाल को आर्थिक विकास, औद्योगिक पुनरुद्धार और युवा सशक्तिकरण के पथ पर अग्रसर करने के लिए हर संभव सहायता, मार्गदर्शन और केंद्रीय समर्थन का आश्वासन दिया है। इसके साथ ही, राज्य में आयुष्मान भारत और ग्रामीण रोजगार जैसी केंद्रीय योजनाओं को तेज गति से लागू करने का रास्ता साफ हो गया है। 1 जुलाई से हर ग्रामीण परिवार को 125 दिन की सैलरी वाली नौकरी देने वाली शुरुआत हो जाएगी।

एसआईटी ने दाखिल की 1500 पन्नों की पहली चार्जशीट, कई दस्तावेज जब्त

मुंबई, एजेंसी। नासिक पुलिस ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की नासिक यूनिट से जुड़े यौन उत्पीड़न मतांतरण मामले में आरोपितों के खिलाफ शुक्रवार को 1,500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की। आरोपितों के खिलाफ कुल नौ एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से फिलहाल सिर्फ एक मामले में चार्जशीट दाखिल की गई है।

नासिक पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक की टीम द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि आरोपों की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने पीड़िता के जबरन मतांतरण से संबंधित सुबूतों का पता लगाया है, एक ऐसा कृत्य जिसने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। पुलिस ने आरोपितों द्वारा पीड़िता का नाम और पहचान बदलने के लिए इस्तेमाल किए गए मूल दस्तावेज भी जब्त कर लिए हैं। इसके अलावा, पीड़िता और आरोपितों दोनों के मोबाइल फोन से प्राप्त वाट्सएप चैट स्क्रीनशाट के रूप में डिजिटल और तकनीकी साक्ष्य भी बरामद किए गए हैं। आरोपपत्र में दानिश एजाज शेख, तौसीफ बिलाल अत्तार, निदा एजाज खान और मतीन मजीद पटेल को आरोपित बनाया गया है। इनमें से किसी को भी जमानत नहीं मिली है। आरोपपत्र नासिक रोड स्थित अतिरिक्त सत्र एवं विशेष न्यायालय में दायर की गई।

नासिक यौन शोषण मामले की सुनवाई के दौरान राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने टाटा

कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) कंपनी को निर्देश दिया कि वह अपने सभी 127 यूनिटों में चार सप्ताह के भीतर यौन उत्पीड़न रोकथाम के लिए आंतरिक समितियां गठित करे। आयोग की प्रमुख विजया राहटकर की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई सुनवाई में कंपनी को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम (पीओएसएच), 2013 पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का भी निर्देश दिया गया। अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद तय करते हुए आयोग ने कंपनी को संबंधित अधिकारियों को वार्षिक पीओएसएच रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करने के लिए कहा और अगली समीक्षा कार्यवाही के दौरान अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य कर दी।

भारत का बढ़ा गौरव: मेजर अभिलाषा बराक को मिला बड़ा अंतरराष्ट्रीय सम्मान; लेबनान में महिलाओं की मदद बनी मिसाल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने भारत की मेजर अभिलाषा बराक को साल 2025 के प्रतिष्ठित 'संयुक्त राष्ट्र सैन्य लिंग अधिवक्ता पुरस्कार' के लिए चुना है। यह सम्मान उन्हें लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के दौरान महिलाओं और किशोरियों के लिए किए गए उत्कृष्ट काम के लिए दिया जा रहा है। यह भारत के लिए गर्व का क्षण माना जा रहा है। मेजर अभिलाषा बराक इस समय लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल यानी यूएनआईएफआईएल में भारतीय बटालियन के साथ तैनात हैं। वह वहां महिला सहभागिता टीम (एफईटी) की कमांडर के रूप में काम कर रही हैं। उन्होंने स्थानीय महिलाओं और लड़कियों के साथ जुड़कर उनकी समस्याओं को समझने, उन्हें जागरूक करने और उनकी सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर काम किया। इसके अलावा उन्होंने शांति सैनिकों को लिंग संवेदनशीलता यानी महिलाओं से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर प्रशिक्षण भी दिया। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मेजर अभिलाषा बराक को महिलाओं और किशोरियों के साथ सामुदायिक जुड़ाव और शांति सैनिकों को जेंडर प्रशिक्षण देने के लिए यह सम्मान दिया जा रहा है। मेजर अभिलाषा बराक भारतीय सेना की पहली महिला कॉम्बैट हेलिकॉप्टर पायलट भी हैं। अब उन्हें 29 मई को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। यह दिन हर साल 'संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। भारत के लिए खास बात यह भी है कि इस सम्मान को पाने वाली अभिलाषा बराक तीसरी भारतीय अधिकारी बन गई हैं।

ट्रंप से बदला लेने की फिराक में ईरान, इवांका की हत्या की साजिश रचने का दावा, आईआरजीसी से जुड़ा आरोपी गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के परिवार को निशाना बनाने की कथित साजिश ने अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। दावा किया गया है कि ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप की हत्या की योजना बनाई गई थी। इस मामले में गिरफ्तार इराकी नागरिक मोहम्मद बाकेर साद दाऊद अल-सादी पर आरोप है कि वह ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी से जुड़ा हुआ था और ट्रंप परिवार से बदला लेना चाहता था।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अल-सादी के पास इवांका ट्रंप के फ्लोरिडा स्थित घर का नक्शा भी मिला था। बताया जा रहा है कि यह कथित साजिश ईरानी सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की अमेरिकी ड्रोन हमले में हुई मौत का बदला लेने के लिए रची गई थी।

आखिर इवांका ट्रंप को निशाना बनाने का आरोप क्यों लगा

रिपोर्ट के मुताबिक मोहम्मद अल-सादी ट्रंप परिवार के खिलाफ बदले की भावना रखता था। दावा किया गया है कि कासिम सुलेमानी की मौत के बाद वह लोगों से कहता था कि 'ट्रंप ने हमारा घर जलाया है, इसलिए हमें इवांका को मारना होगा।' सूत्रों के अनुसार उसके पास फ्लोरिडा में

इवांका ट्रंप और उनके पति जैरेड कुशनर के घर से जुड़ी जानकारी और नक्शा भी मौजूद था। सोशल मीडिया पर उसने फ्लोरिडा के उस इलाके का नक्शा साझा किया था, जहां इवांका का घर स्थित है। साथ ही उसने अरबी भाषा में धमकी भरा संदेश भी लिखा था, जिसमें कहा गया था कि अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां भी उन्हें नहीं बचा पाएंगी। इस घटना के बाद अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों ने मामले को बेहद गंभीरता से लिया है।

गिरफ्तार आरोपी पर कौन-कौन से आरोप लगे हैं 32 वर्षीय मोहम्मद अल-सादी को 15 मई को तुर्किये में गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तारी के बाद उसे अमेरिका लाया गया।

अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार उस पर यूरोप और अमेरिका में 18 हमलों की कोशिशों का आरोप।

जांच एजेंसियों का दावा है कि वह अमेरिका और यहूदी समुदाय से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाने में शामिल था।

एम्स्टर्डम में बैंक ऑफ न्यूयॉर्क मेलॉन पर फायरबॉम्ब हमले में नाम जुड़ा।

लंदन में दो यहूदी नागरिकों पर चाकू से हमले का आरोप।

टोरंटो स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर गोलीबारी में कथित भूमिका।

बेल्जियम के लीज शहर में यहूदी उपासना स्थल पर बम धमाके से नाम जुड़ा।

रॉटरडैम में धार्मिक स्थल में आगजनी के आरोप भी लगे। कई अन्य अंतरराष्ट्रीय आतंकी गतिविधियों और हमलों की साजिश में शामिल होने की जांच जारी है। रिपोर्टों के मुताबिक अल-सादी को आईआरजीसी और काताइब हिजबुल्लाह जैसे संगठनों से जुड़ा बताया गया है। दावा किया गया कि वह बचपन में तेहरान भेजा गया था, जहां उसने आईआरजीसी से प्रशिक्षण लिया। बाद में उसने धार्मिक यात्राओं से जुड़ी ट्रैवल एजेंसी शुरू की, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर दुनिया भर में आतंकी नेटवर्क से संपर्क बनाने के लिए किया गया।

अंतरिक्ष में मौसम का बड़ा रहस्य, 2690 प्रकाशवर्ष दूर ग्रह पर बनते-बिखरते दिखे बादल

वॉशिंगटन, एजेंसी। वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में एक ऐसे दूरस्थ ग्रह का पता लगाया है, जहां मौसम का बेहद अनोखा तंत्र काम करता है। पृथ्वी से करीब 2690 प्रकाशवर्ष दूर स्थित इस विशाल एक्सोप्लैनेट यानी सौरमंडल के बाहर मौजूद ग्रह पर घने बादल बनते और खत्म होते देखे गए हैं। खास बात यह है कि ग्रह के अंधेरे हिस्से में बादल बनते हैं और फिर तेज हवाएं उन्हें रोशनी वाले हिस्से तक ले जाकर खत्म कर देती हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप की मदद से वैज्ञानिकों ने पहली बार इतने दूर मौजूद किसी ग्रह पर मौसम की इस प्रक्रिया को विस्तार से समझा है। वैज्ञानिक मान रहे हैं कि यह खोज अंतरिक्ष विज्ञान और ग्रहों के अध्ययन में बड़ा कदम साबित हो सकती है।

आखिर वैज्ञानिकों ने इस ग्रह पर क्या खोजा

वैज्ञानिकों ने एक्सोप्लैनेट डब्ल्यूएएसपी-94 ए बी का अध्ययन किया। यह ग्रह अपने

तारे डब्ल्यूएएसपी-94 ए के सामने से गुजरता है। इसी दौरान वैज्ञानिकों ने ग्रह के वायुमंडल से होकर गुजरने वाली रोशनी का विश्लेषण किया। अध्ययन में पाया गया कि ग्रह के अलग-अलग हिस्सों से आने वाली रोशनी में अंतर दिखाई दे रहा था। खगोलशास्त्री सैगनिक मुखर्जी के नेतृत्व में हुई इस रिसर्च में पता चला कि ग्रह का जो हिस्सा पहले तारे के सामने आता है, वहां घने बादल मौजूद थे। वहीं, रोशनी वाले हिस्से में ये बादल खत्म हो जाते थे। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्रह पर चलने वाली तेज हवाएं इन बादलों को एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक ले जाती हैं।

बादलों की यह प्रक्रिया इतनी अहम क्यों मानी जा रही

वैज्ञानिकों के अनुसार यह खोज केवल मौसम तक सीमित नहीं है। इससे ग्रह की रासायनिक संरचना और उसके निर्माण के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। रिसर्च में कहा गया है कि अगर दिन और रात वाले हिस्सों के इस अंतर को नजरअंदाज कर दिया जाता, तो वैज्ञानिक गलत निष्कर्ष तक पहुंच सकते थे। उन्हें ऐसा लग सकता था कि ग्रह के दिन वाले हिस्से में धुंध जैसी परत बनी हुई है। इससे ग्रह के वातावरण की पूरी तस्वीर बदल सकती थी। इसलिए यह अध्ययन वैज्ञानिकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वैज्ञानिकों के लिए एक्सोप्लैनेट्स को सीधे देख पाना आसान नहीं होता। आमतौर पर इन ग्रहों का पता तब चलता है जब वे अपने तारे के सामने से गुजरते हैं। उस समय तारे की रोशनी थोड़ी कम हो जाती है। वैज्ञानिक उसी बदलाव का अध्ययन करते हैं। इस प्रक्रिया में ग्रह तारे की कुल रोशनी का केवल लगभग 1 प्रतिशत हिस्सा ही रोक पाता है। उसमें से भी बहुत कम रोशनी ग्रह के वायुमंडल से होकर गुजरती है। यही वजह है कि ऐसे संकेत बेहद कमजोर होते हैं और उन्हें समझने के लिए अत्याधुनिक तकनीक की जरूरत पड़ती है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने इसी मुश्किल काम को संभव बनाया है।

शिपयार्ड बना आग का गोला: लगातार दो धमाकों ने मचाई तबाही, एक व्यक्ति की मौत व 36 घायल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर के एक शिपयार्ड में शुक्रवार को लगी आग और दो विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार इस घटना में घायल हुए 36 लोगों में अधिकतर दमकलकर्मी और अन्य आपातकालीन सेवाकर्मी हैं। एक आम नागरिक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जिस समय दूसरा विस्फोट हुआ दो दमकलकर्मी इमारत के अंदर थे जिससे कि वे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने शुक्रवार शाम को संवाददता सम्मेलन में कहा, हालात बेहद जटिल है और स्थिति लगातार बदल रही है। दमकल विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी लिलियन बोनसिन्योर ने बताया कि अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे दमकल विभाग को घटना की सूचना दी गई और बताया गया कि शिपयार्ड के पिछले हिस्से में एक तहखाने में दो मजदूर फंसे हैं।

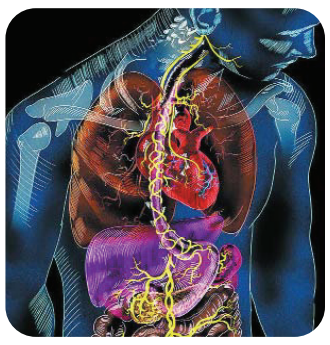

पेट में दवा कैसे करती है काम

जब भी हम बीमार होते हैं, तब दवा लेते हैं और इसके कुछ दिनों बाद ठीक हो जाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी यह सोचा है कि दवाएं पेट में जाने के बाद कैसे घुलती हैं और हम कैसे स्वस्थ हो जाते हैं?

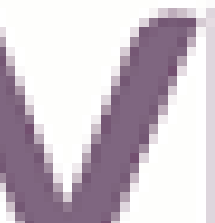

हम मानते हैं कि दवाएं पेट में जाने के बाद तुरंत घुल जाती होंगी। ऐसा नहीं है। पेट में जाने के बाद हर दवा तुरंत नहीं घुलती, बल्कि दवा घुलने का तरीका और इसमें लगने वाला समय उस दवा की प्रकृति पर निर्भर करता है। हमारे पेट में एसिड पाया जाता है। जब हम दवा लेते हैं, तो दवा पेट के एसिड से मिलकर अलग-अलग प्रकार से घुलती हैं। जैसे प्लास्टिक कोटिंग वाली दवा लेने पर वह पेट में जाकर टूट जाती है और इस कोट के अंदर मौजूद लिक्विड या पाउडर दवा को निकाल देती है। इसके विपरीत सॉलिड टैबलेट्स दानेदार होती हैं। इसलिए जब हम सॉलिड टैबलेट्स लेते हैं तो यह दवा पेट में जाकर बुलबुले के रूप में निकलते हुए धीरे-धीरे घुलती है। अर्थात हर दवा का काम अलग-अलग होता है। वैसे ही हर दवा के पेट में घुलकर असर करने का तरीका और समय भी काफी अलग होता है।

घर पर हैं तो कुछ सीखें, कुछ सिखाएं

कोरोना के चलते हम सभी घर में हैं। इस दौरान बच्चे नई चीजें सीख सकते हैं। वे किताबें पढ़ सकते हैं। इससे उनका मनोरंजन तो होगा ही, ज्ञान भी बढ़ेगा। ऑनलाइन आपको हजारों किताबें, कहानियां आराम से उपलब्ध हो जाएंगी।

घर में हैं तो यूट्यूब जैसे प्लेटफार्म से सीख कर नई रेसिपी बना सकते हैं। हां, यह ध्यान जरूर रखें कि घर में मौजूद सामान से ही बनाएं, क्योंकि बाहर जाना मना है। बच्चों को ये बताएं कि अगर वे खाना बनाना सीख लेंगे तो वक्त-जरूरत यह काम आएगा।

इंसान ने पिछले कई दशक के दौरान कोरोना जैसे संकट का सामना नहीं किया है। इसलिए इस वक्त के अनुभव और भावनाओं को डायरी में लिखें। दिमाग में जो कुछ भी चल रहा है, उसे पन्ने पर उतार दें। बच्चों को भी कोरोना डायरी लिखने के लिए प्रेरित करें। आप अपने अनुभव से या इंटरनेट से पढ़कर प्रेरणा और खुशी देने वाली कहानियां सुनाएं। उनकी पसंदीदा चीजों, जैसे- खेल, टीवी शो, उनके दोस्तों आदि के बारे में बात करें। बच्चों को सिखाएं कि घर के काम, जैसे- सफाई भी एक खेल की तरह होते हैं। इससे बच्चों में स्वच्छता का एहसास भी बढ़ेगा।

कभी घर की खिड़की, बालकनी में थोड़ी देर के लिए खड़े हो जाएं और खुले आसमान की ओर देखें। इससे मस्तिष्क को न सिर्फ आराम मिलेगा, बल्कि आपकी क्रिएटिविटी भी बढ़ जाएगी।

विद्वान ब्राह्मण और बुद्धिमान मित्र

बहुत समय पहले पंचतंत्र जैसी नीति कथाओं में वर्णित द्रोण नगरी में चार मित्र रहा करते थे। उनमें से तीन ब्राह्मण अनेक विद्याओं में निपुण थे, जबकि चौथे मित्र के पास कोई विशेष विद्या नहीं थी। हालांकि, वह अत्यंत बुद्धिमान और व्यवहार कुशल था। वह हर समस्या का समाधान अपनी समझदारी से निकाल लेता था, जबकि उसके विद्वान मित्र कई बार बिना सोचे-समझे निर्णय ले लेते थे।

एक दिन चारों मित्रों ने विचार किया कि विदेश जाकर धन कमाया जाए, ताकि अपनी-अपनी विद्या का लाभ भी मिल सके और जीवन भी समृद्ध हो। यह सोचकर वे यात्रा पर निकल पड़े। रास्ते में एक ब्राह्मण मित्र ने कहा, हममें से एक के पास कोई विद्या नहीं है, इसलिए उसे हमारे साथ कमाए गए धन में हिस्सा नहीं मिलना चाहिए। उसे वापस लौट जाना चाहिए।

इस बात पर काफी देर तक चर्चा हुई। दूसरा मित्र भी इस विचार से सहमत हो गया, लेकिन तीसरे मित्र ने विरोध करते हुए कहा, हम बचपन के साथी हैं। केवल विद्या न होने के कारण मित्र को छोड़ देना उचित नहीं होगा। जो भी धन मिलेगा, हम उसे बराबर-बराबर बांटेंगे। सभी उसकी बात मान गए और आगे बढ़ चले।

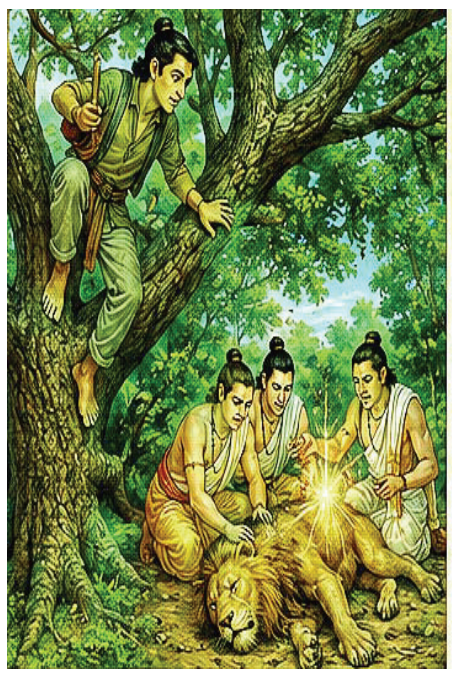

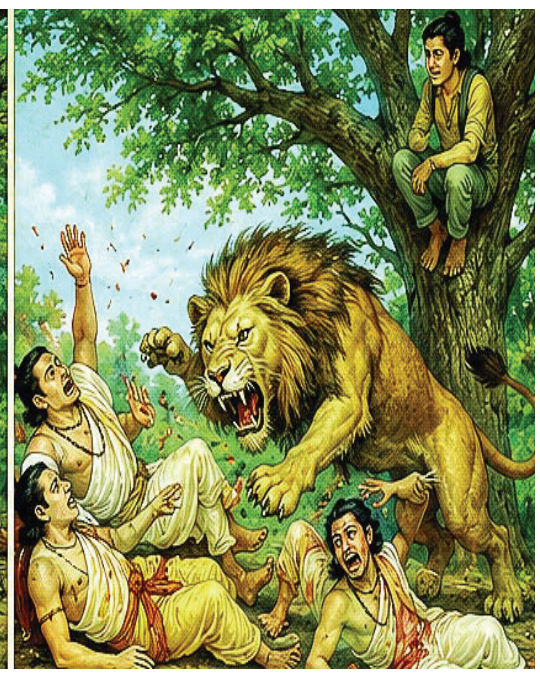

यात्रा के दौरान वे एक घने जंगल से गुजर रहे थे। वहां उन्हें एक मरा हुआ शेर दिखाई दिया। तीनों विद्वान ब्राह्मणों ने उत्साहित होकर कहा, क्यों न अपनी विद्या का चमत्कार दिखाकर इस शेर को पुनर्जीवित किया जाए? इससे हमें यश और प्रसिद्धि मिलेगी।

यह सुनकर चौथे बुद्धिमान मित्र ने उन्हें सावधान करते हुए कहा, यदि तुम लोग इस शेर को जीवित कर दोगे, तो यह जिंदा होते ही हम सबको मार डालेगा। लेकिन तीनों ब्राह्मण अपनी विद्या के अभिमान में उसकी बात को नजरअंदाज कर बैठे। एक ने शेर की हड्डियां जोड़नी शुरू कीं, दूसरे ने उसके शरीर का निर्माण किया और तीसरा उसमें प्राण डालने की तैयारी करने लगा। अपने मित्रों की जिद देखकर बुद्धिमान दोस्त बोला, यदि तुम लोग मेरी बात नहीं मानते, तो कम से कम मुझे इस पेड़ पर चढ़ जाने दो।

इतना कहकर वह तुरंत पेड़ पर चढ़ गया। उधर, तीनों ब्राह्मण अपनी विद्या के बल पर शेर को जीवित करने में लग गए। कुछ ही क्षणों में शेर जीवित हो उठा। जैसे ही उसने आंखें खोलीं, सामने खड़े तीनों ब्राह्मणों पर झपट पड़ा और उन्हें मार डाला। पेड़ पर बैठा चौथा मित्र यह सब देखता रहा। अपनी समझदारी और दूरदृष्टि के कारण उसकी जान बच गई।

शिक्षा-केवल विद्या होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि बुद्धि और व्यवहारिक समझ भी उतनी ही आवश्यक है। अहंकार में लिया गया निर्णय विनाश का कारण बन सकता है।

नीचे ब्लॉक्स में कुछ ऑब्जेक्ट्स बने हैं, इन्हें चित्र में ढूंढिए

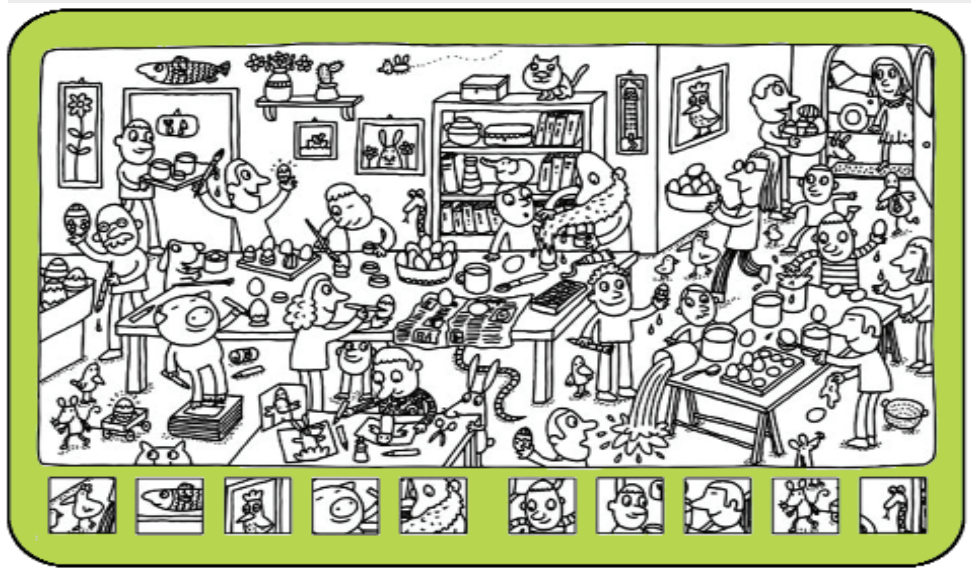

अद्भुत तथ्य

- बतख अपने आधे दिमाग को सुला सकती है, जबकि उसका आधा दिमाग जागा हुआ रह सकता है।
- जापानी लोग नहाने के लिए भी एक ही पानी का उपयोग करते हैं। यानी पेयजल को ही नहाने के उपयोग में लेते हैं।
- स्पेस शटल के मुख्य इंजन का वजन एक ट्रेन के इंजन के वजन का मात्र 1/7 के बराबर होता है। किन्तु वह 39 लोकोमोटिव के बराबर अश्वशक्ति उत्पन्न करता है।
- मच्छर दो फीट प्रति सेकंड की रफ्तार से उड़ते हैं और 40 फीट से ऊपर नहीं उड़ते। ये अपने जन्म स्थान से एक मील तक के एरिया में ही उड़ते हैं।
- ऑस्ट्रेलिया अकेला ऐसा महाद्वीप है, जहां कोई भी एक्टिव ज्वालामुखी नहीं है।
- केकड़े का खून रंगहीन होता है। ऑक्सीजन मिलने के बाद यह नीला हो जाता है।
- मिक्की माउस का नाम इटली में 'टोपोलिनो' है।

जेबरा का बचाव

चटक सफेद और काले रंग की धारियों से जेबरा तत्काल पहचान में आ सकता है। लेकिन ये काले और सफेद रंगों की धारियां ही समूह में विचरण करने वाले जेबरा की सुरक्षा भी करती हैं। दरअसल, जब ये जीव एक साथ विचरते हैं, तो रंग दृष्टिभ्रम पैदा करते हैं। यह समझ पाना मुश्किल होता है कि एक जेबरा का शरीर कहां खत्म हुआ और दूसरे का कहां से शुरू हो रहा है। दिन के वक्त धूप की चकाचौंध में तो यह तरकीब और भी कारगर साबित होती है। दूर से देखने पर धारीदार जेबरा के शरीर कुछ इस तरह एक-दूसरे में गड्ड-मड्ड हो जाते हैं कि पूरा झुंड जंगल की पृष्ठभूमि के साथ मेल खाता दिखता है। जेबरा का रंगदार बदन शेर तक को चुनौती देता है, क्योंकि जंगल के इस राजा को रंग दिखाई नहीं देते। वह सिर्फ श्वेत-श्याम ही देख सकता है। काली और सफेद धारियां जेबरा को एक और हमले से बचाती हैं। यह हमला होता है खतरनाक मक्खियों का। जेबरा को काटने वाले कीड़े-मकौड़े काफी परेशान करते हैं। लेकिन खून चूसने वाली मक्खियों के हमलों से धारियां इनका बचाव करती हैं। मक्खियां धारियों से बचती हैं और ये भी जंगली मधुमक्खियों की ही तरह किसी गहरे रंग के ठोस ठिकानों पर बैठना पसंद करती हैं। सच तो यह है कि जेबरा के शरीर की धारियां कीटों को भ्रम में डालती हैं। जेबरा के लिए यह सुकून होता है कि काले-सफेद रंग की धारीदार त्वचा उसके दुश्मनों को मूर्ख बनाने में पूरी तरह कारगर होती हैं।

चित्र से चित्र

गुदगुदी

- मां- 'बेटा, दादी को बर्थडे पर क्या गिफ्ट दोगे?'
  बेटा- 'मैं दादी को फुटबॉल दूंगा।'
  मां- 'अरे बेटा दादी इस उम्र में फुटबॉल का क्या करेंगी?'
  बेटा- 'उन्होंने भी तो मेरे बर्थडे पर मुझे भगवद्गीता दी थी?'
- एक बच्चा रो रहा था। उसके पिता ने रोने का कारण पूछा। बच्चा बोला- 'दस रुपए दो, तब बताऊंगा।' पिता ने बेटे को दस रुपए दे दिए और कहा- 'अब बताओ बेटे! तुम क्यों रो रहे थे?'
  बच्चा बोला- 'मैं तो दस रुपए के लिए ही रो रहा था।'
- मोहन एक सॉफ्टवेयर कंपनी में इंटरव्यू देने गया।
  इंटरव्यूकर्ता- 'जावा के चार वर्जन बताइए।'
  मोहन- मर जावा, मिट जावा, लुट जावा और सदके जावा...।
  इंटरव्यूकर्ता- 'शाबास, अब सीधा घर जावा...।'
- इंटरव्यूअर- 'मैं तुमसे सिर्फ एक ही सवाल पूछूंगा। बताओ जिंदगी में क्या खोया है और क्या पाया है?'
  स्मार्ट लड़का- 'सर, जिससे मिठाई बनती है वो खोया है। जो चारपाई में लगा होता है वो पाया है।'
  इंटरव्यूअर- 'जिंदगी में कोई मुश्किल आई तो क्या करोगे?'
  स्मार्ट लड़का- 'सर, किसान के पास जाऊंगा।' इंटरव्यूअर- क्यों?
  स्मार्ट लड़का- 'क्योंकि उसके पास हल है।' *इंटरव्यूअर ने इन दिनों इंटरव्यू लेना छोड़ दिया है।*

बोल-अनमोल

अपनी क्षमताओं को निरंतर बढ़ाते रहो, क्योंकि जो उपलब्धि आज हमने पाई है, उससे कहीं ज्यादा हम पा सकते हैं।

TONGUE TWISTER

- You're behaving like a babbling, bumbling band of baboons.
- Giddy kiddy goat, Giddy kiddy goat, Giddy, giddy, giddy, giddy, giddy, kiddy goat.
- He wanted to desert his dessert in the desert!

चौखानों से चित्र

चौखानों से चित्र बनाने का अभ्यास करिये।

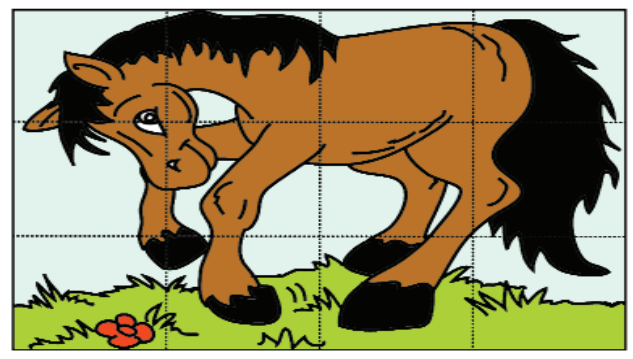

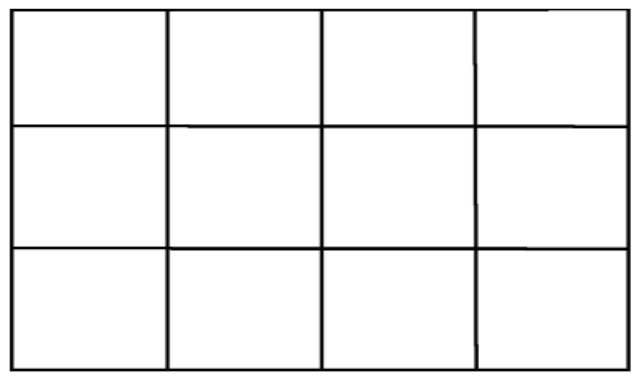

इस बाल जादूगर को हवेली का रास्ता तो बताइए जरा..

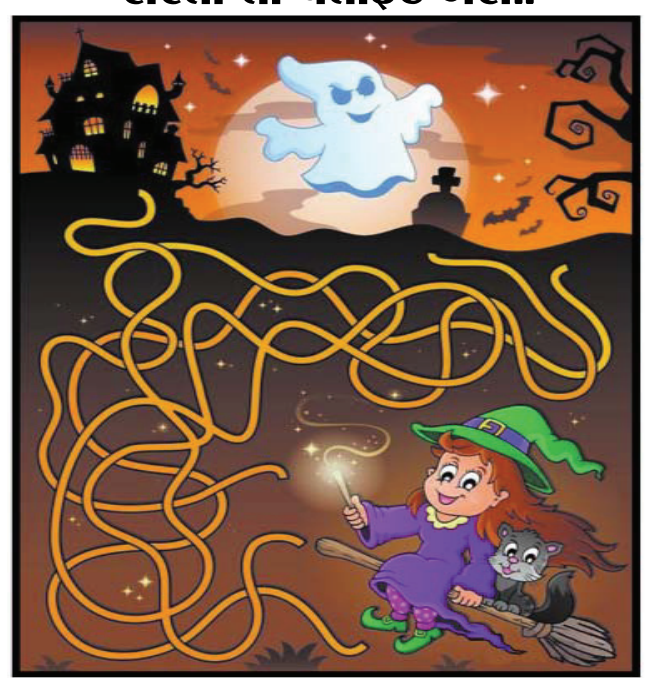

कंचनजंघा वाला सिक्किम

सिक्किम अपनी हरी-भरी वनस्पति, सुंदर प्राकृतिक घाटियों और विशाल पर्वतों के लिए प्रसिद्ध है। बर्फ से ढकी हिमालय की चोटियां, फूलों के गुच्छों से लदे मैदान, चमकदार रंगबिरंगी संस्कृति सिक्किम को दर्शनीय बनाते हैं।

सिक्किम की शान है- कंचनजंगा पर्वत, जो दुनिया में तीसरा सबसे ऊंचा पर्वत है। बर्फ से ढके पर्वत दुनिया की अविवादित सर्वोच्च श्रृंखला कहे जाते हैं। यहां के हरे-भरे और घने वन तरह तरह के विशिष्ट फूलों से भरपूर हैं। यहां का पर्वतीय विस्तार सिक्किम की दो मुख्य नदियों के बीच हैं। तिस्ता और रंगीत के सुंदर गांव और पानी के झरने तथा गर्म जलप्रपात लोगों को आकर्षित करते हैं।

सिक्किम में आने वाले पर्यटकों के लिए बहुत कुछ दर्शनीय है। यहां 135 फीट ऊंची गुरु पद्मसंभव की मूर्ति दक्षिण सिक्किम में स्थित है। राजधानी गंगटोक राज्य के निचले हिमालय वाले भाग में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित है। यह शहर समुद्रतल से लगभग 1780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

यहां पर्यटक रुचि के अनेक स्थान हैं। एंची मठ, स्थायी पुष्प प्रदर्शनी (जो वाइट मेमोरियल हॉल के पास व्हाइट हॉल में लगाई जाती है), हथकरघा और दस्तकारी केन्द्र, नमग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ तिबेतोलॉजी, सरामसा गार्डन, रामटेक धर्म चक्र केन्द्र, जवाहर लाल नेहरू वनस्पति उद्यान, ताशी व्यू पॉइंट, सा. नगोर-चोट शोभ केन्द्र, गणेश टोक के अलावा कई अन्य स्थल देखने योग्य हैं।

क्वेटा में आत्मघाती हमला, 30 की मौत, 100 लोग घायल

बीएलए के हमले में रेलवे ट्रैक के नजदीक हुआ धमाका, जाफर एक्सप्रेस के कई डिब्बे पटरी से उतरे

● इस्लामाबाद

पाक के बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा में रविवार को एक आत्मघाती हमले में 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 लोग घायल हैं। हमले की जिम्मेदारी बीएलए ने ली। ईद के लिए 290 सैनिक व यात्री घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। एजेंसी के मुताबिक यह हादसा एक रेलवे ट्रैक के नजदीक हुआ, जिसके चपेट में जाफर एक्सप्रेस आ गई। ट्रेन क्वेटा कैंट की ओर जा रही थी। विस्फोट इतना जोरदार था कि ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाके के बाद रेलवे ट्रैक के पास आग लग गई। फायर ब्रिगेड, पुलिस, रेस्क्यू टीम और सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस ने बताया कि विस्फोट से आसपास की इमारतों की खिड़कियों के शीशे भी टूट गए। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और धमाके की वजह का पता लगाने जांच शुरू कर दी गई है।

बलूचिस्तान सरकार के गृह मामलों के विशेष सहायक बाबर यूसुफजई ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और सभी सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। उन्होंने लोगों से घटनास्थल के आसपास भीड़ न लगाने की अपील की। सुरक्षा एजेंसियां इसे आतंकवादी हमला मानकर जांच कर रही हैं।

जाफर ट्रेन को पहले भी बनाया गया था निशाना

जाफर एक्सप्रेस पाकिस्तान रेलवे की एक लंबी दूरी की प्रमुख पैसेंजर ट्रेन है। यह ट्रेन बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा को पाकिस्तान के बड़े शहरों से जोड़ती है। यह बलूचिस्तान समेत कई संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरती है। हाल के सालों में बलूचिस्तान में रेलवे ट्रैक, सुरक्षा बलों और सरकारी ठिकानों पर कई बड़े हमले हो चुके हैं। यह ट्रेन जिन इलाकों से गुजरती है वहां बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) का दबदबा है, इस वजह से इस ट्रेन को कई बार निशाने पर लिया गया है। पिछले साल बीएलए ने जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक कर लिया। तब बीएलए ने 214 पैसेंजर्स को बंधक बनाने और 30 सैनिकों की हत्या की बात कही थी।

सबसे ताकतवर संगठन है बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी

बलूचिस्तान में कई लोगों का मानना है कि भारत-पाकिस्तान बंटवारे के बाद वे एक आजाद देश के तौर पर रहना चाहते थे। लेकिन बिना उनकी मर्जी से उन्हें पाकिस्तान में शामिल कर दिया गया था। इस वजह से बलूचिस्तान में सेना और लोगों का संघर्ष आज भी जारी है। बीबीसी के मुताबिक बलूचिस्तान में आजादी की मांग करने वाले कई संगठन हैं, लेकिन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) सबसे ताकतवर संगठन है। ये संगठन 70 के दशक में अस्तित्व में आया और 21वीं सदी में इसका प्रभाव बढ़ा है। बीएलए बलूचिस्तान को पाकिस्तानी सरकार और चीन से मुक्ति दिलाना चाहता है। उनका मानना है कि बलूचिस्तान के संसाधनों पर उनका हक है। पाकिस्तान सरकार ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को 2007 में आतंकी संगठनों की सूची में शामिल किया था।

कीव के कई हिस्सों में आग, धमाकों व धुएं का भयावह मंजर

रूस ने यूक्रेन पर दागी घातक मिसाइल 'ओरेशनिक', 700 ड्रोन से किया हमला

● नई दिल्ली

रूस ने कई दिनों की शांति के बाद यूक्रेन पर बीते कुछ दिनों का सबसे बड़ा हमला बोला है। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर बहुत बड़े हवाई हमले को अंजाम दिया है। रूसी फौजों ने इस दौरान 700 से ज्यादा ड्रोन और 50 से अधिक किंजल और ऑर्सेनिक मिसाइलें दागकर यूक्रेन की संसद और आस-पास के इलाके को धुआं-धुआं कर दिया। इस भारी बमबारी से कीव के कई अंदरूनी इलाके हिल गए।

इन हमलों में दर्जनों लोगों के मारे जाने की खबरें आ रही हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे एक क्रूज मिसाइल कीव के दिल कहे जाने वाले सेंट्रल इलाके पर गिरी। जिसके बाद आसमान में धुएं के बड़े-बड़े गुबार उठे और यूक्रेन की सरकार के दफ्तरों और रिहायशी इलाकों के पास जोरदार धमाके सुनाई दिए। जंग शुरू होने के बाद यह अब तक का सबसे खतरनाक मिसाइल और ड्रोन हमला माना जा रहा है।

ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइल की यह है खासियत

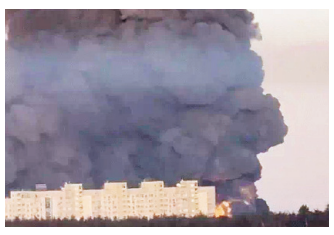

ओरेशनिक रूस की नई हाइपरसोनिक मिसाइल मानी जा रही है। यह ध्वनि की गति से लगभग 10 गुना तेज रफ्तार से उड़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह मिसाइल जमीन के कई मंजिल नीचे बने बंकरों को भी नष्ट करने में सक्षम है। रूस ने रविवार रात कीव पर ड्रोन और मिसाइलों से बड़ा हमला किया। इस हमले में चार लोगों की मौत हुई और दर्जनों लोग घायल हो गए।

रूस-यूक्रेन युद्ध में हुई एक भारतीय की मौत, तीन घायल

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच एक भारतीय की मौत की खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया है। ओडिशा के गंजाम जिले के रहने वाले ए रामैया की यूक्रेनी ड्रोन हमले में जान चली गई। वहीं तीन अन्य भारतीय घायल हो गए। रोजगार की तलाश में विदेश गए रामैया अब ताबूत में घर लौटेंगे। इस दर्दनाक खबर से परिवार ही नहीं, पूरा गांव सदमे में है। ए रामैया ओडिशा के गंजाम जिले के चिकिटी ब्लॉक के माधाबंध गांव के निवासी थे। वह करीब एक महीने पहले ही बेहतर रोजगार की तलाश में रूस गए थे। रामैया रूस के एक ऐसे इलाके में काम कर रहे थे, जो युद्ध से प्रभावित है। इसी दौरान यूक्रेन की ओर से किए गए ड्रोन हमले की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई।

चार तरह की मिसाइल से हमला किया: रूस

रूस ने रविवार को पुष्टि की कि उसने यूक्रेन पर रातभर चार प्रकार की मिसाइलों से हमला किया, जिनमें हाइपरसोनिक ओरेशनिक मिसाइल भी शामिल थी। मॉस्को ने कहा कि यह हमला रूस के भीतर हाल ही में नागरिक ठिकानों पर यूक्रेन द्वारा किए गए हमलों की जवाबी कार्रवाई था। रूसी सरकारी समाचार एजेंसियों के मुताबिक, इस हमले में ओरेशनिक, इस्कंदर, किंझाल और जिरकॉन मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। इंटरफैक्स के अनुसार, रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हमलों का निशाना यूक्रेन के सैन्य कमांड केंद्र, एयरबेस और सैन्य औद्योगिक परिसर से जुड़े प्रतिष्ठान थे। मॉस्को ने दावा किया कि उसके सभी हमले कामयाब रहे। यूक्रेनी एयरफोर्स के बयान के मुताबिक, कई घंटों तक हुए हमलों में 600 अटैक ड्रोन और 90 हवाई, समुद्री व जमीनी मिसाइलें शामिल थीं। यूक्रेनी एयर डिफेंस ने 549 ड्रोन और 55मिसाइलों को नष्ट या जाम कर दिया, जबकि करीब 19 मिसाइलें अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकीं। वायुसेना ने ये भी बताया कि रूस के अस्त्राखान स्थित कासपुतिन यार लॉन्च साइट से मीडियम रेंज की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गई। ये पूरा इलाका ओरेशनिक मिसाइल लॉन्च के लिए जाना जाता है।

ईरान-अमेरिका के बीच 60 दिनों के सीजफायर का हो सकता है ऐलान

एक्सियोस का दावा: होर्मुज को खोलने पर भी बनी सहमति

● तेहरान

ईरान और अमेरिका के बीच फिर से 60 दिनों के सीजफायर होने की पूरी संभावना है। रिपोर्ट्स में दावा है कि फिर से सीजफायर का ऐलान किसी भी वक्त हो सकता है। दावा ये भी है कि अभी पूरी तरह से युद्धविराम में समय लग सकता है। हालांकि, इस बार के सीजफायर में ईरानी तेल की बिक्री और होर्मुज खोलने पर सहमति बन सकती है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर 60 दिनों में सहमति बनाने पर चर्चा होगी। एक्सियोस ने रिपोर्ट में बताया है कि 60 दिनों के सीजफायर के दौरान, महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य बिना किसी शुल्क के खुल जाएगा और ईरान जलमार्ग में बिछाई गई बारूदी सुरंगों को हटा देगा। इससे जहाजों का आवागमन सुरक्षित हो जाएगा।

इसके बदले में यूएस का ईरानी बंदरगाहों पर लगी नाकाबंदी हटाएगा और ईरानी तेल की बिक्री की अनुमति देने के लिए कुछ प्रतिबंधों में ढील देगा। इसके अलावा, एक्सियोस के अनुसार, अमेरिका से 60 दिनों की अवधि के दौरान ईरानी की फ्रीज संपत्तियों पर लगे बैन हटाने और उन्हें मुक्त करने की भी उम्मीद की जाएगी। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, समझौते में ईरान से यह प्रतिबद्धता मांगी गई है कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, यूरेनियम संवर्धन रोकेगा और अपने पास मौजूद अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के भंडार को हटाएगा।

विदेश मंत्री मार्को रूबियो के बयान से अटकलें तेज

यूएस विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत की चार दिवसीय यात्रा के दौरान कहा कि रविवार को ईरान से डील घोषणा संभव है। रुबियो ने नई दिल्ली में पत्रकारों से कहा कि मुझे लगता है कि अगले कुछ घंटों में दुनिया को कुछ अच्छी खबर मिल सकती है। उनका यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान के कुछ घंटों बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि मध्य पूर्व युद्ध को समाप्त करने के प्रस्ताव पर काफी हद तक बातचीत पूरी हो चुकी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समझौता अभी भी अंतिम रूप दिए जाने के अधीन है, जबकि एनवायटी ने रिपोर्ट किया कि दोनों पक्ष ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े जटिल मुद्दों पर प्रारंभिक समझौते के बाद ही चर्चा करेंगे।

चंदोसी में आतंकी ठिकाना ध्वस्त, हथियार बरामद

श्रीनगर, आरएनएन। बारामूला जिले के चंदोसा इलाके में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकियों के गुप्त ठिकाने को ध्वस्त कर दिया है। नीलसर कांडी क्षेत्र में हुई संयुक्त कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की। लगभग छह घंटे तक चली इस तलाशी अभियान में सुरक्षा बलों ने छिपे हुए ठिकाने को पूरी तरह से खाली कर दिया। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने 14 सोवियत निर्मित ओजी-7वी फ्रेगमेंटेशन राउंड्स बरामद किए।

ब्रिटेन में हरियाणा के मां बेटा एक साथ मेयर बने

लंदन, आरएनएन। ब्रिटेन में भारतीय मूल के एक परिवार ने इतिहास रच दिया है। हरियाणा से ताल्लुक रखने वाले इस परिवार की मां और बेटा एक ही समय में अलग-अलग शहरों के मेयर बने हैं।

बेटे तुषार 13 मई को एल्स्ट्री और बोरहैमवुड टाउन काउंसिल के सबसे कम उम्र के मेयर बने, जबकि उनकी मां परवीन रानी दहिया 20 मई को हर्ट्समेयर बरो काउंसिल की पहली भारतीय मूल की मेयर चुनी गईं। परिवार का पुश्तैनी गांव हरियाणा के सोनीपत जिले के खरखौदा में है। हालांकि परिवार लंबे समय तक रोहतक में रहा और फिर 2013 में ब्रिटेन चला गया। तुषार के पिता सुनील दहिया ने बताया कि जब वे ब्रिटेन पहुंचे थे, तब उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनका परिवार इतनी बड़ी पहचान बनाएगा।

जाप के दौरान प्लेट गिरी, दो की मौत

अमृतसर, आरएनएन। अमृतसर स्थित गुरुद्वारा शहीदां साहिब में कार सेवा के दौरान बड़ा हादसा हो गया। शटरिंग की एक भारी लोहे की प्लेट अचानक नीचे गिर गई, जिससे वहां मौजूद संगतों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि आठ महिलाएं घायल हो गईं। घटना के बाद गुरुद्वारा परिसर में चीख-पुकार और हड़कंप का माहौल बन गया।

एडीसीपी विशालजीत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुद्वारा साहिब में चौपहिरा के दौरान संगत जाप कर रही थी। इसी दौरान शटरिंग की लगाई गई 200 केजी की एक प्लेट अचानक गिर गई, जिससे नीचे बैठी महिलाएं उसकी चपेट में आ गईं। घटना के तुरंत बाद पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत कार्य शुरू किया गया। सभी घायल महिलाओं को पहले सिविल अस्पताल और फिर अन्य अस्पतालों में भर्ती करवाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

नहर में कूदा पूरा परिवार, तीन बच्चों की मौत

पटियाला, (आरएनएन)। जिले के राजपुरा क्षेत्र में रविवार को दर्दनाक घटना सामने आई। मोहाली निवासी एक दंपति अपने तीन नाबालिग बच्चों के साथ कथित तौर पर नहर में कूद गया. हादसे में दंपति को स्थानीय लोगों ने बचा लिया, लेकिन तेज बहाव में बह जाने से तीनों बच्चों की मौत हो गई। घटना राजपुरा के पास मंडोली पुल से करीब एक किमी आगे की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार परिवार ने नहर में छलांग क्यों लगाई, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

दर्शन के नाम पर ठगी, 25 अरेस्ट

वाराणसी, आरएनएन। उप्र की धार्मिक नगरी काशी में श्री काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन के लिए रोज हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। अक्सर श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन और स्पर्श दर्शन कराने के नाम पर पैसे लेकर ठगी करने के मामले सामने आते रहते हैं।

पुलिस ने रविवार को विशेष चेकिंग अभियान चलाकर काशी विश्वनाथ धाम के गेट नंबर चार से 25 ठगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त काशी जोन गौरव बंसवाल के निर्देशन में सहायक पुलिस आयुक्त दशाश्वमेध डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी व चौक थाने की टीम ने धाम के बाहर गहन चेकिंग अभियान चलाया। टीम को पता चला कि कुछ लोग भीड़ लगाकर श्रद्धालुओं को घेरते हुए सुगम दर्शन कराने के नाम पर पैसे की मांग कर रहे थे।

डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि कई दिनों से इस प्रकार की शिकायतें मिल रही थीं। ट्रेनिंग के बाद ज्वाइनिंग किए नए महिला व पुरुष पुलिसकर्मियों को सादे वेश में धाम के बाहर तैनात किया गया था। चेकिंग के दौरान कुछ लोगों द्वारा श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार और पैसा वसूली का मामला सामने आया। दशाश्वमेध और चौक थाने की टीम ने कुल 25 लोगों को मौके पर पकड़ा। इन सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

व्हाइट हाउस के पास हुई फायरिंग, अंदर थे ट्रम्प

● वॉशिंगटन

- सुरक्षाबलों ने संदिग्ध को गोली मारी
- ट्रम्प की बेटी को भी हत्या की धमकी मिली थी

अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी में एक संदिग्ध शख्स ने व्हाइट हाउस के पास करीब 30 राउंड फायरिंग की। भारतीय समयानुसार यह घटना शनिवार रात करीब 3:30 बजे से सुबह 5 बजे के बीच हुई। घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प व्हाइट हाउस के अंदर मौजूद थे। रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के पास संदिग्ध हमलावर ने सिक्योरिटी चेकपॉइंट पर गोलियां चलाईं, जहां यूएस सीक्रेट सर्विस के अधिकारी तैनात थे। अफसरों की जवाबी कार्रवाई में हमलावर को गोली लगी। हॉस्पिटल ले जाने पर उसकी मौत हो गई। युवक की पहचान 21 साल के नासिर बेस्ट के तौर पर हुई है। वह अमेरिका के मैरीलैंड राज्य का रहने वाला था। इस गोलीबारी में एक आम नागरिक गोली लगने से घायल हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि अभी यह साफ नहीं है कि उसे हमलावर की गोली लगी या जवाबी फायरिंग के दौरान चोट पहुंची। घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना से कुछ दिन पहले ही राष्ट्रपति ट्रम्प की बेटी को भी हत्या की धमकी मिली थी। इस मामले में एक इराकी युवक को गिरफ्तार किया गया था।

आज का इतिहास

- **1611:** मुगल शासक जहांगीर ने मेहरुन्निसा से निकाह किया जो इतिहास में नूरजहां के तौर पर जानी जाती हैं।
- **1877:** स्टीमर सर जॉन लारेंस उड़ीसा तट के पास डूब गया। स्टीमर में 732 लोग सवार थे।
- **1886:** शिक्षाविद रास बिहारी बोस का जन्म।
- **1961:** यूएस राष्ट्रपति जॉन एफ़ केनेडी ने अंतरिक्ष अभियान की शुरुआत के लिए लाखों डॉलर की घोषणा की।
- **1963:** एकजुट करने के इरादे से 32 देशों ने आफ्रीकी संघ का गठन।
- **1985:** बांग्लादेश में भारी तूफ़ान से 10 हजार लोगों की मौत।

उपलब्धि — भारत को रॉकेट से लेकर एटमी संयंत्र का कच्चा माल उपलब्ध करवाने में सहायक होगा

राजस्थान में मिला दुर्लभ खनिजों का अहम भंडार

● जयपुर

पश्चिम राजस्थान का बालोतरा जिला रिफाइनरी जैसी महत्वाकांक्षी परियोजना से देश की ऊर्जा सुरक्षा के साथ सामरिक और आर्थिक सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभाने वाला है और यहां सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स में दुर्लभ खनिजों का ऐसा भंडार मिला है, जो भारत को रॉकेट से लेकर न्यूक्लियर प्लांट्स का कच्चा माल उपलब्ध करवाने और देश को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में सहायक होगा।

केन्द्रीय खान मंत्रालय की टेक्निकल कम कॉस्ट कमिटीज की संयुक्त बैठक में सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स में मौजूद दुर्लभ खनिजों के भंडार को रेखांकित किया गया है। हाल में आयोजित इस बैठक में बताया गया कि कॉम्प्लेक्स के तीन भागों में रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई), हैवी रेयर अर्थ एलिमेंट्स (एचआरईई) और क्रिटिकल रेयर मेटल्स का विशाल भंडार मिला है। इन ब्लॉक्स के तकनीकी मूल्यांकन के लिए तीन कंपनियों को कार्य भी आवंटित कर दिया गया है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश में नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए वहीं इस संबंध में खान विभाग एवं संबंधित जिला कलक्टर केंद्र सरकार के अफसरों के साथ बैठक करें, जिससे काम में तेजी आ सके। राज्य सरकार रेयर अर्थ एक्सीलेंस सेंटर की स्थापना भी कर रही है।

यह केंद्र दुर्लभ खनिजों के अनुसंधान, नवाचार व रणनीतिक विकास में महती भूमिका निभाएगा। इसी के साथ, राज्य सरकार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, एटॉमिक, मिनरल्स डॉयरेक्टरेट फॉर एक्सप्लोरेशन एवं रिसर्च आईआईटी हैदराबाद और आईआईटी आईएसएम धनबाद के साथ साझेदारी कर ऐसे खनिजों की खोज और अनुसंधान को नई गति प्रदान कर रही है।

ज्वालामुखी कुंड में पाए गए रेयर एलिमेंट

सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स एक ज्वालामुखी कुंड है जो 750 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है। इस कॉम्प्लेक्स के सर्वे में नियोबियम, जिरकोनियम और हाफनियम जैसे रेयर अर्थ एलिमेंट्स पाए गए हैं। इन एलिमेंट्स का उपयोग एयरोस्पेस इंजन के लिए सुपरअलॉय मेटेरियल के साथ ही चिकित्सा तथा वैज्ञानिक उपकरणों में उपयोग होने वाले सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट में किया जाता है। एटमी रिएक्टर, ई-कार, मिसाइल तकनीक, रोबोटिक्स, माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स और रासायनिक प्रसंस्करण में इन दुर्लभ खनिज का इस्तेमाल किया जाता है।

मेटा के पूर्व इंजीनियर ने लगाया भेदभाव का आरोप

● वाशिंगटन

फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा के एक पूर्व इंजीनियर ने कंपनी पर नस्लीय भेदभाव के गंभीर आरोप लगाए हैं। जेरेमी बर्नियर नाम के इंजीनियर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लंबा पोस्ट लिखकर अपने अनुभव साझा किए। उन्हें हाल ही में कंपनी की छंटनी में नौकरी से निकाल दिया गया था।

कहा, छंटनी में गैर-चीनी कर्मियों को टारगेट किया गया

बर्नियर का दावा है कि उनकी टीम में 90 फीसदी कर्मी चीनी थे और गैर-चीनी कर्मियों को अक्सर अलग-थलग महसूस कराया जाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि टीम में गैर-चीनी कर्मचारियों को नुकसान पहुंचाया गया और छंटनी में भी उन्हें ज्यादा निशाना बनाया गया। जिन 7 कर्मियों को उन्होंने अपनी टीम में नौकरी जाते देखा उनमें से 6 गैर-चीनी थे।

बर्नियर ने आरोप लगाया कि उनकी टीम में ज्यादातर बात मंदारिन भाषा में होती थी, जिससे बाकी लोग खुद को टीम से कटा हुआ महसूस करते थे। उनके मुताबिक, मीटिंग्स भले ही अंग्रेजी में होती थीं, लेकिन मीटिंग खत्म होते ही लोग तुरंत मंदारिन में बात करने लगते थे। उन्होंने लिखा, मैं एक-दो बात की बात नहीं कर रहा, बल्कि लगभग हर बात मंदारिन में होती थी।

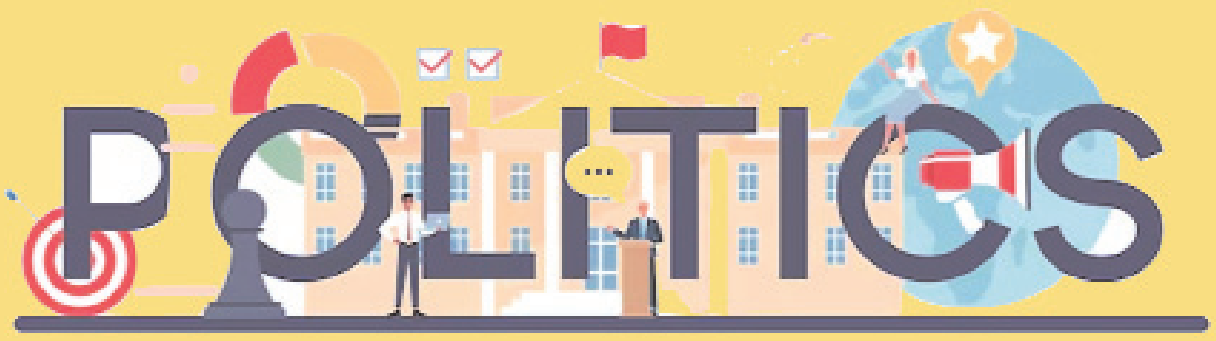

10 साल पुराने तिहरे हत्याकांड में 19 आरोपियों को उम्रकैद, परिवार को मिला न्याय

नबरंगपुर (एजेंसी)। ओडिशा के नबरंगपुर जिले में 2016 के चर्चित तिहरे हत्याकांड और आगजनी मामले में कोर्ट ने 19 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह मामला करीब 10 साल पुराना है, जिसने उस समय पूरे इलाके में सनसनी फैला दी थी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान हत्या, आपराधिक साजिश और सबूत मिटाने जैसे गंभीर आरोपों को साबित मानते हुए सभी दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। फैसले के बाद पीड़ित परिवार ने कोर्ट के फैसले का स्वागत किया और कहा कि उन्हें न्याय मिल गया। जानकारी के मुताबिक साल 2016 में गांव में हिंसक झड़प के दौरान तीन लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने के बाद इलाके में आगजनी भी की थी ताकि सबूत नष्ट कर सकें। पुलिस जांच में सामने आया था कि पुरानी रंजिश और अंधविश्वास इस घटना की मुख्य वजह थे। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा था। पुलिस ने जांच में कई लोगों को गिरफ्तार किया और बाद में उनके खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। मामले की सुनवाई लंबे समय तक चली, जिसमें अभियोजन पक्ष ने प्रत्यक्षदर्शियों और फोरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मजबूत दलीलें पेश कीं। कोर्ट ने माना कि दोषियों ने सुनियोजित तरीके से अपराध को अंजाम दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने आरोपों को खारिज करने की कोशिश की, लेकिन अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों को पर्याप्त माना। फैसले के दौरान कोर्ट परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, क्योंकि मामला काफी संवेदनशील था। कोर्ट के फैसले को राज्य में कानून व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रिया के लिहाज से अहम माना जा रहा है। लोगों का कहना है कि इतने सालों बाद आए इस फैसले से पीड़ित परिवार को राहत मिली है।

गढ़चिरौली के जंगल में छिपी हथियार फैक्ट्री मिली, आठ माओवादी गिरफ्तार

गढ़चिरौली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस ने जंगल में छिपाई माओवादियों की हथियार बनाने और स्टोर करने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। यह कार्रवाई 'ऑपरेशन अंतिम प्रहार' के तहत की गई, जो सरेंडर कर चुके माओवादियों से मिली जानकारी के आधार पर की गई। सर्च ऑपरेशन में पुलिस को लेथ मशीन, पाइप, जनरेटर, बैटरी, ड्रिलिंग मशीन, सोलर पैनल और विस्फोटक सामग्री बनाने के उपकरण मिले। सुरक्षा बलों ने मौके पर ही सभी सामान को नष्ट कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऑपरेशन के दौरान एके-47, इंसास, एसएलआर समेत 51 हथियार, भारी मात्रा में गोला-बारूद, डेटोनेटर और 65 लाख रुपए से ज्यादा नकदी बरामद हुई। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई के बाद जिले में वांटेड माओवादियों की सूची लगभग खत्म हो गई है। गढ़चिरौली पुलिस और सीआरपीएफ ने इस अभियान में आठ माओवादियों को गिरफ्तार किया और पांच सीनियर कैडर ने सरेंडर किया। गिरफ्तार लोगों में कई बड़े माओवादी नेता शामिल हैं।

कोलकाता एयरपोर्ट मस्जिद शिफ्टिंग पर निर्णायक मंथन तेज

- 136 साल पुरानी गौरीपुर जामा मस्जिद को हटाने या स्थानांतरित करने पर चर्चा जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बदलते राजनीतिक माहौल के बीच कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनैशनल एयरपोर्ट परिसर में स्थित 136 साल पुरानी गौरीपुर जामा मस्जिद को हटाने या स्थानांतरित करने का मामला फिर से गरमा गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी, जिला प्रशासन और मस्जिद कमेटी के बीच लगातार हो रही बैठकों के बाद बकरीद के बाद इस पर कोई बड़ा और निर्णायक फैसला आने की संभावना है। यह घटनाक्रम सिर्फ एक धार्मिक स्थल या हवाईअड्डे के विस्तार का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसे बंगाल की बदलती राजनीति का एक महत्वपूर्ण संकेत भी माना जा रहा है, जहां वर्षों से लंबित संवेदनशील मामलों को अब गति मिल रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह मस्जिद एयरपोर्ट की बाउंड्री वॉल से लगभग 150 मीटर अंदर और सेकेंडरी रनवे से मात्र 165 मीटर की दूरी पर स्थित है। इस निकटता के कारण सेकेंडरी रनवे का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है, जो हवाईअड्डे की सुरक्षा और परिचालन क्षमता के लिए एक चुनौती है। भाजपा लंबे समय से सुरक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को प्राथमिकता देती रही है और अब राज्य एवं केंद्र की सोच में तालमेल दिखने से ऐसे कई पुराने और विवादित प्रोजेक्ट्स को गति मिल सकती है।

तकनीकी खराबी के बाद प्रशिक्षण विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

अलीगढ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में रविवार सुबह एक बड़ा विमान हादसा टल गया, जब प्रशिक्षण उड़ान पर निकले एक विमान में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। स्थिति गंभीर होते देख पायलटों ने जलाली क्षेत्र के पास विमान की आपातकालीन लैंडिंग कराई। जानकारी के अनुसार धनीपुर एयरपोर्ट से पायनियर कंपनी का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर रवाना हुआ था। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान में तकनीकी समस्या आ गई। सुबह करीब 11 बजे पायलटों ने सूझबूझ और सतर्कता दिखाते हुए विमान को सुरक्षित नीचे उतार लिया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। राहत की बात यह रही कि विमान में सवार दोनों पायलट पूरी तरह सुरक्षित हैं।

बारामूला में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, आतंकी ठिकाने से भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने आतंकियों के एक छिपे ठिकाने का पर्दाफाश किया है। इसी के साथ ही बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया गया है। यह कार्रवाई निलसर कांडी इलाके में संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान की गई। आधिकारिक जानकारी के अनुसार बारामूला पुलिस, 52 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। तलाशी के दौरान सुरक्षाबलों को 14 राउंड ओजी-7वी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड अमुनिशन तथा 09 राउंड पीजी-7पी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड अमुनिशन बरामद हुए। सुरक्षा एजेंसियां बरामद सामग्री की जांच कर रही हैं।

कांग्रेस गांधीवादी मूल्यों के बजाय गालियों वाली पार्टी बन गई है: पूनावाला

-मुसलमान के साथ अन्याय वाले राहुल गांधी के बयान पर बीजेपी का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पार्टी के मुस्लिम नेताओं से बैठक में एक ऐसी बात कह दी, जिसे लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। उन्होंने मुस्लिम नेताओं को अपने समुदाय से जुड़े मुद्दों को मुखरता से उठाने और उनका प्रतिनिधित्व बढ़ाने की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी के अल्पसंख्यक विभाग की सलाहकार परिषद की बैठक में राहुल गांधी ने कहा, कि अगर किसी मुसलमान के साथ अन्याय होता है तो उन्हें केवल 'अल्पसंख्यक' समूह के सदस्य के रूप में नहीं, बल्कि विशेष रूप से एक 'मुसलमान' के रूप में अपनी आवाज उठानी चाहिए। इसी के साथ राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं के साथ बैठक में इस बात पर भी जोर दिया कि अगर दलितों, ओबीसी या सामान्य वर्ग के सदस्यों पर हमले होते हैं तो उस विशिष्ट

समुदाय की स्पष्ट रूप से पहचान करके इस मुद्दे को उठाया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने जिस तरह से मुसलमानों के संदर्भ अपनी बात रखी उस पर राजनीति गरमा गई। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी पर सीधा हमला बोला।

पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी के इस कमेंट से कांग्रेस और उनके नेता के माइंडसेट का पता चलता है। इससे ये भी साफ होता है कि कांग्रेस मुस्लिमों की पार्टी है। बीजेपी नेता ने कहा कि हिंदू को दो गाली, मुस्लिम की लो ताली, ये है वोट बैंक की कांग्रेस की प्रणाली। उन्होंने अपनी बात रखते हुए केरल के नए सीएम सतीशन का भी जिक्र किया। बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने आगे कहा कि कांग्रेस गांधीवादी मूल्यों के बजाय गालियों वाली पार्टी बन गई है। राहुल गांधी ने हाल ही में पीएम मोदी को गद्दार कहा था, जिसके बाद उनके करीबी सहयोगी अजय राय ने कथित तौर पर पीएम मोदी के खिलाफ गलत भाषा का इस्तेमाल किया। बाद में उन्होंने दावा किया कि ऐसा एआई या अन्य कारणों से हुआ था। उनके पिछले रिकॉर्ड को देखें, तो वह गलत भाषा से भरा हुआ है। ऐसा कहा जा रहा है कि कांग्रेस ने पीएम मोदी के खिलाफ 150 से ज्यादा गलत टिप्पणियां की हैं, क्योंकि वह ओबीसी और गरीब पृष्ठभूमि से आते हैं। इसी वजह से उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

भारत-ओमान सेना प्रशिक्षण से रणनीतिक रक्षा साझेदारी को मिलेगी और मजबूती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ओमान ने ओमान के सुल्तान के सशस्त्र बलों के कर्मियों के लिए दो भारतीय मोबाइल प्रशिक्षण टीमों द्वारा आयोजित एक विशेष सैन्य प्रशिक्षण पहल के जरिए अपनी बढ़ती रणनीतिक रक्षा साझेदारी को मजबूत किया। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच आयोजित इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नेतृत्व एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय के अधिकारियों ने भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के कर्मियों के साथ मिलकर किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य परिचालन समन्वय और संयुक्त रसद तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करना था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एकीकृत रक्षा स्टाफ के मुख्यालय ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा- भारत-ओमान रक्षा सहयोग को सुदृढ़ बनाना भारतीय रक्षा मुख्यालय और तीनों सेनाओं के अधिकारियों से युक्त दो भारतीय मोबाइल प्रशिक्षण दल ने ओमान के सुल्तान की सशस्त्र सेना के कर्मियों के लिए सफलतापूर्वक प्रशिक्षण आयोजित किया। ओमान की शाही सेना, शाही नौसेना, शाही वायु सेना और रक्षा मंत्रालय के करीब 110 अधिकारियों ने परिचालन और संयुक्त रसद प्रशिक्षण में भाग लिया, जिससे अंतर-संचालनीयता और भारत-ओमान रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ किया। यह घटनाक्रम विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा 18 मई को ओमान के विदेश मंत्री सैय्यद बदर बिन हमद अल बुसैदी से हुई टेलीफोन पर बातचीत के कुछ दिनों बाद सामने आया है। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया संकट से संबंधित हालिया घटनाक्रमों के साथ-साथ भारत और ओमान के बीच द्विपक्षीय सहयोग पर बात की थी।

केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़: 11 घंटे का लंबा इंतजार और दर्शन सिर्फ डेढ़-दो सेकंड के

देहरादून (एजेंसी)। चारधाम यात्रा के दौरान केदारनाथ धाम में इस समय रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भारी भीड़ के कारण भक्तों को दर्शन के लिए 10 से 11 घंटे तक लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ रहा है। कड़ाके की ठंड और भीड़ के दबाव के बीच श्रद्धालुओं को गर्भगृह में केवल डेढ़ से दो सेकंड तक ही रुकने का अवसर मिल पा रहा है।

जानकारी अनुसार हर दिन करीब 25 हजार से 30 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने से प्रशासन और मंदिर समिति के सामने व्यवस्थाएं संभालना बड़ी चुनौती बन गया है। भीड़ के चलते गुप्तकाशी से सोनप्रयाग तक 27 किलोमीटर के रास्ते पर लगातार जाम की स्थिति बनी हुई है। श्रद्धालुओं को यह दूरी तय करने में 5 से 6 घंटे तक का समय लग रहा है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने कई स्थानों पर बैरिकेडिंग और ट्रैफिक नियंत्रण व्यवस्था लागू की है, लेकिन यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ने से दबाव बना हुआ है।

दर्शन का समय बढ़ाकर 22 घंटे किया

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने मंदिर में दर्शन का समय बढ़ाकर लगभग 22 घंटे कर दिया है। भीड़ को व्यवस्थित करने

के लिए टोकन व्यवस्था भी लागू की गई है, हालांकि कई बार यात्रियों की अनियंत्रित संख्या के कारण यह व्यवस्था प्रभावी साबित नहीं हो पा रही है।

श्रद्धालुओं के लिए जरूरी सुझाव

श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर जाने से पहले उत्तराखंड पर्यटन विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अवश्य ही करवाएं। जो यात्री लंबी पैदल यात्रा या भीड़ से बचना चाहते हैं, वे आईआरसीटीसी की हेलीयात्रा सेवा के माध्यम से हेलीकॉप्टर टिकट बुक कर सकते हैं। इसी के साथ ही श्रद्धालु विशेष पूजा या वीआईपी दर्शन सुविधा का लाभ भी ले सकते हैं, जिससे लंबी कतारों से बचने में मदद मिल सकती है। मंदिर प्रशासन के अनुसार तड़के सुबह या दोपहर में कपाट बंद होने के बाद शाम के समय दर्शन के लिए अपेक्षाकृत कम भीड़ रहती है। ऐसे समय में श्रद्धालुओं को अधिक सुविधा मिल सकती है।

देश में बीजेपी के उभरने की असली वजह कांग्रेस की कमजोरियां हैं: उदयनिधि

- कांग्रेस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए, हमारे से उन्होंने धोखा किया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने कांग्रेस पर हमला बोला। यह विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस ने सीएम सी जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार को अपना समर्थन दिया। उदयनिधि ने पार्टी के एक कार्यक्रम में कहा कि डीएमके को कांग्रेस पर दोबारा कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके कार्यकर्ताओं की मेहनत और एमके स्टालिन के नेतृत्व की वजह से सीटें जीतने के बावजूद कांग्रेस नेताओं में बुनियादी अहसानमंदी और शिष्टाचार की कमी है।

उदयनिधि ने धोखा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के पांच विधायकों की जीत डीएमके कार्यकर्ताओं की वजह से हुई। जनता ने उन्हें इसलिए वोट दिया क्योंकि वे एमके स्टालिन को सीएम बनाना चाहते थे, लेकिन आज कुछ पदों के लालच में वे हमें बिना बताए ही भाग गए। हमें कांग्रेस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। तमिलनाडु की जनता बहुत जल्द उन्हें करारा जवाब देगी।

उन्होंने पूरे देश में बीजेपी के आगे बढ़ने के लिए भी कांग्रेस को ही जिम्मेदार ठहराया। उदयनिधि ने कहा कि पहले मुझे लगता था कि देश में बीजेपी की जीत की वजह पीएम मोदी और शाह हैं। लेकिन अब यह साफ हो गया है कि भारत में बीजेपी के उभरने की असली वजह कांग्रेस की कमजोरियां हैं। हमारे नेता एमके स्टालिन ने पिछले चुनावों में कांग्रेस को अपने कंधों पर उठाया था, लेकिन उन्होंने हमारे साथ धोखा किया। यह बयान डीएमके और कांग्रेस के बीच लगातार बढ़ रही कड़वाहट दिखाता है। डीएमके बैठक में कुछ प्रस्ताव भी पास किए गए, जिनमें कांग्रेस को पीठ में छुरा घोंपने वाला और सहयोगियों की मेहनत पर पलने वाला जोंक बताया गया। इसके साथ ही, उदयनिधि ने अपनी पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे नए और पहली बार वोट देने वाले युवाओं के बीच जाकर उन्हें राजनीति के प्रति जागरूक करें।

वहीं दूसरी ओर डीएमके अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दावा किया है कि टीवीके सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी। स्टालिन ने कहा कि उनके पास कुल 120 विधायकों का ही समर्थन है। अपनी संख्या बढ़ाने के लिए उन्होंने एआईएडीएमके को तोड़ने की कोशिश की लेकिन वे नाकाम रहे। उनकी हालत आज दीवार पर बैठी बिल्ली जैसी है। यह सरकार किसी भी दिन गिर जाएगी। एमके स्टालिन ने उन वामपंथी और अन्य क्षेत्रीय दलों की भी आलोचना की, जो पहले सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे थे लेकिन अब मंत्रिमंडल में शामिल हो गए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जैसे बच्चे कुछ ही दिनों में नए खिलौनों से ऊब जाते हैं, वैसे ही तमिलनाडु के लोग भी इस अभिनेता के शासन से ऊब जाएंगे। तब वे दोबारा हमारे पास वैसे ही लौटेंगे, जैसे बच्चे अपनी मां के पास लौटते हैं।

तमिलनाडु में 3246 बदमाश हिरासत में, 419 ड्रग तस्कर गिरफ्तार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु पुलिस ने 3246 बदमाशों को हिरासत में लिया और 419 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पिछले तीन दिनों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने 15,349 लोगों की जांच की। इनमें 12,650 हिस्ट्रीशीटर और 2,699 गैर-हिस्ट्रीशीटर शामिल थे। इनमें 844 लोगों को कई कानूनी धाराओं के तहत ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा गया। तमिलनाडु के सीएम पद की शपथ लेने के 48 घंटे के अंदर विजय ने चार बड़े फैसले लिए थे। इनमें तमिलनाडु के हर जिले में करीब 65 एंटी-ड्रग टास्क फोर्स बनाने का फैसला शामिल था। पुलिस महानिदेशक कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह अभियान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के निर्देश पर चलाया गया। तमिलनाडु सरकार के निर्देश पर पुलिस राज्य में शांति और लोगों की सुरक्षा बनाए रखने के लिए काम कर रही है। पुलिस बदमाशी, ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों के कारोबार पर सख्ती से कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएम विजय ने कैबिनेट में 8 दलित विधायकों को शामिल कर बनाया रिकॉर्ड

-यह तमिलनाडु की राजनीति में प्रतिनिधित्व पर आधारित नए युग की शुरुआत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में डीएमके को सत्ता से हटाकर टीवीके ने सबको हैरान कर दिया। थलपति विजय ने जब से सीएम पद की शपथ ली, तब से वह लगातार चर्चा में हैं। अब उनके कैबिनेट विस्तार की चर्चा हो रही है। यह चर्चा है कैबिनेट में अनुसूचित जाति के मंत्रियों की संख्या को लेकर है। तमिलनाडु के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी कैबिनेट है। यह बढ़ोतरी, विजय के कार्यकाल के पहले साल में उनके बढ़ते जनादेश को दर्शाती है। इसके साथ ही कैबिनेट में सबसे ज्यादा एससी मंत्रियों को शामिल करने का एक और रिकॉर्ड दर्ज हुआ है।

थलपति विजय की कैबिनेट में अनुसूचित जाति के 8 विधायक शामिल हैं। विजय की कैबिनेट को ऐतिहासिक कहा जा रहा है। सरकार के दृष्टिकोण से 23 नए मंत्रियों को शामिल करना, सामाजिक समावेश और संतुलित प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में उठाया गया एक कदम है। जानकारों का मानना है कि तमिलनाडु की पिछली कैबिनेट की तुलना में यह एक बड़ा बदलाव है, खासकर जब अनुसूचित जाति के प्रतिनिधित्व की बात आती है।

कैबिनेट का हालिया विस्तार जाति संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, सहयोगी दलों को जगह देने और युवा प्रतिभाओं को शामिल करने का एक बेहतरीन मेल है। सीएम विजय समेत 35 सदस्यों तक पहुंचने के साथ, मंत्रिपरिषद की संख्या में अब बढ़ोतरी हुई है।

विजय की कैबिनेट में शामिल 8 अनुसूचित जाति के विधायक हैं जिनमें एस कमाली, वी गांधीराज, पी मथन राजा, डी लोगेश तमिलसेल्वन, के थेन्नारासु, पी विश्वनाथन, ए राजमोहन, वन्नी अरसु इनमें अनुभवी विधायकों के साथ-साथ राजनीति में अपेक्षाकृत नए चेहरे भी शामिल हैं, और यह महत्वपूर्ण मंत्रालयों में एससी प्रतिनिधित्व के लिए एक अच्छा संकेत है। 22 मई को मंत्रियों को शामिल करने के बीच ए एम शाहजहां (आईयूएमएल) और वन्नी अरसु (वीसीके) ने चेन्नई के राजभवन में मंत्री पद की शपथ ली। पापनासम सीट से आने वाले शाहजहां को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सौंपा गया है। वे एक समाज सेवक और एक चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भी हैं। वे लंबे समय से तंजावुर में शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

विजय कैबिनेट के गठन में कांग्रेस, आईयूएमएल और वीसीके नेताओं के अलावा एससी नेताओं का चयन, सहयोगी दलों और सामाजिक पहुंच के ज़रिए राजनीतिक एकीकरण का एक संकेत है। चार सहयोगी दलों की भागीदारी के साथ, सरकार एक व्यापक मोर्चा बनाने का प्रयास कर रही है। यह फेरबदल महज प्रशासनिक नहीं है। यह तमिलनाडु की राजनीति में प्रतिनिधित्व पर आधारित एक नए युग की ओर इशारा करता है। शासन-प्रशासन में एससी और हाशिए पर पड़े समुदायों को अब और ज्यादा प्रतिनिधित्व और पहचान मिलेगी।

बीजेपी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई टीम के गठन की कवायद तेज

-यूपी समेत कई राज्यों की टीम व अध्यक्षों को लेकर जल्द हो सकता है फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई टीम के गठन की कवायद तेज हो गई है। संगठन से सीधे जुड़े पदों के लिए पार्टी के बड़े नेताओं और आरएसएस के नेताओं के बीच संवाद हो रहा है। संकेत मिले हैं कि केंद्रीय टीम के साथ उत्तर प्रदेश व अन्य कुछ राज्यों की टीम व कुछ प्रदेशों के अध्यक्षों को लेकर भी जल्द फैसला हो सकता है। अगले माह से पार्टी आने वाले चुनावों को लेकर तैयारी भी शुरू कर देगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने इस साल 20 जनवरी को अपना कार्यभार संभाला था। तब से अब चार माह हो चुके है, लेकिन नए केंद्रीय पदाधिकारियों को लेकर इंतजार बना हुआ है। पांच राज्यों में विधानसभाओं चुनाव के चलते इसमें देरी हुई, लेकिन अब पार्टी जल्द इस काम को पूरा करना चाहती है, ताकि उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों के अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों को तेज किया जा सके। अभी उत्तर प्रदेश की टीम पर मुहर नहीं लगी है इसलिए वहां पर काफी उहापोह है।

प्रदेश बीजेपी की नई टीम का खाका लगभग तैयार हो चुका है। दिल्ली में इसे अंतिम रूप देने की कवायद चल रही है। माना जा रहा है कि जल्द इस पर फाइनल बैठक हो सकती है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन के दिल्ली से बाहर होने के चलते अंतिम मुहर नहीं लग सकी है। इसका ऐलान 25 मई के बाद हो सकता है। सबसे ज्यादा कश्मकश क्षेत्रीय अध्यक्षों को लेकर है। तमाम दावेदार भी दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। वहीं विधानसभा चुनाव में टिकट की दावेदारी करने वाले कुछ चेहरे प्रदेश टीम से बाहर हो सकते हैं। कुछ मौजूदा प्रदेश महामंत्रियों की भूमिका बदलना भी तय माना जा रहा है। बीजेपी के राज्य मुख्यालय पर इन दिनों सन्नाटा है। यूपी के भाजपाई दिल्ली की ओर टकटकी लगाए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर नई टीम के गठन की कवायद में जुटी है। कुछ पदाधिकारियों का टीम से बाहर होना तय माना जा रहा है। कुछ ऐसे चेहरे शामिल हैं जिन्हें या तो पार्टी चुनाव लड़ाने का मन बना रही है या फिर वे खुद टिकट के लिए ताल ठोंक रहे हैं। नितिन नबीन ने कहा है कि पार्टी की यात्रा सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा की है। पार्टी की यात्रा केवल एक राजनीतिक दल के विस्तार की कहानी नहीं है, यह राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक चेतना, सेवा, संघर्ष और अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के संकल्प की ऐतिहासिक यात्रा है। बीजेपी की शक्ति हमारी राष्ट्रवादी विचारधार और समर्पित कार्यकर्ता है। शनिवार को अपने जन्मदिन के मौके पर पटना में आयोजित प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए बीजेपी अध्यक्ष नबीन ने कहा कि 1951 में स्थापित भारतीय जनसंघ से लेकर बीजेपी तक की यात्रा संघ और कार्यकर्ताओं की तपस्या का परिणाम है।

मेलोडी महज टॉफी नहीं बल्कि चीन के लिए रचा गया चक्रव्यूह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया जब 'मेलोडी' (पीएम मोदी और जॉर्जिया मेलोनी) के मीम्स और सोशल मीडिया रील्स के शोर-शराबे में डूबी हुई थी, ठीक उसी वक्त पर्दे के पीछे एक बड़ा कूटनीतिक खेल खेला जा चुका था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इटली दौरे के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिन्होंने चीन की घेराबंदी पूरी तरह सेट कर दी है। इस पूरे घटनाक्रम से बीजिंग को बड़ा झटका लगा है, जिसकी शुरुआत कुछ समय पहले द ग्रेट इटली डिवोर्स से हुई थी। कुछ साल पहले इटली, चीन के महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव में शामिल होने वाला एकमात्र जी-7 देश बना था। हालांकि, जॉर्जिया मेलोनी ने सत्ता में आते ही चीन के इस कर्ज के जाल को पहचान लिया और इटली को आधिकारिक तौर पर इससे बाहर निकाल लिया। चीन को ठेंगा दिखाने के बाद इटली को एशिया में एक मजबूत और भरोसेमंद आर्थिक साझेदार की तलाश थी, जो चीन की जगह ले सके। यहीं पर न्यू इंडिया की एंट्री हुई। मोदी और मेलोनी की शानदार केमिस्ट्री दरअसल दुनिया को एक सीधा संदेश है कि इटली अब अपनी पूरी एशियाई रणनीति को बीजिंग से हटाकर नई दिल्ली पर शिफ्ट कर रहा है।

वैश्विक व्यापार के नक्शे पर नजर डालें तो भारत के लिए इटली की भौगोलिक स्थिति बेहद महत्वपूर्ण है। भारत जब अपना सामान, टेक्नोलॉजी और एनर्जी यूरोप के बाजारों में भेजना चाहता है, तो उसके लिए भूमध्य सागर ही सबसे मुख्य रास्ता है, जिसके केंद्र में इटली स्थित है। इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर के जरिए इटली खुद को भारतीय व्यापार के प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित कर रहा है। इटली के बंदरगाहों को भारत के मैन्युफैक्चरिंग बूम से जोड़कर दोनों देशों ने आने वाले 50 सालों की आर्थिक सुरक्षा का इंतजाम कर लिया है, जो चीन की ट्रेड दादागीरी को सीधी चुनौती है।

इसके अलावा, दशकों से तैयार हथियार खरीदने वाले भारत के साथ मेलोनी सरकार ने एक नया और स्मार्ट गेम शुरू किया है। इटली अब पीएम मोदी के मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत की जमीन पर ही एडवांस रडार सिस्टम और मैरीटाइम डिफेंस जैसे क्षेत्रों में डिफेंस इक्विपमेंट्स का सह-उत्पादन करेगा। सोशल मीडिया पर दिखने वाली क्यूट और मजेदार मेलोडी सेल्फी तो सिर्फ एक पैकेजिंग है। इसके पीछे की असली हकीकत यह है कि यूरोप में अपनी पैठ मजबूत करने के लिए भारत को इटली की जरूरत है और चीन को आर्थिक व रणनीतिक टक्कर देने के लिए इटली को भारत का साथ चाहिए। दोनों देशों ने मिलकर ड्रैगन के खिलाफ जो चक्रव्यूह रचा है, उसने बीजिंग की रातों की नींद उड़ा दी है।

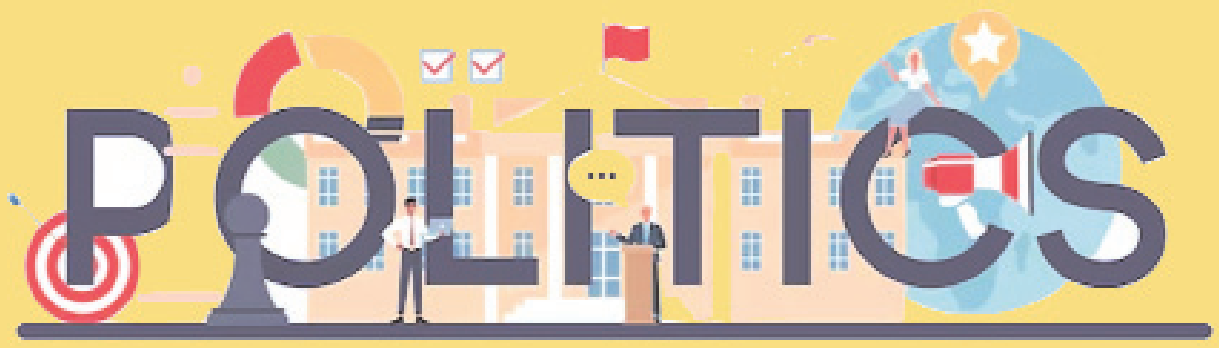

संक्षिप्त समाचार

कोलंबिया में जमीन विवाद बना खूनी संघर्ष, सात की मौत के बाद सेना तैनात

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के दक्षिण-पश्चिमी इलाके सिल्विया में दो आदिवासी समुदायों के बीच जमीन विवाद हिंसक हो गया। इस संघर्ष में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हालात बिगड़ने के बाद सरकार ने 500 से अधिक सैनिकों और हवाई सहायता को इलाके में तैनात किया है। संघर्ष मिसाक और नासा आदिवासी समूहों के बीच हुआ, जो एक ही जमीन पर अपना दावा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने भी मामले पर चिंता जताते हुए शांति बनाए रखने की अपील की है। इलाके में पूर्व फार्क विद्रोही गुटों समेत कई अवैध सशस्त्र संगठन सक्रिय हैं, जिससे तनाव और बढ़ गया है।

तुर्किये की विपक्षी पार्टी में बढ़ा सत्ता संघर्ष, अदालत के फैसले से सियासत गरमाई

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये की मुख्य विपक्षी पार्टी सीएचपी में नेतृत्व संकट गहरा गया है। अंकारा की अपील अदालत ने 2023 में हुए पार्टी सम्मेलन को रद्द कर दिया, जिसमें ओजेल को नया अध्यक्ष चुना गया था। अदालत के फैसले के बाद पूर्व अध्यक्ष कीमेल को अंतरिम रूप से फिर जिम्मेदारी दी गई है। विपक्ष ने इस फैसले को राजनीतिक साजिश बताया है। दूसरी ओर तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोआन की सरकार का कहना है कि अदालत स्वतंत्र रूप से काम कर रही है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब इस्तांबुल के मेयर और एर्दोआन के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी एक्रेम पहले से भ्रष्टाचार मामले में जेल में हैं।

गलत तरीके से निर्वासित व्यक्ति को कोर्ट से राहत, मानव तस्करी का मामला खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने किल्मार अब्रेगो गार्सिया के खिलाफ मानव तस्करी से जुड़े आरोपों को खारिज कर दिया है। गार्सिया का मामला तब चर्चा में आया था जब उन्हें गलती से अल सल्वाडोर निर्वासित कर दिया गया था। अदालत ने माना कि उनके खिलाफ यह नई कार्रवाई 'प्रतिशोधात्मक' हो सकती है। जज क्रेनशॉ ने कहा कि अगर गार्सिया ने अपने निर्वासन को चुनौती देने वाला मुकदमा नहीं जीता होता तो सरकार उनके खिलाफ यह मामला नहीं लाती। गार्सिया पर आरोप था कि वह अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लोगों को वाहन से ले जाने के बदले पैसे लेते थे। हालांकि 2022 में ट्रैफिक जांच के दौरान पुलिस ने उन्हें केवल चेतावनी देकर छोड़ दिया था। ट्रंप प्रशासन अब भी उन्हें किसी तीसरे देश भेजने की तैयारी में है।

चीन की कोयला खदान में धमाका

बीजिंग, एजेंसी। चीन के उत्तरी शांक्सी प्रांत में एक कोयला खदान में हुए गैस विस्फोट में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 38 मजदूर अब भी भूमिगत फंसे हुए हैं। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार यह हादसा शुक्रवार शाम चांगझी शहर स्थित लियुशेनयू कोयला खदान में हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक हादसे के समय खदान में करीब 247 मजदूर मौजूद थे, जिनमें से 201 को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। विस्फोट के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने लापता मजदूरों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने हादसे की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। शांक्सी प्रांत चीन का प्रमुख कोयला उत्पादन क्षेत्र माना जाता है। पिछले साल यहां करीब 1.3 अरब टन कोयले का उत्पादन हुआ था, जो चीन के कुल उत्पादन का लगभग एक-तिहाई है।

आरोन लुकास बनेंगे अमेरिका के नए कार्यवाहक खुफिया प्रमुख

वॉशिंगटन, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी खुफिया जिम्मेदारी में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। इस अहम बदलाव की घोषणा खुद देश के शीर्ष नेता ने की है। बता दें कि ट्रंप मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति हैं। उन्होंने देश की खुफिया एजेंसियों के नेतृत्व को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण जानकारी पूरी दुनिया के साथ साझा की है और नए अधिकारी के नाम का भी ऐलान कर दिया है। अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस की निदेशक तुलसी गबार्ड अपने पद से इस्तीफा देने जा रही हैं। वह आने वाली 30 जून को अपना पद पूरी तरह छोड़ देंगी। यह फैसला उन्होंने किसी राजनीतिक कारण से नहीं, बल्कि एक दुखद पारिवारिक स्थिति की वजह से लिया है। उनके पति इब्राहिम को हाल ही में हड्डियों के कैंसर (बोन कैंसर) जैसी दुर्लभ और गंभीर बीमारी का पता चला है। ऐसे मुश्किल समय में अपने पति का साथ देने और उनके इलाज में मदद करने के लिए गबार्ड ने यह बड़ा पद छोड़ने का मन बनाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी अपना इस्तीफा साझा करते हुए कहा कि इस कठिन समय में पति के साथ रहना ही उनके लिए सबसे जरूरी है।

तुलसी गबार्ड ने डोनाल्ड ट्रंप कैबिनेट से इस्तीफा दिया, अचानक लिया फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। तुलसी गबार्ड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रीय खुफिया निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया है। यह जानकारी फॉक्स न्यूज डिजिटल की एक रिपोर्ट में दी गई है, जिसमें उनके इस्तीफे के पत्र का हवाला दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, गबार्ड ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में हुई बैठक के दौरान ट्रंप को अपने पद छोड़ने के फैसले की जानकारी दी। गबार्ड का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है जो 30 जून से प्रभावी होगा।

तुलसी गबार्ड ने अपने इस्तीफे के पत्र में डोनाल्ड ट्रंप को संबोधित करते हुए कहा कि वह उनकी ओर से जताए गए भरोसे और पिछले डेढ़ साल तक राष्ट्रीय खुफिया कार्यालय का नेतृत्व करने के अवसर के लिए आभारी हैं। फॉक्स न्यूज डिजिटल की रिपोर्ट के मुताबिक, गबार्ड ने इस्तीफे की वजह अपने पति को हाल ही में हुई हड्डियों के कैंसर की दुर्लभ बीमारी का पता चलना बताया है।

तुलसी गबार्ड ने अपने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए पोस्ट में लिखा, 'मैंने इस्तीफा दिया है जो 30 जून 2026 से प्रभावी होगा। मेरे पति अब्राहम का हाल ही में हड्डी के कैंसर का बेहद दुर्लभ डायग्नोसिस हुआ है। आने वाले हफ्तों और महीनों में उनके सामने बहुत बड़ी चुनौतियां हैं। इस समय मुझे सार्वजनिक सेवा से अलग होकर उनके

साथ रहना है और इस लड़ाई में उन्हें पूरा सहयोग देना है।

तुलसी गबार्ड के इस्तीफे पर क्या बोले ट्रंप : वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तुलसी गबार्ड के इस्तीफे पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'दुर्भाग्य से, शानदार काम करने के बाद तुलसी गबार्ड 30 जून को प्रशासन छोड़ रही हैं। उनके प्यारे पति अब्राहम को हाल ही में हड्डी के कैंसर का दुर्लभ डायग्नोसिस हुआ है। वे सही मायने में उनके साथ रहना चाहती हैं ताकि उन्हें अच्छा स्वास्थ्य वापस दिला सकें। वे इस कठिन लड़ाई को साथ मिलकर लड़ रहे हैं। मुझे कोई शक नहीं है कि वह जल्द ही पहले से भी बेहतर हो जाएंगे।' उन्होंने कहा कि तुलसी ने अद्भुत काम किया है और हम उन्हें बहुत मिस करेंगे। उनके बेहद सम्मानित प्रिंसिपल डिप्टी डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस, एरॉन लुकास अब एक्टिंग डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस के रूप में कार्य करेंगे।

तुलसी गबार्ड के बारे में जानिए : तुलसी गबार्ड का जन्म 12 अप्रैल 1981 को अमेरिकन समोआ में हुआ था। उन्होंने हवाई से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में चार बार सांसद के रूप में काम किया। बाद में उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ दी और 2024 के अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया। इसके बाद उन्हें 2025 में अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक बनाया गया। तुलसी गबार्ड का भारत से सीधा पारिवारिक संबंध नहीं है, क्योंकि वे भारतीय मूल की नहीं हैं। हालांकि उनका हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति से गहरा जुड़ाव है। उनकी मां हिंदू धर्म से प्रभावित थीं और उन्होंने अपने सभी बच्चों को संस्कृत नाम दिए। तुलसी नाम हिंदू धर्म में पवित्र पौधे से जुड़ा है।

भगवद गीता और वैष्णव परंपरा से प्रभावित : तुलसी गबार्ड बचपन से ही भगवद गीता और वैष्णव परंपरा से प्रभावित रही हैं। वे अमेरिकी कांग्रेस में चुनी जाने वाली पहली हिंदू-अमेरिकी महिला बनीं और उन्होंने शपथ भी भगवद गीता पर ली थी। भारत के साथ उनके रिश्ते राजनीतिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर मजबूत रहे हैं। उन्होंने कई बार भारत का दौरा किया और भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने की वकालत की। 2014 में उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भगवद गीता की प्रति भेंट की थी। वे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के समर्थन में भी खुलकर सामने आई थीं। मार्च 2025 में उन्होंने भारत का दौरा कर आतंकवाद और सुरक्षा सहयोग पर भारतीय अधिकारियों से चर्चा की थी। हिंदू पहचान और भारत के प्रति सकारात्मक रुख के कारण भारत में भी उनकी काफी चर्चा होती रही है।

सेलिब्रिटी बना 700 किलो का 'डोनाल्ड ट्रंप' भैंसा, सेल्फी की मची होड़!

ढाका, एजेंसी। ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मौके पर बांग्लादेश में एक बेहद दुर्लभ 'एल्बिनो' (सफेद) भैंसा सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे सुनहरे बालों वाले इस 700 किलो के भैंसे को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। नेटिजंस के बीच भी इस अनोखे भैंसे के वीडियो और तस्वीरें तेजी से शेयर की जा रही हैं, क्योंकि आमतौर पर भारत और उपमहाद्वीप में काले रंग के ही भैंसे पाए जाते हैं। ऐसे में इस दुर्लभ प्रजाति को देखना पशुपालकों और आम जनता के लिए भी कौतूहल का विषय बन गया है। हालांकि कुछ ही दिनों में इस भैंसे की गर्दन कटने वाली है।

'डोनाल्ड ट्रंप' नाम और खास लुक का राज : राजधानी ढाका के पास नारायणगंज जिले के एक फार्म में पले इस भैंसे का लुक काफी अनोखा है। इसका शरीर क्रीम रंग का है और नाक गुलाबी है। सबसे खास बात इसके माथे पर मौजूद सुनहरे बालों का गुच्छा है, जो बिल्कुल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेडमार्क हेयरस्टाइल जैसा दिखता है। इसी समानता के कारण फार्म मालिक के परिवार ने इसका नाम ही 'डोनाल्ड ट्रंप' रख दिया। इसकी एक झलक पाने और इसके साथ सेल्फी लेने के लिए दूर-दूर के जिलों से लोग फार्म पर पहुंच रहे हैं।

शांत स्वभाव और वीआईपी केयर : आमतौर पर भैंसे अपने गुस्सैल स्वभाव के लिए जाने जाते हैं,

लेकिन यह एल्बिनो भैंसा इसके बिल्कुल उलट है। फार्म मालिक के मुताबिक, यह जानवरों की एक बेहद शांत प्रजाति है। 'इसका रूप भले ही चौंकाने वाला हो, लेकिन यह स्वभाव से बहुत शांत है। यह एक एल्बिनो भैंसा है और इस तरह के जानवर तब तक उग्र नहीं होते जब तक उन्हें उकसाया या परेशान न किया जाए।' ईद के त्योहार से पहले इसे पूरी तरह स्वस्थ रखने के लिए इसकी खास देखभाल की गई। इसे दिन में चार बार नहलाया जाता था और चार बार विशेष चारा दिया जाता था। फिलहाल इस भैंसे को कुर्बानी के लिए एक ग्राहक को सौंप दिया गया है। बता दें कि बकरीद यानी ईद-उल-अजहा 28 मई, गुरुवार के दिन मनाई जाएगी। इसी दिन इस भैंसे की कुर्बानी होगी। मुस्लिम बहुल देश बांग्लादेश में पिछले कुछ सालों से ईद-उल-अजहा के दौरान एक नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है। विशालकाय जानवरों की मांगः लोग सामान्य से कहीं ज्यादा वजन और ऊंचाई वाले जानवरों को खरीदना पसंद करते हैं। सेलिब्रिटी के नामः खरीदारों को आकर्षित करने और मार्केटिंग के लिए जानवरों के नाम मशहूर राजनेताओं, खिलाड़ियों या फिल्मी सितारों पर रखे जाते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका की हत्या की कोशिश नाकाम, आईआरजीसी ने रची थी साजिश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप को लेकर एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आ रही है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) द्वारा प्रशिक्षित एक आतंकवादी ने उनकी हत्या की कोशिश की थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में पकड़े गए मोहम्मद बाकिर साद दाऊद अल-सादी ने इवांका ट्रंप की हत्या करने की कमस खाई थई। उसके पास उनके फ्लोरिडा स्थित घर का नक्शा भी मिला है। यह साजिश छह साल पहले बगदाद में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए ईरानी सैन्य प्रमुख कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने के लिए रची गई थी।

इराकी नागरिक अल-सादी को सुलेमानी की मौत का गहरा सदमा था और वह उसे अपने पिता समान मानता था। वाशिंगटन में इराकी दूतावास के पूर्व उप सैन्य अताशे इंतिफाद कनबर ने बताया, 'कासिम की मौत के बाद अल-सादी लोगों से कहता फिरता था कि हमें इवांका को मारना होगा ताकि ट्रंप के घर को वैसे ही जलाया जा सके जैसे उसने हमारे घर को जलाया था।' अल-सादी ने एक्स फ्लोरिडा के उस इलाके का नक्शा भी पोस्ट किया था जहां इवांका और उनके पति जैरेड कुशनर का 24 मिलियन डॉलर का घर है। अरबी में लिखी अपनी पोस्ट में उसने धमकी देते हुए लिखा, ''अमेरिकियों इस तस्वीर को देखो और जान लो कि न तुम्हारे महल और न ही सीक्रेट सर्विस तुम्हें बचा पाएगी। हमारा बदला बस समय की बात है।' अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, अल-सादी को 15 मई 2026 को तुर्की में उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह रूस जाने की फिराक में था। उसे अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया है, जहां उस पर यूरोप और अमेरिका में 18 हमलों और हमलों की कोशिशों के आरोप हैं। जांच में पता चला है कि गिरफ्तारी के समय अल-सादी के पास इराक का सर्विस पासपोर्ट था। यह एक विशेष यात्रा दस्तावेज है जो केवल इराक के प्रधानमंत्री की सहमति से सरकारी कर्मचारियों को जारी किया जाता है। इस पासपोर्ट की मदद से उसे हवाई अड्डों पर वीआईपी लाउंज और सुरक्षा जांच में छूट मिलती थी, जिससे वह आसानी से उन देशों के वीजा हासिल कर लेता था जहां उसने हमलों की योजना बनाई थी।

क्यूबा पर अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने किया बड़ा दावा, बोले- जल्द ही आजाद होगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि क्यूबा जल्द ही साम्यवाद के चंगुल से आजाद हो जाएगा। अमेरिकी सांसदों और क्यूबा के अधिकारियों के बीच बढ़ते वार-पलटवार के बीच यह टिप्पणी सामने आई है। सीनेटर ग्राहम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'मेरा मानना है कि क्यूबा के अद्भुत लोगों की साम्यवाद के चंगुल से मुक्ति बहुत करीब है। क्यूबा लिबरे। अमेरिकी प्रतिनिधि कार्लोस ए. जिमेनेज ने भी क्यूबा में राजनीतिक बदलाव का समर्थन करते हुए कहा, 'क्यूबा जल्द ही स्वतंत्र होगा। यह अनगिनत लोगों के प्रयासों से संभव होगा, जो क्यूबा के अंदर और बाहर दोनों जगह मौजूद हैं। अी बहुत देर नहीं हुई है। क्यूबा का अमेरिका पर आरोप वहीं, क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनल ने अमेरिका की आलोचना की है। उन्होंने वॉशिंगटन के अधिकारियों पर क्यूबा के प्रति शत्रुता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। राष्ट्रपति ने कहा, 'क्यूबा का अमेरिका के लिए खतरा होना केवल कुछ अमेरिकी अधिकारियों के बीमार दिमाग में ही संभव है, जिन्होंने हमारे द्वीप के प्रति नीति का अपहरण कर लिया है। वे इस राष्ट्र के लोगों और दुनिया को बेशर्मी से झूठ बोलकर एक नए अकारण युद्ध को उचित ठहराते हैं, जिसमें दोनों देशों के लिए मानवीय जीवन का उच्च जोखिम है।'

सामूहिक विरोध प्रदर्शन : क्यूबा के राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि 250,000 से अधिक क्यूबा के नागरिक सेना जनरल राउल कास्त्रो रूज पर कथित आरोप की निंदा करने के लिए एकत्र हुए थे। 'एक्स' पर एक पोस्ट में कार्यालय ने कहा, 'क्रांति के नेता, क्यूबा क्रांति के जनरल राउल कास्त्रो रूज पर कथित आरोप की निंदा करने के लिए आज सुबह ऐतिहासिक एंटी-इंपीरियलिस्ट ट्रिब्यून पर 250,000 से अधिक क्यूबावासी एकत्र हुए। उनके साथ राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनल बर्मुडेज भी थे।

लोकतंत्र समर्थक नेता से मुलाकात : वेटिकन में अमेरिकी दूतावास के ब्रायन बर्च ने क्यूबा के लोकतंत्र समर्थक नेता जोस डैनियल फेरर से मुलाकात की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'क्यूबा के लोकतंत्र समर्थक नेता जोस डैनियल फेरर से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जिन्होंने क्यूबा शासन की दमनकारी प्रकृति को प्रत्यक्ष रूप से झेला है। फेरर को बुनियादी स्वतंत्रता की मांग करने के कारण निर्वासन में जाने के लिए मजबूर किया गया था।'

ट्रंप ने की थी मानवीय सहायता की पेशकश : इससे पहले गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका क्यूबा की चल रही आर्थिक और बिजली संकट के बीच मानवीय आधार पर सहायता करना चाहता है। पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने इस अटकलों को खारिज कर दिया कि क्षेत्र के पास विमानवाहक पोत यूएसएस निमित्ज की तैनाती का उद्देश्य क्यूबा सरकार को डराना था।

उन्होंने कहा, 'नहीं, बिल्कुल नहीं। क्यूबा एक विफल देश है। हर कोई यह जानता है। उनके पास बिजली नहीं है, उनके पास पैसा नहीं है, उनके पास वास्तव में कुछ भी नहीं है। उनके पास भोजन नहीं है। और हम उनकी मदद करेंगे। मैं सबसे पहले, मानवीय आधार पर उनकी मदद करना चाहता हूं।

शांति वार्ता बेपटरी: अराघची बोले-अमेरिका की अत्यधिक मांगें बनीं रोड़ा, ईरान पर हमले को तैयार ट्रंप सेना?

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा कूटनीतिक गतिरोध अब एक बेहद संवेदनशील और गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। तेहरान ने वाशिंगटन पर शांति प्रयासों को पूरी तरह नाकाम करने का आरोप लगाया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ फोन पर सीधी और विस्तृत बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने दोटूक लहजे में कहा कि अमेरिका की अत्यधिक मांगें ही जारी शांति वार्ताओं और युद्धविराम समझौते के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़ी हैं।

कूटनीति और समझौतों को तोड़ने का आरोप : विदेशी मीडिया रिपोर्ट अल जजीरा के हवाले से सामने आई इस खबर के मुताबिक, विदेश मंत्री अराघची ने बातचीत के दौरान अमेरिका की नीयत पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका ने लगातार अपने वादों को तोड़कर, विरोधाभासी रुख अपनाकर और सैन्य आक्रामकता दिखाकर कूटनीतिक प्रयासों को हमेशा कमजोर किया है। अराघची ने कहा कि इन तमाम विपरीत परिस्थितियों और अमेरिकी दबाव की राजनीति के बावजूद तेहरान लगातार युद्धविराम वार्ताओं में सकारात्मक रूप से शामिल है और बातचीत के जरिए समाधान का रास्ता तलाश रहा है। अराघची ने यह भी कहा कि एक तरफ सैन्य हमलों की धमकियां और दूसरी तरफ शांति का ढोंग, अमेरिका की यह विरोधाभासी और दबाव की राजनीति अब नहीं चलेगी। ईरान अपनी संप्रभुता की कीमत पर अमेरिका के आगे कभी घुटने नहीं टेकेगा।

व्हाइट हाउस में हलचल और सैन्य हमलों की आहट : इस बीच सुरक्षा के मोर्चे पर एक बेहद सनसनीखेज और परेशान करने वाली खबर सामने आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन ईरान के खिलाफ नए सिरे से सैन्य हमले करने की गंभीर योजना बना रहा है। अमेरिकी खुफिया सूत्रों के हवाले से 'सीबीएस न्यूज' ने दावा किया है कि शुक्रवार को अमेरिकी प्रशासन ईरान पर हमलों के एक नए दौर की रणनीतिक तैयारियों में जुटा था। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि इन हमलों को लेकर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। इस संभावित सैन्य कार्रवाई की खबर मिलते ही अमेरिकी सेना और खुफिया समुदाय के कई बड़े अधिकारियों ने अपने 'मेमोरियल डे वीकेंड' की छुट्टियां और प्लान तक रद्द कर दिए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी न्यू जर्सी में अपने गोल्फ रिसॉर्ट पर वीकेंड बिताने और अपने बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की शादी में शामिल होने का कार्यक्रम रद्द कर दिया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की और कहा कि देशहित और सरकार से जुड़ी महत्वपूर्ण परिस्थितियों के कारण उनका इस समय व्हाइट हाउस में उपस्थित रहना बेहद जरूरी है। दूसरी ओर, संयुक्त राष्ट्र के सूत्रों के मुताबिक महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस पूरे घटनाक्रम पर गहरी चिंता व्यक्त की है। गुटेरेस ने स्पष्ट शब्दों में किसी भी देश की संप्रभुता के खिलाफ बल प्रयोग या सैन्य कार्रवाई के विचार को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

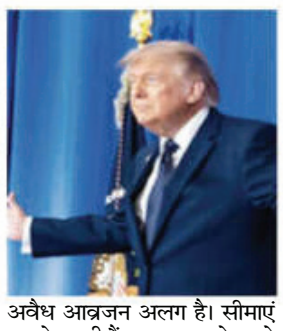

डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध इमिग्रेशन को हिंसक अपराध से जोड़ा, शरणार्थी शहर नीतियों की आलोचना की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क के उपनगरीय इलाके में एक रैली के दौरान शरण देने वाले शहरों की नीतियों और अवैध आप्रवासन (इमिग्रेशन) की कड़ी आलोचना की। इसके साथ ही उन्होंने रिपब्लिकन नेताओं का समर्थन किया और अपने प्रशासन के आर्थिक एजेंडे पर भी प्रकाश डाला। शुक्रवार को रॉकलैंड कम्युनिटी कॉलेज के यूजीन लेवी फील्डहाउस में बोलते हुए ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर उच्च करों और अपराध के जरिए व्यवसायों और करदाताओं को न्यूयॉर्क से बाहर धकेलने का आरोप लगाया। ट्रंप ने समर्थकों से कहा, 'कंपनियां जा रही हैं, अमीर लोग जा रहे हैं। अगर न्यूयॉर्क अपना टैक्स आधार खोता रहेगा तो वह कभी पहले जैसा नहीं रह पाएगा। राष्ट्रपति ने शरण देने वाले शहरों की नीतियों की बार-बार आलोचना की और अवैध आप्रवासन को हिंसक अपराध से जोड़ा। उन्होंने इस साल की शुरुआत में शिकागो में मारे गए न्यूयॉर्क के 18 वर्षीय कॉलेज छात्रा शेरिडन गोरमन के परिवार को मंच पर आमंत्रित किया। छात्रा की मां जेसिका गोरमन ने कहा, 'मेरी प्यारी बेटी शेरिडन ग्रेस गोरमन की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जब वह शिकागो में अपने दोस्तों के साथ अपने कैंपस से कुछ ही ब्लॉक दूर एक घाट पर टहल रही थी। शेरिडन के पिता टॉम गोरमन ने इस हत्या के लिए आव्रजन संबंधी विफलताओं और शरण कानूनों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, 'अवैध आव्रजन अलग है। आपराधिक

अवैध आव्रजन अलग है। सीमाएं मायने रखती हैं, कानून मायने रखते हैं और प्रवर्तन मायने रखता है। ट्रंप ने संदिग्ध को 'एक अवैध अप्रवासी राक्षस' बताया और कहा कि उसे इस देश में कभी नहीं होना चाहिए था। ट्रंप ने कहा, 'न्यूयॉर्क राज्य ने ऐसा बजट पारित किया है, जिसमें संघीय आव्रजन प्रवर्तन में बाधा डालने और इसे एक घातक शरण राज्य बनाए रखने के प्रावधान शामिल हैं।' राष्ट्रपति ने 'सेव अमेरिका एक्ट' के लिए अपने अभियान को दोहराया और मतदाता पहचान पत्र, नागरिकता प्रमाण तथा डाक के जरिए मतदान पर सख्त प्रतिबंध लगाने की मांग की। ट्रंप ने कहा, 'जरा सोचिए, मतदाता पहचान पत्र, नागरिकता प्रमाण और डाक द्वारा मतपत्र भेजना लगभग खत्म हो गया है, सिवाय उन परिस्थितियों के जब इसकी वास्तव में जरूरत हो। रैली में आव्रजन, टैक्स और अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दों पर चर्चा होती रही। ट्रंप ने लॉमेकर माइक लॉलर की राज्य और स्थानीय कर छूट (एसएएलटी) को बहाल करने में मदद करने के लिए प्रशंसा की।

यूएन सुरक्षा परिषद का विस्तार किया जाना परम आवश्यक है – महासचिव

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने कहा है कि दंडहीनता की गारंटी के लिए सुरक्षा परिषद में अपने वीटो अधिकार का इस्तेमाल करने वाली 'महाशक्तियों' को रोकने के लिए यह ज़रूरी है कि परिषद का विस्तार हो ताकि उसे वर्तमान दौर की वास्तविकताओं के अनुरूप आकार दिया जाए सके. यूएन प्रमुख एंतोनियो गुटेरेश, जापान और यूएन के बीच पारस्परिक सहयोग के 70 वर्ष पूरे होने के सिलसिले में जापान की अपनी आधिकारिक यात्रा के अन्तिम पड़ाव में हैं, जहाँ उन्होंने एक पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए यह बात कही.

महासचिव गुटेरेश ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत अन्तरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधारों की लम्बित मांग को फिर से दोहराया. उनके अनुसार, वैश्विक स्तर पर समस्याओं के हल ढूंढने का मौजूदा तंत्र, विशेष रूप से सुरक्षा परिषद व अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ, उतने कारगर नहीं हैं, जितना कि इस चुनौतीपूर्ण क्षण में उन्हें होना चाहिए.यूएन प्रमुख ने ज़ोर देकर कहा कि जिस सुधार की इस समय सबसे अधिक आवश्यकता है, वह यूएन सुरक्षा परिषद का सुधार है.वैधता की समस्या15 सदस्य देशों वाली यूएन सुरक्षा परिषद में 5 स्थाई सदस्य हैंः चीन, फ़्राँस, ब्रिटेन, रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका, जिनके पास वीटो अधिकार भी हैं. वहीं, 10 अस्थाई सदस्य देशों को दो वर्ष की अवधि के लिए निर्वाचित किया जाता है.

महासचिव गुटेरेश ने सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाने की पैरवी करते हुए कहा कि परिषद में केवल एक एशियाई देश को शामिल किया गया है, जबकि उस महाद्वीप पर दुनिया की लगभग 50 फ़ीसदी आबादी बसी है. इसके अलावा, किसी भी अफ़्रीकी या लातिन अमेरिकी देश को सुरक्षा परिषद में प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है. 'यह वैधता और कारगर न हो पाने की

एक गम्भीर समस्या है, और यह परम-आवश्यक है कि स्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाए, और अस्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाना भी, ताकि सुरक्षा परिषद को वर्तमान विश्व की वास्तविकताओं के अनुरूप तैयार किया जा सके. 'उन्होंने एक ऐसी बहुपक्षवादी प्रणाली पर बल दिया, जोकि पहले से कहीं अधिक न्यायसंगत हो, अन्तरराष्ट्रीय क़ानून की बेहतर ढंग से रक्षा करने में सक्षम हो, और देशों की जवाबदेही तय कर सके.यूएन प्रमुख ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र, शान्ति, सतत विकास व मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए एक अति-आवश्यक, अपने आप में अनूठा बैठक स्थल है, लेकिन यह उतना ही मज़बूत हो सकता है, जितना सदस्य देश इसके लिए प्रतिबद्ध हों.बुरे उदाहरणों से बचना होगायूएन महासचिव से सवाल किया गया कि क्या संयुक्त राष्ट्र जैसी अन्तरराष्ट्रीय संस्थाएँ, हिंसक टकराव की रोकथाम कर सकती हैं या नहीं.उन्होंने जवाब में कहा कि यह बहुपक्षवाद नहीं है, जोकि संकट में है. उन्होंने 'अन्तरराष्ट्रीय क़ानून का उल्लंघन करने वाली महाशक्तियों के बर्ताव का उल्लेख किया, जो कभी-कभी अपने आप हिंसक टकराव खड़ा करती हैं और दंडहीनता की गारंटी के लिए सुरक्षा परिषद में वीटो अधिकार का इस्तेमाल करती हैं. 'यूएन प्रमुख ने कहा कि इस वजह से संयुक्त राष्ट्र सचिवालय के लिए दुनिया भर में हिंसक टकरावों की संख्या में आई नाटकीय वृद्धि को रोक पाना कठिन हो जाता है. 'चूँकि जब बुरे उदाहरण, महाशक्तियों से मिलते हैं तो विश्व भर में मध्यम-आकार की शक्तियाँ सोचती हैं कि वे जो कुछ चाहती हैं उसे किया जा सकता है, बिना किसी दंड के. 'उन्होंने कहा कि अब ऐसे अनेक देश हैं, जिनका हिंसक टकराव से ग्रस्त देशों में स्थाई रूप से बाहरी हस्तक्षेप है, और इस स्थिति लड़ाई को रोकना और मध्यस्थता कर पाना अत्यधिक कठिन हो जाता है. और इसलिए, सुरक्षा परिषद में सुधार किया जाना अहम है.आवाजाही की स्वतंत्रतायूएन प्रमुख के अनुसार, बढ़ती मुद्रास्फीति व जीवन-व्यापन की ऊँची क़ीमतों का संकट, मध्य पूर्व क्षेत्र में व्याप्त तनाव व अशान्ति की वजह से और बिगड़ता जा रहा है. ईंधन, उर्वरक, कच्चे माल समेत अन्य सामान की क़ीमतों में भारी उछाल आया है और बड़ी संख्या में देशों के लिए चुनौतियाँ बढ़ रही हैं।

स्वत्वधिकारी, प्रकाशक मुद्रक विनोद कुमार के द्वारा के के एस प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड 1431,1431/3850 पालरा औद्योगिक क्षेत्र अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवम प्रकाशित। संपादक विनोद कुमार (राजस्थान)
RNI No. RJHIN/25/A1891, Mob. 9829793919 Email,:kalkasamrat@gmail.com